15 अगस्त 2024 गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

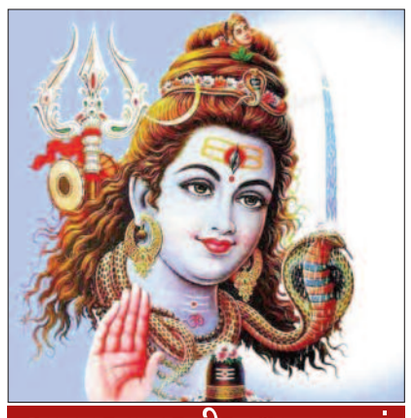

श्रावण मास की शुभकामनाएं

पं. जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री बना हमारे पूर्वजों ने गलती की: गिरिराज

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

15 अगस्त का दिन हर एक भारतीय के लिए बेहद खास है। यह दिन न सिर्फ हमारी आजादी का जश्न मनाता है, बल्कि इस आजादी में अंग्रेजों से छीनकर लाने वाले वीर स्वतंत्रता सैनानियों की याद भी दिलाता है। हमें आजादी में सांस लेने का हक दिलाने की इस लड़ाई में कई वीर सपूतों की सांसें थम गईं। ऐसे में यह दिन उनके इस निस्वार्थ बलिदान के प्रति आभार जाहिर करने का भी एक बेहतरीन मौका है।

न जियो तुम धर्म के नाम पर न मरो तुम धर्म के नाम पर वतन का धर्म इंसानियत ही है बस जियो तुम वतन के नाम पर

युवाओं की ऊर्जा के बल पर देश नई ऊंचाइयों को छूएगा: राष्ट्रपति

♦ स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र को किया संबोधित

एजेंसी/नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि मेरे प्यारे देशवासियो, मैं आप सभी को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि सभी देशवासी 78वें स्वतन्त्रता दिवस का उत्सव मनाने की तैयारी कर रहे हैं, यह देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर लहराते हुए तिरंगे को देखना - चाहे वह लाल किले पर हो, राज्यों की राजधानियों में हो या हमारे आस-पास हो - हमारे हृदय को उत्साह से भर देता है। राष्ट्रपति ने कहा कि जिस तरह हम अपने परिवार के साथ विभिन्न त्योहार मनाते हैं, उसी तरह हम अपने स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस को भी अपने उस परिवार के साथ मनाते हैं जिसके सदस्य हमारे सभी देशवासी हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज, 14 अगस्त को, हमारा देश विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मना रहा है। यह विभाजन की भयावहता को याद करने का दिन है। जब हमारे महान राष्ट्र का विभाजन हुआ, तब लाखों लोगों को मजबूरन पलायन करना पड़ा। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। स्वतंत्रता दिवस मनाने से एक दिन पहले, हम उस अभूतपूर्व मानवीय त्रासदी को याद करते हैं और उन परिवारों के साथ एक-जुट होकर खड़े होते हैं जो छिन्न-भिन्न कर दिए गए थे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हम अपने संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हमारे नव-स्वाधीन राष्ट्र की यात्रा में गंभीर बाधाएं आई हैं। न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुता के संवैधानिक आदर्शों पर दृढ़ रहते हुए, हम इस अभियान के साथ आगे बढ़ रहे हैं कि भारत, विश्व-पटल पर अपना गौरवशाली स्थान पुनः प्राप्त करे।

पीएम की योजनाओं से 4 करोड़ युवाओं को मिलेगा लाभ

राष्ट्रपति ने कहा, आज के युवा हमारी स्वतंत्रता की शताब्दी तक के अमृत काल को यानी आज से लगभग एक चौथाई सदी के कालखंड को स्वरूप प्रदान करेंगे। उनकी ऊर्जा और उत्साह के बल पर ही हमारा देश नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। रोजगार और कौशल के लिए प्रधानमंत्री की पांच योजनाओं के माध्यम से पांच वर्षों में चार करोड़ दस लाख युवाओं को लाभ मिलेगा। सरकार की एक नई पहल से पांच वर्षों में एक करोड़ युवा अग्रणी कंपनियों में प्रशिक्षण लेंगे। ये सभी कदम, विकसित भारत के निर्माण में आधारभूत योगदान देंगे। राष्ट्रपति ने कहा, हाल के वर्षों में, भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। आप सभी के साथ, मैं भी अगले साल होने वाले गगनयान मिशन के शुभारंभ की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही हूं। इस मिशन के तहत, भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान में, भारतीय अंतरिक्ष टीम को, अंतरिक्ष में ले जाया जाएगा।

छुट्टी की सूचना

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर गुरुवार को केशव टाइम्स में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक शनिवार को जारी किया जाएगा।

इंडिगो ने शामिल किया 77 महिला पायलट

मुंबई। एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने देश की आजादी की 78वीं वर्षगांठ मनाने के लिए अपने एयरबस और एटीआर विमानों के लिए बुधवार को 77 महिला पायलटों को शामिल किया। इसके साथ ही, एयरलाइन कंपनी में 800 से ज्यादा महिला पायलट हो गई हैं। एयरलाइन ने बयान में कहा कि देश की स्वतंत्रता के 77 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एयरबस बेड़े में 72 महिला पायलटों और एटीआर बेड़े में पांच महिला पायलटों को शामिल किया जाना एक मील का पत्थर है। एयरलाइन ने कहा कि कंपनी में लगभग 14 प्रतिशत महिला पायलट हैं, जबकि वैश्विक औसत सात से नौ प्रतिशत महिला पायलट का है। इंडिगो में उड़ान परिचालन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैप्टन आशिम मित्रा ने कहा कि एयरलाइन ने हमेशा ऐसे कार्यस्थल को बढ़ावा दिया है जो विविधता और समावेशिता पर आधारित हो। इंडिगो ने जीवन चक्र पहल शुरू की है।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने 103 वीरता पुरस्कारों को दी मंजूरी

शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह समेत चार को कीर्ति चक्र और 18 को शौर्य चक्र सम्मान

एजेंसी/नई दिल्ली

से सम्मानित: स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस पदक से सम्मानित संघीय जांच एजेंसी के 18 अधिकारियों में इंटरपोल से जुड़े दो सीबीआई अधिकारी भी शामिल हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि छह अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है, जबकि 12 को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक दिया गया है।

पिछले साल सितंबर में जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में आतंकवाद विरोधी अभियान में आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए शहीद हुए कर्नल मनप्रीत सिंह को मरणोपरांत शांति काल में दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया है। तीन अन्य सुरक्षा बल कर्मियों - राइफलमैन रवि कुमार (मरणोपरांत), मेजर मल्ला राम गोपाल नायडू, जम्मू-कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल भट (मरणोपरांत) को भी कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के लिए कुल 103 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी है। चार कीर्ति चक्रों के अलावा वीरता पुरस्कारों में 18 शौर्य चक्र (चार मरणोपरांत), एक बार टू सेना मेडल, 63 सेना मेडल, 11 नौसेना मेडल और छह वायु सेना मेडल शामिल है।

18 सीबीआई अधिकारी पुलिस पदक

विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पदक से एसपी प्रदीप कुमार के, अतिरिक्त एसपी नरेश कुमार शर्मा, प्रमोद कुमार और मुकेश कुमार और हेड कांस्टेबल रामजी लाल जाट और राज कुमार को सम्मानित किया गया है।

बिहार के 23 अधिकारी व जवानों को मिलेगा पुरस्कार

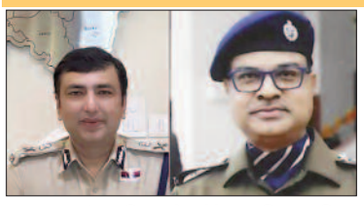

पटना। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बिहार पुलिस के दो पुलिस अधिकारियों को विभाग में विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) दिया जायेगा। पुलिस मुख्यालय ने इस बात की घोषणा आज की है। एक शहीद सब इंस्पेक्टरऔर और चार पुलिस कांस्टेबल को ग्लैंट्री अवॉर्ड दिया जायेगा। साथ ही16 पुलिसकर्मियों को सराहनीय सेवाओं के लिए पदक (एमएसएम) देने की घोषणा की गई है। राष्ट्रपति पदक पाने वालों में अपर पुलिस महानिदेशक संजय सिंह और पुलिस उपाधीक्षक राजेश कुमार शर्मा हैं। संजय सिंह लॉ एंड ऑर्डर के एडीजी हैं, जबकि राजेश कुमार शर्मा डीएसपी हैं। इन दोनों पुलिस पदाधिकारियों को राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) देने की घोषणा की गई है।

सराहनीय सेवा के लिए इन्हें मिलेगा पुलिस पदक

- नीरज कुमार सिंह, एसपी
- पंकज कुमार, एसपी
- अरविंद कुमार सिन्हा, डीएसपी
- आशीष कुमार सिंह, डीएसपी
- कुमार किरण पासवान, डीएसपी
- विजय कुमार, इंस्पेक्टर
- बिनायक राम, एएसआई
- प्रकाश कुमार शर्मा, हवलदार
- मोरा मुंडा, कांस्टेबल
- संजय कुमार सिंह, हवलदार
- विजय कुमार यादव, एएसआई
- कृष्ण मोहन गुप्ता, इंस्पेक्टर
- अंजनी कुमार, कांस्टेबल
- सविता देवी, कांस्टेबल
- गणेश बहादुर थापा, हवलदार
- राजेश कुमार सिंह, हवलदार

एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या के दोषी को फांसी की सजा

एजेंसी/मैनपुरी

चार साल पहले उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक ही परिवार के पांच सदस्यों को कमरे बंद कर जलाकर मारने वाले हत्यारे को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। जिला जज सुधीर कुमार ने दोषी मुरारी कश्यप को मौत की सजा सुनाते हुए कहा कि इसका कृत्या राक्षसी है. ऐसे व्यक्ति को समाज में जीने का कोई अधिकार नहीं है। जिला जज ने अपने आदेश में लिखा कि दोषी मुरारी को अंतिम सांस तक फांसी पर लटकाया जाए। मौत की सजा सुनते ही मुरारी अपना सिर पकड़कर बैठ गया।

दरअसल, पूरा मामला मैनपुर के माधौनगर खरपरी का है। 2020 में होली के दिन जगदीश प्रजापति और मुरारी कश्यप के बीच डीजे पर डांस करने को लेकर विवाद हुआ था। हालांकि उस समय गांव वालों ने मामला शांत करवा दिया। लेकिन मुरारी बार-बार जगदीश प्रजापति के परिवार को जान से मारने की धमकी देता रहा। इसके बाद 18 जून 2020 की रात 12 बजे जब जगदीश प्रजापति के भाई रामबहादुर, उनकी पत्नी रलादेवी, पुत्री संध्या उर्फ रोहिनी, शिखा और पौत्र रिषी कमरे में सो रहे थे तो मुरारी ने बाहर से कुण्डी बंद कर मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा दी। इस जघन्य वारदात में सभी की मौत हो गई।

दोषी को फांसी की सजा दिया जाना न्यायसंगत

इस मामले में जगदीश की तहरीर पर पुलिस ने मुरारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके बाद मामले की विवेचना कर कोर्ट में चार्जशीट फाइल कर दी गई। 9 अगस्त को जिला जज सुधीर कुमार ने मुरारी को इस हत्याकांड का दोषी माना था। जिल जज ने मुरारी के इस कृत्य को राक्षसी बताया और कहा कि ऐसे व्यक्ति को समाज में जीने का कोई अधिकार नहीं है। आदेश में कोर्ट ने कहा कि हो सकता है कि दोषी एक संवेदनहीन व्यक्ति है और उसमे मानव के लिए कोई दयाभाव नहीं है। इसलिए दोषी को फांसी की सजा दिया जाना न्यायसंगत है।

दमोह के पास मालगाड़ी के 7 डिब्बे पलटे, ट्रेन सेवा बाधित

एजेंसी/इटारसी

दमोह जिले के पथरिया के पास बुधवार शाम करीब 6.30 बजे एक भीषण रेल हादसा हुआ। कटनी से सागर की ओर जा रही कोयले से भरी मालगाड़ी के 7 डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए। इस हादसे के कारण रेल पटरियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। जिसके चलते सागर, दमोह और कटनी के बीच रेल यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया है। प्रारंभिक जांच में जमीन धंसने के कारण हादसे की आशंका जताई जा रही है। जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण यह संभावना और भी मजबूत हो गई है। हालांकि, हादसे के सही कारणों का पता लगाने के लिए रेलवे के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। गौरतलब है कि मालगाड़ी के डिब्बे पलटने के मात्र 5 मिनट बाद ही दरभंगा एक्सप्रेस भी घटनास्थल के पास से गुजरी। इस घटना के बाद रेलवे के अधिकारी हादसे के बारे में कोई भी जानकारी देने से बच रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के सही कारणों का पता चल पाएगा। इस हादसे के कारण इस रूट पर चलने वाली कई ट्रेनों का शेड्यूल प्रभावित हुआ है। यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। क्षतिग्रस्त पटरियों को ठीक करने में कितना समय लगेगा, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। घटना के बाद रास्ते से गुजर रहे राहगीरों ने पलटे हुए डिब्बों के वीडियो बना लिए। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में फिलहाल रेल प्रबंधन कुछ भी कहने से बचता हुआ नजर आ रहा है। इस हादसे के बाद कई ट्रेनें प्रभावित हैं जिनमें कलिंगा-उत्कल एक्सप्रेस (18478), जयपुर-गोंडवाना सुपरफास्ट (22182), दयोदय एक्सप्रेस (12182), विंध्यांचल एक्सप्रेस (12172), सिंगरौली-ऊजार्धानी एक्सप्रेस (22165), रेवांचल एक्सप्रेस (12185) ट्रेनें शामिल हैं।

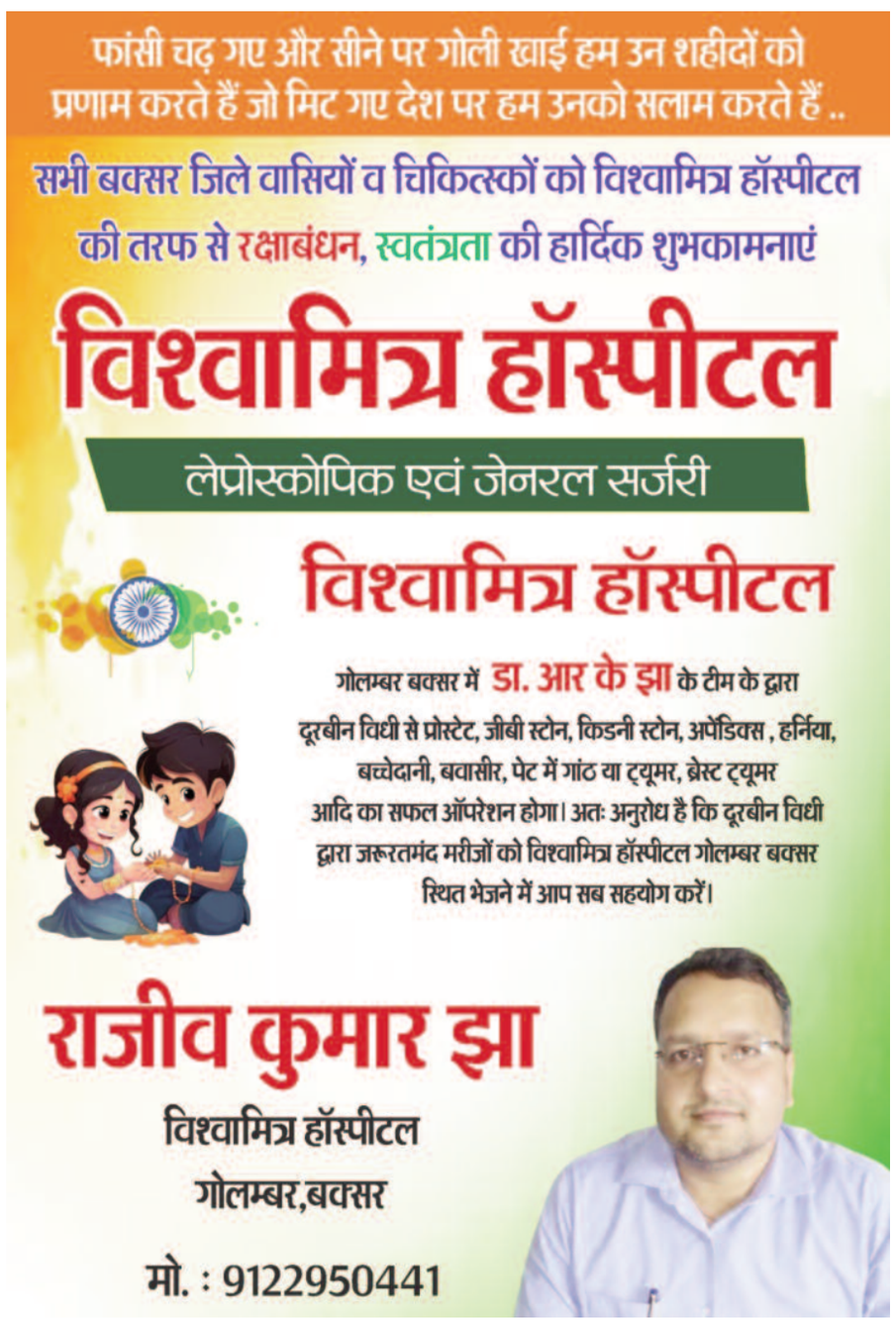

पं. जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री बना हमारे पूर्वजों ने गलती की: गिरिराज

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के फायद ब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने एक फिर से विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 14 अगस्त को हम लोग विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में मनाते है। इसमें हमारे लाखों करोड़ों लोगों की हत्या हुई। हमारे पूर्वजों से एक और भूल हुई कि उन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री बनाया। लोग कहते हैं कि गांधी जी को नेहरू प्रेम था। इसलिए प्रेम के कारण यह विभीषका देखने को मिली। अगर सरदार पटले प्रधानमंत्री बने होते तो हिन्दुओं की यह दुर्दशा नहीं होती। लियाकत अली के साथ पैक्ट हुआ था कि यहां से जो मुसलमान पाकिस्तान जाएंगे और पाकिस्तान

से जो हिन्दू भारत आएंगे, उनकी हिफाजद की जाएगी। लेकिन, हिफाजत नहीं हुआ। अगर सारे मुसलमालों को पाकिस्तान भेज दिया गया होता और सारे हिन्दुओं को भारत लाया जाता तो आज यह दिन नहीं देखना पड़ता। न ही यहां वक्फ बोर्ड के पास नौ लाख हेक्टेयर मुफ्त की जमीन होती और न ही वहां पर हिन्दू, सिख और ईसाई मारे जाते।

आज हमारे देवी-देवताओं का अपमान नहीं होता

गिरिराज सिंह ने कहा कि आज तक हमलोग दंश झेल रहे हैं। आज भी हमलोग शोभा यात्रा निकालते हैं तो कभी पत्थर खाना पड़ता, कभी गोलियां चलती हैं तो कभी तलवार चलता है। आज कुछ लोग हमारे देवी देवताओं पर टीका टिप्पणी खुलेआम कर रहे हैं। अगर धर्म के आधार पर देश के टुकड़े हुए तो पता नहीं गांधी जी को कितना प्रेम था मुस्मिल भाइयों से कि आज तक हमलोग दंश झेल रहे हैं। अगर उस समय मुसलमानों को पाकिस्तान भेज दिया गया होता तो आज हमारे देवी-देवताओं का अपमान नहीं होता। मंदिर नहीं तोड़े जाते। हमलोग सबके सुख की कामना करते हैं।

हमें विभाजन रूपी विभीषिका का दंश भी मिला

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रतिवर्ष 15 अगस्त को हम देशवासी स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। लेकिन, भारत को जो स्वतंत्रता मिली थी। उसके साथ-साथ सौगात में हमें विभाजन रूपी विभीषिका का दंश भी मिला था। नए स्वतंत्र भारतीय राष्ट्र का जन्म विभाजन के हिंसक दर्द के साथ हुआ। जिसने लाखों भारतीयों पर पीड़ा के स्थायी निशान छोड़े। वर्ष 1947 में विभाजन के कारण मानव जाति के इतिहास में सबसे विनाशकारी विस्थापनों में से एक देखा गया। 15 अगस्त 1947 की सुबह ट्रेनों, घोड़े खच्चर और पैदल ही लोग अपनी ही मातृभूमि से विस्थापित होकर अपने अपने देश जा रहे थे। इसी बीच बंटवारे के दौरान भड़के दंगे और हिंसा में लाखों लोगों की जान चली गई। यह ऐसी भीषण त्रासदी थी। जिसमें करीब बीस लाख लोग मारे गए और डेढ़ करोड़ लोगों का पलायन हुआ था। यह विभाजन मानव इतिहास में सबसे बड़े विस्थापनों में से एक है। जिससे लाखों परिवारों को अपने पैतृक गांवों एवं शहरों को छोड़ना पड़ा और शरणार्थी के रूप में एक नया जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ा। गिरिराज सिंह ने कहा कि इस विभाजन का सबसे अधिक दंश जिस राज्य ने झेला, वह पंजाब था। पंजाब एक ऐसा प्रांत जो हिंदू, मुस्लिम और सिखों सहित विभिन्न समुदायों की असंख्य और जीवंत आबादी का ठिकाना था। लेकिन विभाजनकारी षडयंत्र ने इसे दो भागों में विभाजित करके इसकी विरासत और विशिष्टता पर गहरा आघात किया।

मुजफ्फरपुर में नाबालिग की रेप के बाद हत्या, शरीर पर कई जगह कटे के निशान

केटी न्यूज/ पटना

बिहार के मुजफ्फरपुर के पारु थाना क्षेत्र के लालू छपरा के नयाटोला गोपालपुर में दो दिन पहले एक नाबालिग की हत्या कर शव चौर में फेंकने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। इसको लेकर बुधवार को एसएसपी राकेश कुमार भी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की। मामले में मुख्य आरोपी संजय यादव की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी चल रही है। बता दें कि सोमवार को लालू छपरा के चौर में महादलित नाबालिग छात्रा का शव अर्धनग्न अवस्था में पानी में मिला था। उसके लाश पर कई गंभीर जख्म थे। अगल-बगल मांस के चीथड़े और खून के धब्बे थे। बताया जा रहा है कि नाबालिग की हत्या से पहले उसका रेप किया गया और फिर धारदार हथियार से कई जगह काटा गया।

घटना को लेकर मृतका की मां ने बताया कि गांव के 41 वर्षीय संजय यादव ने उनकी छोटी बेटी की हत्या कर दी है। दरअसल उसकी पत्नी मर चुकी हैं, वो 6 महीना से मेरी बेटी से शादी करना चाहता था और अक्सर मुझे शादी कराने की बात कहता था।

पटना के आलमगंज थाना इलाके की घटना, विवाद के बाद मारी गोली

पटना में भाजपा नगर मंडल के पूर्व महामंत्री की गोली मारकर हत्या

केटी न्यूज/पटना

पटना के आलमगंज थाना इलाके में अपराधियों ने मंगलवार की देर रात भाजपा नगर मंडल के पूर्व महामंत्री व दूध कारोबारी को गोली मार दी। आननफानन में इलाज के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पटना सिटी की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मृतक की पहचान भाजपा नगर मंडल के पूर्व महामंत्री अजय शाह (45) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी शरद आरएस सहित आलमगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई।

घटना की जानकारी देते हुए पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि अमूल दूध के पार्लर चलाने वाले अजय शाह अपनी दुकान पर बैठे थे।

इसी बीच मोटरसाइकिल से दो अपराधी आए और किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसी क्रम में अपराधियों ने अजय शाह पर गोलियां चला दी। अजय शाह गोली लगते ही घायल होकर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉयड को बुलाया है। एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड के माध्यम से मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है।

दो अपराधी दुकान के नजदीक पहुंचे और मार दी गोली: उन्होंने बताया कि मामला जमीन विवाद का भी हो सकता है। पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी को भी खंगाला जा रहा है। आसपास के लोगों ने बताया कि अजय शाह बजरंग पुरी में अपनी अमूल पार्लर का दुकान चलाते हैं। मंगलवार की देर रात वह दुकान बंद करने की तैयारी में थे। इसी क्रम में मोटरसाइकिल से दो अपराधी दुकान के नजदीक पहुंचे और किसी बात को लेकर दुकानदार अजय शाह

कोई इसे जंगलराज नहीं कहेगा: तेजस्वी

बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर विपक्ष लगातार बिहार सरकार पर हमलावर है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहित तमाम विपक्ष के नेता प्रदेश की डबल इंजन सरकार को घेर रहे हैं। इसी कड़ी में भाजपा नेता की हत्या को लेकर भी तेजस्वी ने बिहार सरकार पर हमला बोला है। साथ ही उन्होंने कहा है कि बिहार में लगातार हो रही हत्याओं के बावजूद कोई इसे जंगलराज नहीं कहेगा। क्योंकि भाजपा शासन में है। तेजस्वी यादव ने ट्विट कर कहा कि, रबिहार की एनडीए सरकार और नेताओं के लिए ये दुर्भाग्यपूर्ण हत्याएं नहीं बल्कि सत्ता बचाने की मंगलकारी घटनाएं है।

और अपराधियों के बीच विवाद शुरू हो गया। इसी क्रम में अपराधियों ने अजय शाह पर ताबड़तोड़ तीन गोलियां चला दी। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

जहानाबाद में तीन स्कूली बच्चे नदी में डूबे, दो का निकाला गया शव, एक की तलाश

जहानाबाद। जहानाबाद के टेहटा थानाक्षेत्र के गोई बीघा गांव में दर्दनाक घटना घट गई, जहां तीन छोटे-छोटे स्कूली बच्चे जमुने नदी में डूब गए। आनन-फानन में आसपास के लोगों की मदद से दो बच्चों का शव बाहर निकाला गया। जबकि एक बच्चे की तलाश करने में स्थानीय गोताखोर जोर-शोर से जुटे हुए हैं। इस घटना की सूचना पाकर मृतक के परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस से फरियाद लगाई। उसके बाद पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया। पुलिस भी घटनास्थल पर तलाश में सहयोग करने में लगी हुई है। जानकारी के मुताबिक, गोई बीघा गांव के पास के स्कूल में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चे छुट्टी होने के बाद घर जाने के दौरान जमुने नदी के किनारे चले गए। इस दौरान सभी बच्चे नदी में नहाने के लिए कूद पड़े। इस दौरान पांच बच्चों में से दो बच्चे तेज धार में जाने से बच गए, जबकि तीन बच्चे तेज धार में बह गए। बच गए दोनों बच्चों ने गांव पहुंचकर हो हल्ला करके लोगों को घटना की सूचना दी। फिर फौरन गोताखोरों की मदद से लापता बच्चों की तलाश शुरू कर दी गई। काफी मशक्कत के बाद दो बच्चों के शव को बाहर निकाला गया।

पुलिस ने पटना से तीन युवकों को लिया हिरासत में, सिपाही भर्ती परीक्षा के आठ एडमिट कार्ड मिले

केटी न्यूज/पटना

पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र से एक होटल में पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान एक कमरे से तीन संदिग्ध युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इनके पास से सिपाही भर्ती परीक्षा के आठ एडमिट कार्ड, आधार कार्ड, चेकबुक, नगद, मोबाइल और कई शैक्षणिक प्रमाण पत्र मिले हैं। पुलिस ने तीनों की पहचान प्रेम कुमार, रामाशीष एवं चंदन कुमार के रूप में की है। कोतवाली थाने में तीनों से पूछताछ चल रही है। आशंका है कि यह लोग सिपाही भर्ती परीक्षा में किसी बड़ी गड़बड़ी की तैयारी में थे। पटना पुलिस का यह मानना है कि हिरासत में लिए गए युवकों का तार सिपाही भर्ती परीक्षा से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस ने उनके पास से जो कागजात बरामद किए हैं वह किशनगंज, पूर्णिया और अररिया के अभ्यर्थियों का होने की बात सामने आ रही है। गिरफ्तारी के संबंध में पटना के एसएसपी राजीव मिश्रा ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी पटना के सभी होटलों में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में कोतवाली थाना क्षेत्र के एक होटल से संदिग्ध परिस्थिति में तीन युवकों को हिरासत में लिया गया है। हिरासत में लिए गए युवकों के पास से कई छात्रों के एडमिट कार्ड, मार्कशीट के उल्लेख मिले हैं। कुछ चेक बुक, एटीएम कार्ड कम डेबिट कार्ड, कुछ मार्कशीट और कई कागजात मिले हैं। तीनों संदिग्ध युवको से पूछताछ की जा रही है।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार
गीता प्रेस
पुस्तक की दुकान
सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता
सहयोगी प्रतिष्ठान
डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)
: 6299941536
लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

78वें स्वतंत्रता दिवस व रक्षा बंधन पर प्रदेश वासियों- बक्सर जिलेवासियों व दियारांचल प्रीमियम के सभी उपभोक्ताओं को हार्दिक शुभकामनायें
बिहार का प्रथम सत्यापित जैविक सरसों तेल कोल्ड प्रेस, कच्ची घनी सरसों तेल, झाग, झांस कोलेस्ट्रॉल एवं चिपचिपाहट मुक्त
फांसी चढ़ गए और सीने पर गोली खाई, हम उन शहीदों को प्रणाम करते हैं
जो मिट गए देश पर हम, उनको सलाम करते हैं !
दियारांचल प्रीमियम
शुद्धता की गारंटी रसोई की जान शुद्धता की पहचान
अब घर बैठे करें ऑनलाइन खरीदारी www.diyaranchal. in पर
सम्पर्क सूत्र
9112244957
8700044951
हमारे उत्पाद सत्यापित जैविक सरसों तेल
दियारांचल की शान बक्सर की पहचान
हमारे अन्य उत्पाद दियारांचल मसाले
ISO 22000:2018 ISO 9001:2015 HACCP fssai 10422040000030
पता - प्लाट नं. 54, ग्राम पैलाडीह, पोस्ट- आशा पड़री, जिला- बक्सर (बिहार) पिन 802135

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018
ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING
FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX
SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

स्वतंत्रता दिवस पर आज जिले के सभी प्रखंडों में शान से लहराएगा तिरंगा

♦ स्वतंत्रता दिवस पर बक्सर के किला मैदान तो डुमरांव के राज हाई स्कूल के मैदान में होगा मुख्य समारोह

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

देश आज अपना 78 वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। गुरूवार को जिले के सभी सरकारी व निजी संस्थानों, स्कूल कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों के अलावे लोगों के छत पर राष्ट्रध्वज तिरंगा लहराएगा तथा राष्ट्रगान के साथ ही कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगें। बक्सर में मुख्य समारोह किला मैदान में होगा। जहां, डीएम अंशुल अग्रवाल व एसपी मनीष कुमार की मौजूदगी में जिले के प्रभारी मंत्री नीतीन नवीन झंडतोलन करेंगे। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। झंडोतोलन के बाद मार्च पास्ट व सांस्कृकि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वही डुमरांव का मुख्य समारोह राज हाई स्कूल के खेल मैदान में आयोजित होगा। जहां डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार तिरंगा फहरा अनुमंडलवासियों को संबोधित करेंगे।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को लेकर नौजवानो, बच्चों में काफी उत्साह है। हर तरफ तिरंगा फहराने और इस मौके पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम की धुम मची हुई है। इधर स्वतंत्रता दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों का समय निर्धारण कर उसे सार्वजनिक कर दिया है। डीएम अंशुल अग्रवाल और एसपी मनीष कुमार सबसे पहले अपने अवासीय कार्यालय पर तिरंगा फहराएंगे। वहीं डुमरांव से मिली सूचना के अनुसार राज हाईस्कूल में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जहां पर एसडीओ राकेश कुमार तिरंगा फहराएंगे। वहीं एसडीओ ने कार्यालयों में झंडा फहराने के लिए समय का निर्धारण कर दिया है। जारी किये गए कार्यक्रम में सबसे पहले एसडीओ सुबह 7.30 और डीएसपी अपने अवासीय कार्यालय पर 7.40 पर देश की शान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को फहराएंगे।

फिर उसके बाद अन्यंत्र स्थानों पर तिरंगा फहराने सिलसिला शुरू हो जाएगा। जारी समय के अनुसार शहीद स्मारक स्थल पर सुबह 8.05, अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय पर 8.20, अनुमंडल कार्यालय पर 8.30, अधिवक्ता संघ द्वारा 8.35, अनुमंडलीय अस्पताल 8.40, रेडक्रास सोसाईटी कार्यालय छठिया पोखरा पर 8.50, प्रखंड कार्यालय 9.05, सीडीपीओ कार्यालय पर 9.10, पीएचसी पर 9.15, अवर निबंधन कार्यालय पर 9.20, नगर परिषद में 9.25 पर, नगर थाना में 9.40 और राज उच्च विद्यालय डुमरांव में जहां मुख्य समारोह का आयोजन होगा वहां पर 10 बजे एसडीओ राकेश कुमार देश की शान तिरंगा को फहराएंगे। तिरंगा फहराने के बाद उनके विभिन्न स्कूलों से आए एनएसएस, एनसीसी के छात्र-छात्राओं को सलामी देंगे। पहली बार खुली जीप में बैठ एसडीओ द्वारा चारोतरफ घुमते हुए परेड में शामिल छात्र-छात्रओं को सलामी तो देंगे ही दर्शकों का भी अभिनंदन करेंगे। सभी को सलामी देने के बाद विभिन्न स्कूलों द्वारा देशभक्ति पर अधारित गीत, संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हर वर्ष की तरह इस साल भी किया जाएगा।

एक नजर

प्रतिभा का परचम: रामपुर की बेटी सौम्या ने राज्य स्तरीय कुश्ती में जीता रजत पदक

केसठ। परिंदों को तालीम नहीं दी जाती है उड़ानों की, वे खुद ही छु लेती हैं बुलंदिया आसमानों की...

प्रखंड के रामपुर गांव की रहने वाली सोनू तिवारी की बेटी सौम्या कुमारी ने दसवीं राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल कर इस उक्ति को चरितार्थ कर दिखाई है। उसके इस प्रदर्शन से गांव और जिले का नाम रौशन किया है। इस उपलब्धि से पूरे गांव और परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 11 अगस्त को लखीसराय जिले में आयोजित की गई थी। जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों से सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। सौम्या ने बालिका वर्ग के अंडर 11 में 34 किलोग्राम भार में रजत पदक प्राप्त किया है। सौम्या के इस बेहतरीन प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि बेटियां किसी से कम नहीं हैं और वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। पिता सोनू तिवारी ने बताया कि सौम्या अब आगामी नवम्बर माह में राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती प्रतियोगिता में कश्मीर में भाग लेंगी। उनके इस प्रयास को देखते हुए पूरे जिले को उम्मीद है कि वह वहां भी अपना परचम लहराएगी और राज्य का नाम रोशन करेंगी। सोनू की माने तो सौम्या बचपन से ही कुशाग्र है तथा पढ़ाई के साथ-साथ वह खेलकूद व अन्य गतिविधियों में भी हमेशा अव्वल आती है।

गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने पर रोका निर्माण

डुमरांव। नगर में इस समय रोड, नाली, गली बनाने का कार्य तेजी के साथ चल रहा है। गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं किये जाने की शिकायत नगरवासियों के द्वारा की जा रही है। बुधवार को नगर के गड़ेरी मोहल्ला में नाली और गली बनाने का विभागीय काम कराया जा रहा है। काम सही नहीं होने पर मोहल्ले के लोगों ने काम को रोकवा दिया। मोहल्ले के जदयू नेता मिंटू हाशमी, गोपाल प्रसाद गुप्ता वहां पहुंच सही काम नहीं होने पर उसे रोकवा दिया। काम रोके जानक की सूचना पर जेई वहां पहुंचे। जेई ने लोगों को आश्वासन दिया की गुणवत्तापूर्ण कार्य कराया जाएगा। फिर लोगों ने आश्वासन मिलने के बाद काम को शुरू करवाया।

खबरें फटाफट

तैराकी प्रतियोगिता के लिए प्रशिक्षण शुरू

ब्रह्मपुर। अंतरराष्ट्रीय तैराक व सेना के पूर्व कप्तान विजेंद्र सिंह के नेतृत्व में ब्रह्मपुर प्रखंड के गोकुल जलाशय में राज्य तैराकी चैंपियनशिप के लिए युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। बताते चलें कि राज्य तैराकी प्रतियोगिता 24 अगस्त को मुजफ्फरपुर में होने जा रहा है। जिसके लिए बालक एवं बालिका सीनियर वर्ग के लिए अंतर्राष्ट्रीय तैराक कैप्टन विजेंद्र सिंह तैराकों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा प्रशिक्षित सैकड़ों तैराक सरकारी नौकरियों में कार्यरत हैं एवं अपने जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी उन्हें अपने लड़कों से बड़ी उम्मीदें है।

जनता दरबार में आए 42 मामले

बक्सर। बुधवार को डीएम अंशुल अग्रवाल के द्वारा आम जनता से मुलाकात के क्रम में कुल 42 आवेदनों पर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में सुनवाई की गई एवं संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि आम जनता की शिकायतों का त्वरित निष्पादन होना चाहिए। इस जनता दरबार में जिले के सभी प्रखंडों से फरियादी आए थे। जो अपनी फरियाद डीएम से सुना न्याय की गुहार लगाए। डीएम ने भी उन्हें निराश नहीं किया तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवेदन का निराकरण कर प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया।

छात्रों के बीच बांटी गई पाठ्य सामग्री

चौसा। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व संध्या पर बुधवार को चौसा नगर पंचायत द्वारा नगर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों व आंगनबाड़ी के बच्चों में पाठ्य-पुस्तक का वितरण किया गया। इससे जहा बच्चे भी किताब कॉपी व पाठ्द्ध सामग्री पाकर काफी खुश हुए। इस दौरान ईओ शुभम कुमार ने कहा कि चौसा नगर पंचायत के विकास में स्वच्छता पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा स्वच्छ व सुंदरता में शिक्षित समाज की भूमिका होती है। सभी अभिभावक बच्चों को सुशिक्षित बनाये। इस मौके पर न्यायीपुर मध्य विद्यालय व न्यायीपुर आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को पाठ्य-पुस्तक दी गई।

आजाद पासवान के समर्थकों ने ज्योति चौक के पास सड़क पर शव रख किया सड़क जाम

हत्यारों की गिरफ्तारी व परिजनों को नौकरी देने की मांग कर रहे थे समर्थक

केटी न्यूज/बक्सर

♦ छह सूत्री मांगों के समर्थन में डटे रहे आक्रोशित, मौके पर एसपी को बुलाने की करते रहे मांग

♦ आजाद की मौत के बाद स्थानीय ग्रामीणों, सुभासपा और भीम आर्मी के समर्थकों में बढ़ा आक्रोश

कुख्यात नक्सली सह सुभासपा नेता आजाद पासवान की मौत के बाद उसके समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। बुधवार को उसका अंतिम संस्कार किया गया। इसके पहले ज्योति चौक पर शव रख समर्थकों ने सड़क जाम कर दिया तथा पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। आक्रोशित समर्थक आजाद के हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार करने, उसके परिजनों को सरकारी नौकरी देने समेत छह सूत्री मांग कर रहे थे तथा घटना स्थल पर एसपी मनीष कुमार को बुलाने की मांग पर अड़े थे।

सड़क जाम से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई थी। सड़क जाम किए जाने की सूचना मिलते ही सदर एसडीओ धीरेन्द्र कुमार मिश्र, डीएसपी धीरज कुमार, नगर थानाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंची। पुलिस और प्रशासनिक टीम ने आजाद के समर्थकों को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान समर्थक घंटों एसपी समेत वरीय अधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़े थे। समर्थकों का कहना था कि घटना के सात दिन बाद भी आजाद पासवान पर हमला करने वाले नामजद आरोपित गिरफ्तार नहीं हो सके है। बाद में एसडीओ तथा डीएसपी ने उन्हें समझा बुझाकर शांत कराया। इस दौरान एसडीओ ने पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को एसपी से मिलने का समय निर्धारित कराया तथा प्रशासनिक स्तर से भी उनके मांगों को पूरा करवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद आजाद के समर्थक सड़क जाम हटा शव को लेकर अंतिम संस्कार करने गए।

समर्थकों के आक्रामक रवैये से सहमे ग्रामीण

आजाद की मौत के बाद डुमरांव अनुमंडल के दक्षिणी इलाके में हिंसा प्रतिहिंसा की आशंका से आस पास के इलाकों के ग्रामीण सहमे हुए है। मंगलवार की शाम से ही इलाके में शांति छाई है। लोगों को इस बात का डर है कि कहीं आजाद समर्थक हिंसक रूख न अख्तियार करें। जिस कारण इलाके की शांति भंग हो सकती है। बता दें कि पिछले एक दशक से यह इलाका काफी शांत था। सिर्फ 2016 में बसपा नेता प्रदीप कुमार उर्फ मिल्लू चौधरी की हत्या के अलावे कोई बड़ी घटना नहीं हुई थी। नक्सल गतिविधिया भी कम हो गई थी।

लेकिन आजाद के गोलीबारी में घायल होने के बाद से ही उसके समर्थक काफी आक्रोशित है तथा पुलिस प्रशासन के प्रति आक्रामक रूख अख्तियार किए है। जबकि उसकी पत्नी द्वारा नामजद लोगों पर एफआईआर भी दर्ज कराया गया है। यही कारण है कि लोगों में इस बात का भय बना हुआ है कि कही फिर से हिंसा का दौर शुरू न हो जाए। आजाद के शव यात्रा में इसकी झलक देखने को भी मिली। हालांकि, पुलिस स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है तथा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

सात अगस्त को मारी गई थी गोली

बता दें कि सिकरौल थाना क्षेत्र के परसागंडा निवासी आजाद पासवान की गिनती हार्डकोर नक्सली के रूप में होती थी। वह ओमप्रकाश राजभर के सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के बिहार का दलित प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष भी था। सात अगस्त को वासुदेवा ओपी क्षेत्र के आथर गांव से पश्चिम अपराधियों ने उसे घेरकर गोली मार दिया था। आजाद को चार गोली लगी थी तथा मंगलवार को पटना के रूबन अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस बुधवार को उसका अंतिम संस्कार किया गया। सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन के करने वालों में परसागंडा के ग्रामीणों के साथ ही सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी तथा भीम आर्मी के कार्यकर्ता शामिल थे।

ब्रह्मपुर में फर्जी शिक्षिका पर बीईओ ने दर्ज कराई प्राथमिकी

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

♦ डुमरांव नप की वार्ड का चुनाव लड़ चुकी है फर्जी शिक्षिका जमीला खातून

लोकशिकायत के निर्देश पर आखिरकार ब्रह्मपुर के उर्दू मध्य विद्यालय भरखर में कोचस की राबिया परवीन के नाम पर फर्जी तरीके से शिक्षका की नौकरी करने वाली जमीला खातून के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया गया। उस पर ब्रह्मपुर के प्रभारी बीईओ जितेन्द्र कुमार ने एफआईआर दर्ज कराया है तथा वेतन रिकवरी के लिए नीलाम पत्र भी दायर किया गया है। डुमरांव के वार्ड 21 अंतर्गत बागमुंशी ढेलवानी मोहल्ले के नसीम अंसारी उर्फ गोरख की पत्नी है।

गोरख डुमरांव नगर परिषद के दो बार वार्ड पार्षद भी रह चुके है तथा जमीला भी डुमरांव में दो बार वार्ड का चुनाव लड़ी थी, लेकिन चुनाव नहीं जितने के बाद उसने विभागीय सांटगाठ से कोचस की राबिया परवीन के कुटरचित शैक्षणिक व प्रशैक्षणिक प्रमात्र पत्रों के आधार पर वर्ष 2015 में ही फर्जी शिक्षिका बन विभाग को लाखों रूपए का चुना लगा चुकी है। खास यह कि पटना हाई कोर्ट के निर्देश पर फर्जी शिक्षकों की जांच कर रही निगरानी विभाग की रडार से भी वह पिछले आठ वर्षों से बचती आ रही है। लेकिन उसके पड़ोस के एक व्यक्ति ने अनुमंडल लोकशिकायत में परिवाद दायर कर उसके प्रमाण पत्र को फर्जी बताया था। प्रमाण कि लिए उसने चुनाव के दौरान प्रस्तुत कागजातों को भी दिया था। दोनों नामों में फोटो एक ही महिला का था। जिसके बाद लोक शिकायत के निर्देश पर विभाग द्वारा इसकी जांच करवाई गई। जिसमें लोक शिकायत में लगे आरोपो की पुष्टि हो गई।

बढ़ी जमीला की मुश्किलें

इसके बाद डीईओ शारिक असरफ के निर्देश पर ब्रह्मपुर के प्रभारी बीईओ ने बुधवार को उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया। एफआईआर दर्ज होने के बाद राबिया बनी जमीला खातून की मुश्किलें बढ़ गई है। उस पर गिरफ्तारी की तलवार भी लटकी है। ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि बीईओ के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। गौरतलब हो कि जमीला जैसे प्रखंड व जिले में सैकड़ो ऐसे शिक्षक है, जो दूसरे के नाम पर फर्जी तरीके से नौकरी कर रहे है। लेकिन, ताज्जूब कि अभी तक निगरानी विभाग की पकड़ में नहीं आ सकें है। जिस कारण कई सवाल खड़े हो रहे है। बहरहाल लोक शिकायत के निर्देश पर एफआईआर दर्ज होने के बाद दूसरों के नाम पर नौकरी करने वाले शिक्षकों में हड़कंप मच गया है।

उप विकास आयुक्त ने दो टीबी मरीजों को लिया गोद, दिया फूड बास्केट; बोले डीडीसी...

निक्षय मित्र योजना मरीजों की पोषण की कमी को दूर करने में सहायक

केटी न्यूज/बक्सर

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में टीबी के इलाजरत मरीजों को निक्षय मित्र योजना के तहत गोद लिया जा रहा है। जिससे टीबी मरीजों की पोषण की कमी दूर किया जा सके। इस क्रम में बुधवार को उप विकास आयुक्त डॉ. महेंद्र पाल ने टीबी के दो मरीजों को गोद लिया।

साथ ही, इस दौरान उपविकास आयुक्त ने गोद लिए गए दोनों मरीजों को पोषण की पोटली (फूड बास्केट) प्रदान की। इस दौरान उप विकास आयुक्त डॉ. महेंद्र पाल ने जिला यक्ष्मा केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों को कहा कि विभाग की यह पहल काफी सराहनीय है। कहा कि यक्ष्मा विभाग के द्वारा निक्षय पोषण योजना के तहत टीबी से इलाजरत मरीज को उपचार शुरू होने 84 दिनों के लिए 1500 रुपये की पहली किस्त और 84 दिन के बाद 1500 रुपये की दूसरी किस्त मरीजों के खाते में भेजी जा रही है। साथ ही, निक्षय मित्र योजना उनकी पोषण की कमी को दूर करने में काफी सहायक साबित होगा। उन्होंने जिला यक्ष्मा केंद्र के अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि पोषण पोटली की सामग्री का उपयोग सिर्फ टीबी के मरीज ही करें। इसके लिए विभागीय कर्मचारी उनका नियमित फॉलो-अप करते रहे।

मौके पर जिला यक्ष्मा के केंद्र प्रभारी डीपीसी कुमार गौरव, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक प्रिंस कुमार सिंह, प्रधान लिपिक मनीष श्रीवास्तव, डीपीएस उत्तम कुमार, एसटीएस राहुल कुमार व अन्य मौजूद रहे।

रोगियों को उपचार के साथ पौष्टिक आहार जरूरी

जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. शालिग्राम पांडेय ने बताया कि जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने भी जिले के दो टीबी मरीजों को गोद लिया है। जिनको उनके द्वारा फूड बास्केट उपलब्ध कराया है। टीबी मरीज को उपचार के दौरान पौष्टिक आहार की जरूरत होती है। दवा के साथ-साथ पौष्टिक आहार मिलने से टीबी मरीज की रिकवरी जल्दी होती है। इसलिए केंद्र सरकार व यक्ष्मा विभाग ने निक्षय मित्र योजना की शुरूआत की है। उन्होंने जिले के सक्षम लोगों, जनप्रतिनिधियों व स्वयंसेवी संस्थाओं से कदम बढ़ाकर टीबी उन्मूलन अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए टीबी के इलाजरत मरीजों को गोद लेने की अपील की।

स्वाधीनता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले शिवविलास को भूल रहे युवा

पीके बादल/केसठ

- सरकारी संपति जलाने के आरोप में अंग्रेजी हुकूमत ने दिया था गोली मारने का आदेश
- 11 अगस्त 1921 की डुमरांव की सभा में गांधी जी से मिले थे शिवविलास मिश्र

गोरों (अंग्रेजों) की पिटाई से जख्मी हुए आजादी के दीवाने शिवविलास मिश्र की इच्छा यही थी कि उनकी मौत आजाद भारत में हो। ईश्वर ने उनकी यह मुराद तब पूरी कि जब पूरा देश आजादी का जश्न मना रहा था। ठीक उसी वक्त उनकी तबीयत बिगड़ी और जय हिन्द कहते हुए विदा हो गये। आजादी के आंदोलन के दौरान अपना सब कुछ न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानी पंडित शिवविलास मिश्र की यादें अब धुंधली पड़ने लगी है। जन्मस्थली में अभी तक ऐसी कोई स्मृति नहीं जिसे देखकर आने वाली पीढ़ी गौरव महसूस कर सकें। परिवार को इसका मलाल है कि किसी ने भी इस सेनानी के बलिदान को जीवंत करने की दिशा में कोई पहल नहीं की। केसठ प्रखंड के केसठ गांव में 1891 में शिव विलास मिश्र का जन्म हुआ था। होश संभालते ही सामाजिक कार्यों में लगे रहते थे, उन दिनों अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ देशभर में आंदोलन चल रहा था। महात्मा गांधी 11 अगस्त 1921 को डुमरांव की सभा में भाग लेने आए थे। शिवविलास अपने गांव केसठ से चलकर डुमरांव पहुंचे और महात्मा गांधी से मिलकर खुद को आजादी की लड़ाई में झोंक दिए। इस दौरान सिकरौल डाक बंगला नावानगर और डुमरांव थाना जलाने के आरोप में अंग्रेजों ने तीन दिनों के भीतर गोली मारने का आदेश जारी किया था। चौथे दिन शिवविलास अंग्रेजों के गिरफ्त में आ गए। अंग्रेजों ने इतनी पिटाई की उनका मुंह का जबड़ा टूट गया और वह कैंसर के चपेट में आ गये। गिरफ्तारी के बाद भागलपुर जेल में 6 वर्ष फुलवारी जेल में एक वर्ष और सेंट्रल जेल बक्सर में 6 माह की सजा काटी थी। जब देश आजाद हुआ उस वक्त कैंसर से पीड़ित हो गए थे। जब पटना के गांधी मैदान में आजादी का जश्न मन रहा था तब खराब तबीयत के बावजूद शिव विलास खुद को रोक नहीं सकें तथा चुपके से निकल पड़े। तबीयत काफी बिगड़ गई और उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके पौत्र विनीत कुमार मिश्र बताते हैं कि उनकी स्मृति को संजोने की दिशा में अभी तक कोई पहल नहीं हुई। ऐसे में आने वाली पीढ़ी भी आजादी के दीवाने के योगदान को याद नहीं कर पाएगी। जरूरत है शिव विलास जैसे आजादी के दीवानों की स्मृतियों को संजोने की ताकी भावी पीढ़ी उनके त्याग व बलिदान से सीख ले सकें।

एक नजर

जश्न-ए-आजादी की पूर्व संध्या पर एनसीसी कैडेटो ने किया फ्लैग मार्च

बक्सर। जश्न-ए-आजादी की पूर्व संध्या पर बक्सर में एनसीसी कैडेटो ने फूल ड्रेस रिहर्सल के साथ ही शहर में फ्लैग मार्च निकाल लोगों को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम बधाई दी। 30 बिहार बटालियन एनसीसी बक्सर के कमान अधिकारी कर्नल रितेश रंजन की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में बक्सर के विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के एनसीसी कैडेटों ने आईटीआई मैदान से फ्लैग मार्च निकाला जो जेल रोड होते हुए सिपाही घाट पर जाकर संपन्न हुआ। अपने संबोधन में कमान अधिकारी कर्नल रितेश ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस सभी भारत वासियों के लिए गौरव का दिन है। उन्होंने कहा कि आजादी को पाने के लिए हजारों लोगों को कुबार्नी देनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि समाज सेवा तथा विपदा की घड़ी में भी एनसीसी कैडेट अपने स्थापना काल से पीड़ित मानवता की सेवा करते आ रहे है। फ्लैग मार्च में 30 बिहार बटालियन एनसीसी के सुबेदार जयप्रकाश, नायब सुबेदार डीके साहब, बीएचएम राम अवतार सिंह, सीएचएम राहुल कुमार, नितेश कुमार, हवलदार हरेन्द्र कुमार, बलविंद सिंह आलोक कुमार समेत बक्सर के विभिन्न स्कूल कॉलेजों के सैकड़ो एनसीसी कैडेट शामिल थे। यह फ्लैग मार्च शहर में आकर्षण का केन्द्र बना रहा।

पीएचसी में एमडीए राउंड की हुई समीक्षा

केसठ। प्रखंड के स्थानीय पीएचसी में एक समीक्षा बैठक हुई। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 10अगस्त से 31 तक दवा खिलाने का अभियान चलाया जा रहा है। जिसको ले यह समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता एमओआईसी डॉ विनय कुमार ने की। कार्यक्रम के तहत आशा कार्यकताएं घर घर जाकर लोगों को दवा खिलाने का काम कर रही है। इस दौरान इस अभियान की सफलता को लेकर चिकित्सा प्रभारी ने सभी आशा कार्यकताओं व आमजनों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि यह अभियान 31 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत दो साल से अधिक उम्र वालों को दवाओं की खुराक दी गई। गर्भवती महिलाओं व गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को दवा नहीं खिलाई जायेगी। उन्होंने बताया कि 2 वर्ष से 5 वर्ष के बच्चों को जीईसी का एक गोली व एल्बेंडाजोल का एक गोली तथा 6 से 14 वर्ष वाले बच्चों को जीईसी दो गोली तथा एल्बेंडाजोल का एक गोली खिलाई जा रही है। मौके पर स्वास्थ्य प्रबंधक सुशील कुमार, रजनीश कुमार, अभिकाल्प मिश्रा, शशिरंजन, मो. शाजोद, पप्पू कुमार, विक्की समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

सेल्फी प्वाइंट बनने से डुमरांव के नौजवानों में उत्साह

डुमरांव। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर नगर परिषद के द्वारा सफाई पर तो ध्यान दिया ही गया है, नौजवानों और बच्चों के लिए सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया है। इसकी जानकारी देते हुए चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया की सेल्फी प्वाइंट छात्र-छात्राओं के बाद नौजवानों और बच्चों में इसका काफी क्रेज देखा गया है। इसी को लेकर स्वतंत्रता दिवस के अवसरपर तीन स्थानों पर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है। इस बार नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र पुराना भोजपुर और नया भोजपुर में सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है। वहीं शहर के मुख्य सड़क स्टेशन रोड में शीलकुटवा बस्ती के पास तीन कोनिया मोड़ पर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है। पुराना भोजपुर और नया भोजपुर में सेल्फी प्वाइंट बनाने की मांग पिछले साल हाने वाले छठ पूजा के समय से ही की जा रही है।

विशेष राज्य के दर्जे को ले कांगेस का धरना

बक्सर। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार बुधवार को प्रखंड मुख्यालय पर चौसा प्रखण्ड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजा रमण पाण्डेय की अध्यक्षता में बिहार को विशेष राज्य की दर्जा के लिए धरना दिया गया। धरना में केन्द्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरनार्थियों ने कहा कि हमें विशेष राज्य का दर्जा चाहिए, लालीपॉप पैकेज नहीं। पीएम व सीएम के विरोध में विशेष राज्य का दर्जा चाहिए नहीं तो दोनों गद्दी छोड़े। प्रभारी पूर्व प्रदेश सचिव कामेश्वर पाण्डेय ने कहा कि विशेष राज्य के दर्जा का हर प्रकार के मानक को पूरा करता है, 2013 में रंगनाथन कमिटी के रिपोर्ट के अनुसार बिहार 22 वें स्थान पर हैं जबकि, सूचकांक भी छ हैं, विशेष राज्य के दर्जा के लिए यह पर्याप्त हैं। कार्यक्रम में जगदम्बा पाण्डेय, बजरंगी मिश्रा, घन जी पाण्डेय, मेराज खान, धीरेन्द्र पाठक, राम प्रवेश दूबे, पप्पू दूबे, रिंकू दूबे, राजा चौबे,, संजीत उपाध्याय, बुचा उपाध्याय व अन्य मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की हुई समीक्षा, डीएम ने कई मुद्दों पर जताई नाराजगी

सिमरी एमओआइसी को शो-कॉज जारी

केटी न्यूज/बक्सर

- सदर अस्पताल, बक्सर में कार्यरत डॉ. हरेराम एवं विवेकानंद के द्वारा लंबे समय से बगैर की सूचना से अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने मांगा प्रतिवेदन

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। बैठक में सिविल सर्जन ने बताया कि सदर अस्पताल बक्सर, अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव एवं सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सभी तरह की जीवन रक्षक दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत संस्थागत प्रसव में आशा कार्यकताओं का योगदान संतोषजनक नहीं पाया गया।

जिलाधिकारी ने इस पर नाराजगी जताई तथा प्रगति नहीं होने पर कितने आशा के विरुद्ध कार्रवाई की गई है तथा कितने आशा को चयन मुक्त किया गया है, इस संबंध में सीएस से प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया। महिला बंध्याकरण की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में पाया गया की प्रगति असंतोषजनक है। निर्देशित किया गया कि सभी आशा को कम से कम हर महीने पांच-पांच महिला बंध्याकरण कराने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। संस्थागत प्रसव में प्रगति नहीं होने के कारण प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सिमरी से स्पष्टीकरण करते हुए वेतन रोकने का निर्देश दिया गया। सदर अस्पताल बक्सर में कार्यरत डॉ. हरेराम एवं विवेकानंद के द्वारा लंबे समय से बगैर की सूचना से अनुपस्थित रहने के प्रतिवेदन की मांग की गई।

अस्पताल प्रबंधन के छह संकेतकों में बेहतर प्रदर्शन पर केंद्र सरकार द्वारा एनक्यूएएस सर्टिफिकेशन प्रदान किया जाता है। राज्य स्तरीय टीम द्वारा इस सर्टिफिकेशन के आंकलन के दौरान किरण कुमारी, जीएनएम सिमरी अनुपस्थित पाई गई। जिसके कारण आंकलन कार्य नहीं किया जा सका। इस संबंध में किरण कुमारी, जीएनएम से स्पष्टीकरण करते हुए वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही निदेशित किया गया कि राज्य स्तर से समन्वय स्थापित कर इसका सर्टिफिकेशन कराना सुनिश्चित करेंगे। अस्पताल के रखरखाव एवं मरीज के अनुकूल अस्पताल प्रबंधन के संबंध में कायाकल्प पुरस्कार के लिए सभी अस्पतालों को बेहतर प्रदर्शन का निर्देश दिया गया।

डॉक्टरों की हड़ताल से चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था, मरीज परेशान

- कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप के बाद हत्या के खिलाफ हुआ हड़ताल, सिर्फ इमरजेंसी मरीजों का हुआ इलाज

बक्सर/डुमरांव। कोलकाता के एक अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप के बाद निर्मम तरीके से हुई इत्या के खिलाफ बुधवार को जिले के सभी सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर हड़ताल पर चले गए। इस दौरान सिर्फ इमरजेंसी मरीजों का इलाज किया गया। पूरे दिन ओपीडी नहीं चलने से सैकड़ों मरीज निराश हो अपने घर लौटे। कई मरीज तो मजबूरन निजी क्लीनिकों का सहारा लिए। जानकारी के अनुसार सदर अस्पताल के इमरजेंसी में सिर्फ 140 मरीजों को देखा गया। जबकि डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में मात्र 40 मरीजों का इलाज किया गया। जबकि मरीजों को ओपीडी का लाभ नहीं मिला।

डॉक्टरों के हड़ताल से स्वास्थ्य सेवा चरमरा गई। अनुमंडलीय अस्पताल में आपातकालीन सेवा के लिए एक डॉक्टर की ड्यूटी लगायी गई, लेकिन वे अपने को कमरे में बदं कर लिया था। फिर इलाज के लिए पहुंचे मरीज इलाज के लिए चिकित्सक की तलाश करने लगे तो नहीं मिले फिर हंगामा शुरू हुआ। हंगामा को देख डॉक्टर कमरे निकल मरीज का इलाज शुरू किया। बता दें की डॉक्टर के हड़ताल पर जाने की कोई सूचना अनुमंडलीय अस्पताल में नहीं दशार्या गया था, जिससे मरीज ओपीडी समय तक दिग्भ्रमित होते रहे।

नगर के मोहन कुमार, विवेक कुमार सहित ग्रामीण क्षेत्र के लोग इलाज कराने के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में पहुंचे हुए थे। डाक्टरों के हड़ताल पर चले जाने के कारण ओपीडी में बैठने वाले डाक्टरों के कक्ष में ताला लटका हुआ था। हड़ताल की जानकारी मरीजों को नहीं थी, ऐसे मे इलाज के लिए मरीज अस्पताल में पहुंचे हुए थे। कुछ महिलाएं भी आयी हुई थी। रजिस्ट्रेशन काउंटर बंद होने से मरीज परेशान हो अस्पताल में डाक्टरों की तलाश करने लगी। आपातकालीन सेवा के लिए एक डाक्टर मौजूद थे, लेकिन वे डाक्टरों के विश्राम कक्ष में आराम फरमा रहे थे।

खबरें फटाफट

नदी में डूबे युवक का तीसरे दिन मिला शव

आरा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गोठहुला गांव में कुम्हारी नदी में डूबे छात्र का तीसरे दिन शव बरामद हुआ है। शव के मिलने से लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। मृत छात्र चांदी थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव निवासी प्रेमधर सिंह का बेटा मंजीत कुमार है। मृतक पिता प्रेमधर सिंह ने बताया कि रविवार की सुबह 11 बजे वह घर से खेत जाने के लिए निकला था। उसी बीच गांव में ही स्थित कुम्हरी नदी के पास उसका पैर फिसल गया और वह गिर पड़ा। वहां मौजूद गांव के ही तीन लड़कों द्वारा उसे बचाने का काफी प्रयास किया गया। लेकिन वे लड़के उसे नहीं बचा पाए। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम द्वारा दो दिनों तक काफी उसकी खोजबीन की गई। लेकिन वह नहीं मिल पाया। मंगलवार को उसका शव बरामद किया गया।

आपसी विवाद में युवक को मारी गोली

आरा। जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के कुल्हड़िया गांव मोड़ के समीप बुधवार की सुबह आपसी विवाद को लेकर एक युवक को गोली मार दी गई। जख्मी युवक को गोली दाहिने पैर में घुटने के नीचे मारी गई है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। घटना को लेकर आसपास के इलाके में लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। वही गोली मारकर भाग रहे बाइक सवार दो बदमदशो में एक को स्थानीय ग्रामीणों ने खदेड़ कर दबोच लिया। उसके बाद उसकी जमकर धुनाई कर दी। उधर सूचना पाकर कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र पुलिस बल के साथ फौरन घटनास्थल पर पहुंचे और आरोपी युवक को ग्रामीणों के चुंबकुल से छुड़ा उसे गिरफ्तार कर लिया है। जख्मी युवक कोईलवर थाना क्षेत्र के कुल्हड़िया गांव निवासी राम नारायण यादव का 22 वर्षीय पुत्र सुखदेव कुमार है।

नागरी प्रचारिणी में विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस संगोष्ठी कार्यक्रम, शामिल हुए डिप्टी सीएम

आज भी गद्दार व विदेशी ताकतें देश को बांटने की साजिश रच रहे हैं: विजय सिन्हा

- भारत पूरे विश्व में धर्म के नाम पर बंटवारा होने वाला पहला देश था : अमरेन्द्र प्रताप सिंह

केटी न्यूज/आरा

बुधवार को 14 अगस्त 1947 की घटना की याद में विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस के अवसर पर स्थानीय नागरी प्रचारिणी सभागार मे संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज और संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह कार्यक्रम प्रभारी ई. धीरेन्द्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता सह मुख्य अतिथि बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया।भाजपा कार्यकताओं द्वारा मंचासीन अतिथियों को अंगवस्त्र के साथ स्वागत किया गया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि 15 अगस्त को हम आजादी दिवस की खुशी मनाते है,लेकिन आजादी मिलने के एक दिन पहले आधी रात्री को देश का विभाजन कर दिया गया था।उस विभाजन का कारण और विभिषिका को इतिहास के पन्नो मे दफन कर दिया गया। स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण दिन है। आजादी की लड़ाई में जितने हिन्दुस्तानी वीर बलिदान दिए उससे दस गुणा अधिक भारतीयो को शहीद कर दिए, लेकिन तत्कालीन सताभोगी नेताओं और इतिहासकारों ने उसे भूलने की बात कही, जबकि यह विश्व की सबसे बड़ी विभत्स विभिषिका थी। महिलाओं और सनातनी भाइयों पर घोर अत्याचार किया गया। आज का पीढी पुछ रहा है कि वे कौन लोग थे, जो सता के लाभ के लिए देश का बंटवारा कर दिया। आखिर सता के लिए देश का बंटवारा क्यों किया। आज हम आजादी के 75 वर्ष बाद भी उस विभाजन विभिषिका को झेल रहे है। आज भी विश्व की कुछ शक्तियां और देश के गद्दार हमे जात-पात और धर्म मे बांटकर देश का बंटवारा कराना चाहती है। देश को अस्थिर कराना चाहती है। लेकिन हम आजादी के अमृत महोत्सव मना रहे है और देश मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे राष्ट्रवादियों का सरकार है। 2047 तक देश के विकास का ड्राफ्त बन चुका है।

बड़हरा विधायक सह पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि देश मे भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है,जो भारतीय संस्कृति और धरोहर को संभालती है। हम आजादी का पर्व स्वतंत्रता दिवस पर खुशी मनाते है,लेकिन ठीक एक दिन पहले देश विभाजन विभिषिका से जुझा था,जिसे हमने भुला दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने उक्त तिथि को विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस के रूप मे मनाने का निर्णय लिया, जो आज की पीढी के लिए संस्मरण है। आजादी की लड़ाई मे हमारे परिवार सहित जिले के बहुत लोग लड़े और बलिदान दिए।

संगोष्ठी को भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज, प्रदेश प्रवक्ता संजय सहि टाईगर, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक उदय सिंह, भाजपा नेता कौशल विद्यार्थी, पूर्व जिलाध्यक्ष मिथिलेश कुशवाहा, प्रेम रंजन चतुवेर्दी, लोजपा जिलाध्यक्ष राजेश्वर पासवान, हरेन्द्र पांडेय, राकेश सिंह, गंगाधर पांडेय, वंदना राजवंशी, प्रहलाद राय आदि ने भी संबोधित किया।

देश का विभाजन स्वीकार नहीं करते तो सभी कांग्रेसी जेल जाते : आरा विधायक

आरा विधायक सह पूर्व मंत्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारत का विभाजन अपरिहार्य नही था। नेहरू जी ने खुद स्वीकार किया था कि देश का विभाजन स्वीकार नही करते तो सभी कांग्रेसी जेल जाते। यह विश्व में धर्म के नाम पर बंटवारा होने वाला पहला देश था। यदि गांधी जी देश को आह्वान करते तो देश का बटवारा नही होता, लेकिन उन्होने कांग्रेस को ही देश समझ लिया था। 1929-30 मे रावी नदी के तट पर आजादी और अखंडता का संकल्प लिया गया था। संकल्प का क्या हुआ। 14 अगस्त की मध्य रात्री को देश विभाजन का दंश झेलना पड़ा। आज भी देश विभाजन की त्रासदी झेल रहा है। इतिहास ने माफ नही किया, लेकिन हम ने माफ कर दिया।

बड़हरा विधायक के नेतृत्व में निकली विशाल तिरंगा यात्रा

केटी न्यूज/बड़हरा

प्रधानमंत्री के आह्वान पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को बड़हरा विधानसभा मे बड़हरा विधायक पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व मे 25 किमी बाइक वृहद् तिरंगा यात्रा निकाली गई।

बड़हरा विधायक द्वारा सैकड़ों मोटरसाईकिल सवार कार्यकताओं के साथ तिरंगा रैली सलेमपुर पीपरा महामाया मंदिर परिसर से निकाला गया।सलेमपुर से प्रारंभ तिरंगा रैली हेमतपुर,धोबहा, महुली, सनदिया होते हुए करीब 25 किमी की दूरी तय करते हुए आरा नागरी प्रचारिणी परिसर मे समाप्त हुआ। इस दौरान प्रत्येक बाइक पर कार्यकताओं के हांथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहरा रहा था। विधायक रैली में सबसे आगे स्वयं मोटरसाईकिल ड्राडवरिंग कर रहे थे। तिरंगा यात्रा मे भारत माता की जय,वंदेमातरम, वीर शहीद अमर रहे आदि नारे लग रहे थे।

उक्त अवसर पर कार्यकताओं और जनता को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि देश की आजादी बहुत मुश्किल से मिला है। इस आजादी को प्राप्त करने के लिए हजारों-लाखो लोग शहीद हुए है।

बड़हरा में दुष्कर्म पीड़ित के परिवार से मिले सांसद

केटी न्यूज/आरा

मटुकपुर बड़हरा निवासी नाबालिक बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म के पीड़ित परिवार से मिलने भाकपा-माले सांसद सुदामा प्रसाद उनके गांव पहुंचे। इस दौरान भाकपा-माले सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि नाबालिक बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म की घटना से दुखी होते हुए पीड़ित परिवार के साथ खड़ा होकर बच्ची के न्याय की मांग की है।

सांसद ने कहा कि हमारी पार्टी हमेशा उत्पीड़ित जनता के साथ खड़ी है। इस जिले में कोई भी दुष्कर्म की घटना हो हमेशा दुष्कर्म की घटना के खिलाफ हमारी पार्टी खड़ी रही है। दुष्कर्मी चाहे कोई भी हो। उसके खिलाफ हमारी पार्टी उसके लेकिन कुछ लोग इस जिले में कई दुष्कर्म की घटनाएं हुई हैं और वे दुष्कर्मी के पक्ष में खड़े हैं। वहीं लोग इस दुष्कर्म की घटना को जाति एवं धार्मिक चेहरे से देखकर उसका दुष्प्रचार कर जो सरासर अनुचित हैं। वैसे दोहरे चरित्र का चेहरा सामने आया है। वैसे लोगों का जिले की जनता बखूबी जानती है। सासंद सुदामा प्रसाद के साथ जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम, बड़हरा प्रखंड सचिव नंद जी, कोईलवर प्रखंड सचिव बिष्णु ठाकुर, मुखिया विजय यादव, राजद नेता प्रभुनाम राय, जयराम राय, धर्मेन्द्र राय, संतोष कुमार, मुखदेव राम बोस, संतोष साह, श्रृषि यादव, जनार्दन साह,भीम प्रसाद, मुहम्मद सलीम, मनोज यादव, परमानंद राय आदि कई लोग शामिल थे।

मझौआ हवाई अड्डे के पास बीते दिनों हुए हादसे को लेकर सांसद सुदामा प्रसाद ने जिला प्रशासन को अविलंब मिट्टी खोदाई पर अविलंब रोक लगानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटना पर रोक लगाई जा सके।

एक नजर

स्काउट एंड गाइड ने निकाली तिरंगा यात्रा

छपरा। छपरा राजेंद्र स्टेडियम से स्काउट एवं गाइड सारण के स्वयंसेवको ने तिरंगा रैली निकालकर आपसी सौहार्द के साथ राष्ट्र पर्व को मनाने की अपील शहरवासियों से किए। यह रैली राजेंद्र स्टेडियम छपरा से निकलकर थाना चौक,म्युनिसिपल चौक होते हुए राजेन्द्र स्टेडियम में रैली को समाप्त किया गया। राजेन्द्र स्टेडियम छपरा में जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) आलोक रंजन एवं अमन राज ने रैली को संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भारत माता कि जयकारे के साथ पूरा शहर गुंजायमान रहा। वहीं इस संदर्भ में जिला संगठन आयुक्त (स्काउट)आलोक रंजन ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगामी स्वतंत्रता दिवस को शांतिपूर्ण एवम सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से स्काउट एवं गाइड सारण के कैडेटों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कराते हुए इस रैली को संपन्न कराया। वहीं जिला संगठन आयुक्त (स्काउट)अमन राज ने बताया की स्काउट और गाइड के द्वारा विभिन्न नारों से लोगों में देश प्रेम के साथ ही साथ आपसी सौहार्द उत्पन्न करने का कार्य किए ताकि क्षेत्र में अमन चैन व शांति बनी रह सकें। इस दौरान मुख्य रूप से राजकीय कन्या उच्च विधालय के गाइड कैप्टेन प्रियंका कुमारी, प्रशिक्षक प्रणव, अंकित, विकास, अभिषेक, चंदन, सोनू एवं विशेश्वर सेमिनरी उच्च विद्यालय, राजकीय कन्या उच्च विद्यालय,जिला मुख्यालय दल के 120 स्काउट और गाइड मौजूद रहे।

नाव में मिली 457 लीटर अंग्रेजी शराब

छपरा। लगभग हर रोज शराब की खेप कभी जिला पुलिस तो कभी मद्यनिषेध विभाग के द्वारा जब्त की जा रही है। बावजूद इसके शराब कारोबारियों को कोई असर नही पड़ रहा। मंगलवार को मद्यनिषेध विभाग को गुप्त सूचना मिली कि नदी के रास्ते नाव से भारी मात्रा में विदेशी शराब लाई जा रही है। इस सूचना के बाद मद्यनिषेध विभाग की टीम डोरीगंज थाना अंतर्गत नदी घाट में बोट के मदद से नाव की तलाशी जारी किया।उसी क्रम में वरीय पदाधिकारियों के निदेर्शानुसार उत्पाद विभाग, सदर, सारण की टीम पहुंची तो डोरीगंज स्थित बंगाली घाट दियारा क्षेत्र में हड़कंप मच गया।फिर दियारा क्षेत्र में बारी बारी से नाव का सघन छापेमारी अभियान चलाया तो छापेमारी के क्रम में 14 घन फीट वाला नाव में कार्टून दिखाई दिया,जिसके कारण संदेह होने पर उस नाव का गेट खुलवाया तो नाव के अन्दर तहखाना बना हुआ था। उस तहखाने की तलाशी ली गई तो तहखाने से 53 कार्टून में कुल 457 लीटर विदेशी शराब बरामद किया एवं नाव को भी जब्त किया गया है. वही इसमें संलिप्त व्यक्तियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस छापेमारी दल में सुनील कुमार निरीक्षक मद्यनिषेध, बैजू कुमार, पप्पू कुमार एवं गृहरक्षक शामिल थे।

सारण डीएम ने लिया तैयारियों का जायजा

छपरा। जिलाधिकारी अमन समीर ने सम्बन्धित अधिकारियों के साथ परेड ग्राउण्ड का स्थलीय निरीक्षण करते हुए स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों का जायजा। जिलाधिकारी ने परेड ग्राउंड में निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों को समुचित व्यवस्थाओं को सुगम बनाने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि युद्धस्तर पर कार्य करते हुए तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करें। उन्होंने निर्देशित किया कार्यक्रम आने में वाले गणमान्य एवं आगन्तुकों हेतु सीटिंग व्यवस्था, सफाई, विद्युत आदि समुचित व्यवस्थायें समय से पूर्ण करें।

महावीरी झण्डा जुलूस निर्धारित रूट व समय से ही निकालें: डीएम प्रवीन

♦ डीएम ने कहा-जुलूस में हो अनुशासन, डीजे की ऊंचाई साउंड ज्यादा नहीं होनी चाहिए

केटी न्यूज/बलिया

महावीरी झंडा जुलूस को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने सभी जुलूस के आयोजकों के साथ बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। उन्होंने कहा कि पूर्व से चल रही परम्परा के अनुसार इस बार भी महावीरी झण्डा का आयोजन होगा। जुलूस अपने निर्धारित रूट व समय से ही निकले। विशेष निर्देश दिया कि जुलूस में अनुशासन होना चाहिए। अनुशासन होगा तो किसी प्रकार दिक्कत होगी ही नहीं। डीएम ने कहा कि जुलूस में मूर्ति व डीजे की ऊंचाई अधिक नहीं होनी चाहिए, आयोजक यह सुनिश्चित कराएं। हर जूलूस में उनके वालंटियर हों, जो हर स्थिति पर नजर रख सकें और कहीं भी कोई दिक्कत समझ में आए तो उस पर नियंत्रण करें। नियंत्रण नहीं हो तो प्रशासन को बताएं। डीजे का साउण्ड भी सीमित मात्रा में रहे, ताकि उच्च रक्तचाप या दिल से सम्बन्धित

मरीज व अन्य व्यक्तियों को कोई दिक्कत नहीं हो। नगरपालिका के ईओ सड़क पर गड्ढ़ों को देख लें। बिजली विभाग के अभियंता को निर्देश दिया कि कहीं भी ढ़ीले या लटके तार हो तो उसे टाइट कर दें। जुलूस के रास्तों की ही बिजली काटी जाए। डीएम ने कहा कि महावीरी झंडा जुलूस के दिन ही रक्षाबंधन का महत्वपूर्ण त्योहार भी है। उस दिन दूर से हमारी बहनें राखी बांधने आती है। विभिन्न जगहों पर जाकर वह रांखी बांधती है, लिहाजा इस बात का ख्याल रखें कि उन बहनों को कोई दिक्कत नहीं होने पाए। अन्यथा की स्थिति में पूरी जिम्मेदारी आयोजक की ही होगी। एसपी विक्रांतवीर ने कहा कि परम्परा के हटके कुछ नहीं होना चाहिए। जुलूस में निर्धारित रूट व समय का विशेष ख्याल रखा जाए, ताकि समय से जूलूस संपन्न हो सके। यह सुनिश्चित कराएं कि जुलूस में कोई भी अराजक तत्व नहीं हो। लाठी के अलावा कोई अस्त्र-शस्त्र नहीं होना चाहिए। हर्षोल्लास के साथ महावीरी झण्डा का त्योहार मनाएं, लेकिन इस बात का ख्याल रखें कि आपकी वजह से किसी नागरिक कोई परेशानी नहीं हो। कोई ऐसा कृत्य नहीं हो, जिससे पुलिस को किसी प्रकार की कार्यवाई की आवश्यकता पड़े। इससे पहले एडीएम डीपी सिंह व एएसपी अनिल झा ने जुलूस को लेकर विस्तार से जरूरी जानकारी दी और आयोजकों को दिशा-निर्देश भी दिये। बैठक में सभी सम्बन्धित अधिकारियों के अलावा साहित्यकार शिवकुमार सिंह कौशिकेय, असगर अली व सभी 9 कमेटियों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

मऊ में आज होगी बालक एवं बालिका क्रास कंट्री रेस

केटी न्यूज/मऊ

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर बालक-बालिकाओं के क्रास कंट्री रेस का आयोजन हो रहा है। इस आशय की जानकारी जिला क्रीडा अधिकारी ने दी। बताया कि जिला खेल कार्यालय, मऊ द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से जिला स्तरीय बालक -बालिका वर्ग क्रास कंट्री रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। बालक वर्ग क्रास कंट्री रेस दिनांक 15 अगस्त 2024 को प्रातः 10:30 बजे से पुलिस लाईन, मऊ से प्रारम्भ होगी, तथा बाईपास रोड से भीटी होते हुए स्पोर्ट्स स्टेडियम, मऊ में समाप्त होगी तथा बालिका वर्ग की क्रास कंट्री रेस भीटी चौक से प्रारम्भ होकर स्पोर्ट्स स्टेडियम मऊ तक होगी । प्रतियोगिता में प्रविष्टि निःशुल्क है। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम छः स्थान पाने वाले विजयी प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। उन्होंने ने यह भी बताया कि उपरोक्त क्रास कन्ट्री रेस प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी दिनांक 15 अगस्त, 2024 को प्रातः 10:30 बजे तक पुलिस लाईन, मऊ के मुख्य गेट पर उपस्थित होकर अपनी प्रविष्टि कराएं।

खबरें फटाफट

फर्जी नंबर प्लेट लगा ट्रक के साथ पिता-पुत्र गिरफ्तार

बलिया। फर्जी नंबर प्लेट लगाकर ट्रक चलाने वाले आरोपी पिता-पुत्र को फेफना थाने की पुलिस ने एकौनी स्थित रेलवे क्रासिंग से गिरफ्तार कर बुधवार को संबंधित धाराओं में न्यायालय भेज दिया। आरोपियों का नाम पिता धर्मेन्द्र कुमार सिंह व पुत्र अभिषेक कुमार सिंह निवासी भदपा है। दोनों आरोपियों को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर फर्जी नंबर प्लेटयुक्त ट्रक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय भेज दिया।

वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बलिया। शहर कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को बलिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार स्थित टिन शेड के नीचे से बुधवार को गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम भीम गुप्ता पुत्र स्व. पन्नालाल गुप्ता निवासी महावीर घाट थाना कोतवाली का रहने वाला है। आरोपी की निशानदेही पर चाकू भी बरामद किया गया। शहर कोतवाल संजय सिंह ने बताया कि आरोपी भीम गुप्ता को संबंधित धाराओं में न्यायालय चालान कर दिया गया है।

राइफल क्लब में लगाई गई प्रदर्शनी

बलिया। 14 अगस्त 1947 को आजादी साथ हुए देश के बटवारे मे पाकिस्तान से जबरदस्ती आतंक और भय के साये में भारत आ रहे लोगों की भयावहता और दर्द से भरे हाहाकार मचाते दृश्यों की एक प्रदर्शनी भी राइफल क्लब में लगाई गई थी। जिसका अवलोकन मा मंत्री दयाशंकर सिंह, जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, भानु प्रताप सिंह , शशिकांत शर्मा, योगेश सिंह, आलोक शर्मा,दीपक सिंह,पप्पू चौबे आदि ने किया।

भाजपा जिला कार्यालय पर फहराया जाएगा झंडा

गाजीपुर। 78 वां स्वतंत्रता दिवस अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह द्वारा 8-30 बजे ध्वज फहराया जाएगा। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा ने दी।

गाजीपुर स्थित पंचायत भवन में हुआ विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विचार गोष्ठि का आयोजन

त्रासदी था देश विभाजन के बाद हिन्दुओं का जबरदस्ती पलायन : परिवहन मंत्री

♦ विभिषिका के दौरान अपनी जान गंवा चुके लोगों को स्मरण कर उन्हें दी गई श्रद्धांजलि

केटी न्यूज/गाजीपुर

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर भाजपा द्वारा बुधवार को जिला पंचायत सभागार में विचार गोष्ठी कर विभाजन के बाद हुई विभिषिका में कई लाख हताहत लोगों (महिलाओं, बच्चों और नौजवानों) को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि देश के विभाजन के बाद हिन्दुओं के साथ हुई विभिषिका बूनियादी रूप से मानव विस्थापन और जबरदस्ती पलायन की दुखद कहानी है। देश की आजादी से पहले धार्मिक आधार पर बंटवारा के बाद हिंदूओं पर भारी अत्याचार हुआ। आजादी की

खुशीयों को दुःख में बदलने का प्रयास किया गया। उस असहनीय पीड़ा भरी विभिषिका से हमें सीख लेकर देश की एकता और अखंडता को अच्छुण रखते हुए वर्तमान और आने वाली पिढ़ीयों को इसे बताने और स्मरण कराने की जरूरत है।मा मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि 2014 से पहले की सरकारों मे भारत-पाकिस्तान झगड़े के समय वार्ता होती थी। लेकिन आज उल्टा है एक गोली के जवाब में 10 गोलियां चलाई जा रही है ,क्योंकि यह राष्ट्रवादी सरकार है जिन लोगों ने हमारे ऊपर अत्याचार किया पूर्व की सरकारों मे उनकी ही प्रशंसा होती रही । आज हमारे संकल्प का दिन है हम ऐसे राष्ट्रभक्त तैयार करेंगे जो देश की एकता अखंडता को बनाए रखने के लिए काम करेंगे, आजादी के महत्व और आजादी के लिए दिए गए बलिदान और संघर्षों को आने वाली पीढ़ियां को बताना होगा। उन्होंने कहा कि आज हम सभी के सपने भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहा है उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण का प्रभाव यह रहा है कि आज कश्मीर से पालायित हिंदू वहां स्थापित नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद की जनगणना में लगातार हिंदू अल्पसंख्यक और अल्पसंख्यक बहुसंख्यक होते जा रहे हैं हमारी जनसंख्या कम होती जा रही है उनकी संख्या बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि आज बंग्लादेश में उस विभिषिका को दोहराया जा रहा है। पूर्व जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि भारत आज आजादी का अमृत कल मना रहा है। आजादी के बाद बंटवारे के दौरान हुई विभिषिका का दर्द जो भारत ने झेला था उसका स्मरण की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। जो स्थितियां पैदा हो रही है उसे पर चिंतन करना है। पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी राय ने कहा कि आजादी के अमृत काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के विभाजन के दर्द को आम आदमी को महसूस कराया और 2021 में आजादी के बाद कैसे देश के विध्वंस और विभाजन की विविधता का दंश देश ने झेला है आज भारत के कोने-कोने में उसे स्मरण कर उसमें हताहत लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

पीजी कालेज के छात्रों से मिले मंत्री

गाजीपुर। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह पीजी कॉलेज पहुंचे। उनका स्वागत प्राचार्य राघवेंद्र कुमार पांडेय व डॉ० एसडी सिंह ने किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय से जुड़े तमाम कार्यों के लिए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर जाने वाले छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों की सुविधा को देखते हुए महाविद्यालय की ओर से एक अनुरोध पत्र भी परिवहन मंत्री को सौपा गया। अनुरोध पत्र के जरिए परिवहन मंत्री से पीजी कॉलेज चौराहे से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर तक के लिए परिवहन विभाग की ओर से बस सेवा प्रारंभ करने का अनुरोध किया गया। इस अनुरोध पर परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने सकारात्मक जवाब दिया।

बलिया में बांसडीह विधायक समेत तीन की हत्या का खुलेआम चैलेंज, मामले की गहन जांच में जुटी पुलिस

♦ बांसडीह कोतवाली गेट जैसी होगी तीनों हत्याएं

♦ प्रशासन को हत्या रोकने की मिली चेतावनी

केटी न्यूज/बलिया

बांसडीह कोतवाली गेट जैसी तीन हत्या करने की पर्ची सुखपुरा थाना क्षेत्र के बेरुआरबारी गांव के एक दीवार पर 10 रुपया के नोट चस्पा के साथ बुधवार को मिला। जिसमें जिला प्रशासन को हत्या रोकने का चैलेंज दिया गया है। इसकी जानकारी होने पर सुखपुरा थाने में संबंधीत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। सवाल यह उठता है कि आखिर किसने इस तरह की हरकत की है? क्या यह चैलेंज सही है या किसी ने जानबूझकर विधायक का समेत तीन लोगों को डरावने का काम किया है। यह यक्ष प्रश्न लोगों के जेहन में कौद रहा है तो वहीं पुलिस महकमा के लिए चैलेंज बना हुआ है। खैर मामला जो भी हो पुलिस तहकीकात कर रही है। आपको बता दे सुखपुरा थाना क्षेत्र के बेरुआरबारी गांव में एक दीवार पर 10 रुपए के साथ पर्ची पर बांसडीह विधायक केतकी सिंह, भानु दुबे गड़वार, शुभम चौबे छोड़हर की हत्या बांसडीह कोतवाली गेट जैसी हत्या करने की बात कही गई है।

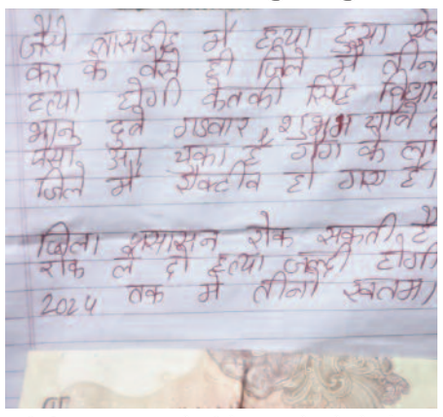

वहीं जिला प्रशासन को तीनों हत्याओं को रोकने का चैलेंज दिया गया है। जिसमें दो हत्या बहुत जल्द करने की बात कही गई है। वही तीनों हत्याएं 2024 तक करने का जिक्र भी किया गया है। जिसको लेकर हड़कंप मचा हुआ है। इस बाबत पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने बताया कि बेरुआरबारी में मिली पर्ची व उस पर लिखे विवरण के आधार पर सुखपुरा थाने में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरी ओर विधायक ने कहा कि इस तरह की धमकी से डरने वाली नहीं हूं। मेरे बांसडीह क्षेत्र में जो भी अपराध करेगा, मैं उसके विरुद्ध चट्टान की तरह हमेशा खड़ी रहूंगी और पीड़ित को न्याय दिलाऊंगी।

कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों को दिया गया तिरंगा

गाजीपुर। कृषि विज्ञान केंद्र पीजी कॉलेज गाजीपुर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय किसानों को तिरंगा वितरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों में राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना को प्रोत्साहित करना था, जो देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर डॉ. अतिंद्र सिंह (उप निदेशक कृषि), डॉ. उमेश कुमार, डॉ. विनोद कुमार सिंह , डॉ. डीके सिंह, डॉ. एसके. सिंह, डॉ. ओंकार सिंह, डॉ. डीपी श्रीवास्तव, आशीष कुमार बाजपेई, आशुतोष सिंह, और सुनील कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान इन सभी गणमान्य व्यक्तियों ने किसानों को तिरंगा वितरित कर उन्हें सम्मानित किया और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत किया। इस पहल को बहुत सराहा गया और किसानों ने इस देशभक्ति आंदोलन में शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया।

15 अगस्त को झंडा रोहण कार्यक्रम सुबह आठ बजे से : अपर जिलाधिकारी

मऊ। अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने बताया कि झंडारोहण कार्यक्रम सुबह आठ बजे से शुरू हो जाएगा। सभी सरकारी तथा गैर सरकारी इमारतो पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा झंडा अभिवादन के साथ ही राष्ट्रगान का भावपूर्ण गायन होगा। उन्होंने सभी विभागध्यक्षों को निर्देशित किया कि झंडारोहण कार्यक्रम समय पर कराये। किसी प्रकार की चूक नहीं होना चाहिए।

सभी विद्यालयों को बनाया जाए निपुण : हेमंत राव

गाजीपुर। राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ के विषेशज्ञ लक्ष्य जैन एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी हेमंत राव की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में जनपद के खंड शिक्षाधिकारी, एआरपी, एसआरजी एवं डाइट मेंटर के साथ बैठक ली गई। जिसमें जैन द्वारा सर्वप्रथम निपुण हुए विद्यालयों को बधाई दी गई तथा अन्य विद्यालय जो निपुण न हो पाए उन्हें रणनीति बनाते हुए निपुण बनाने एआरपी, खंड शिक्षाधिकारी एवं प्रधानाध्यापकों के बीच समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता के महत्व को बताया गया। साथ ही अक्टूबर माह में होने वाले निपुण आकलन पर जोर दिया गया। जिस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रमुख बिंदुओं पर अपना विचार व्यक्त किया गया। निपुण भारत मिशन क्रियान्वयन पर विकासखंड मरदह, मोहम्मदाबाद को पीपीटी के माध्यम से निपुण विद्यालय कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि जो विद्यालय निपुण हो गए हैं। निपुण हुए विद्यालयों से अन्य विद्यालयों को प्रेरणा लेनी चाहिए तथा उनके द्वारा अपनाई गई रणनीतियों को अन्य विद्यालय से साझा करने की आवश्यकता है जिससे जनपद निपुण जनपद बन सके। समस्त एआरपी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा आश्वस्त किया गया कि प्रत्येक छात्रों का निपुण आकलन करते हुए सकारात्मक रणनीति पर कार्य किया जायेगा।

गोरक्षपीठ : एक सदी से जगा रही राष्ट्रवाद की अलख

- जंगे आजादी से लेकर आजादी के बाद भी जारी है सिलसिला
- गोरखपुर गौरव संग्रहालय के जरिये आजादी के दीवानों की यादों को सहेजा जाएगा

केटी न्यूज/गोरखपुर

गोरक्षपीठ, गोरखपुर स्थित उत्तर भारत की प्रमुख और देश की संभवत, इकलौती पीठ जिसमें राष्ट्र प्रेम का जज्बा कूट-कूट कर भरा है। एक ऐसी पीठ जो लगभग एक सदी से लगातार राष्ट्रवाद की अलख जगा रही है।अपने समय के सबसे ताकतवर मुगल सम्राट अकबर से सीमित संसाधनों से लोहा लेने वाले महाराणा प्रताप भले चित्तौड़ के रहने वाले हों, लेकिन गोरक्षपीठ ने गोरखपुर में उनके आदर्शों को जीवंत कर रखा है। उनके देश प्रेम के जज्बे और जुनून से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने 1932 में जिस महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी, आज वह वटवृक्ष बन कर पूरे पूर्वांचल में ज्ञान का प्रकाश स्तंभ बन चुका है। पीठ की परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हरदम प्रयास रहा है कि शहीदों से जुड़ी जगह लोगों खासकर युवाओं के लिए प्रेरणा स्थल बनें। खासकर युवा पीढ़ी उनके सरोकारों, देश प्रेम के प्रति उनके जज्बे, जुनून और कुबार्नी को जाने और खुद में भी यही

भाव पैदा करे। इसी मकसद से आजादी की लड़ाई के टर्निंग पॉइंट माने जाने वाले चौरीचौरा की घटना की शताब्दी वर्ष को धूम धाम से मनाया गया। इसी मकसद से इस साल काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी भी मनाई जा रही है। हर जिले में शहीदों के नाम पर पार्क, पौधरोपण के दौरान शहीद वाटिका लगाने को प्रोत्साहन और 13 अगस्त से शुरू घर घर तिरंगा अभियान का भी के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के पीछे भी यही मकसद है।गोरखपुर और गोरक्षपीठ का आजादी की लड़ाई से गहरा रिश्ता रहा है। जब गांधीजी का गोरखपुर आगमन हुआ था तो योगी आदित्यनाथ के दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ ने युवा वालंटियर के साथ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नाम तो उनका चौरी चौरा कांड में भी आया था, पर वह ससम्मान उस केस से बरी हो गए। चौरीचौरा के अलावा डोहरिया, नरहनपुर, महुआपार, अब देवरिया का पैना, डुमरी की रियासत, जिला जेल में पंडित रामप्रसाद बिस्मिल का स्मारक, दाऊदपुर में शचींद्रनाथ सान्याल का स्मारक, शहीद अशफाक उल्ला खां के नाम से बना चिड़ियाघर गोरखपुर का जाएंगे आजादी में रिश्तों का सबूत है।

प्रदेश का सबसे ऊंचा तिरंगा गोरखपुर में: रामगढ़ताल के किनारे लगा 246 फीट ऊंचा और 540 वर्गमीटर में फैला प्रदेश का सबसे ऊंचा तिरंगा 15 किमी दूर से दिखता है। यह यहां आने जाने वालों के आकर्षण का केंद्र भी है। रेलवे स्टेशन के सामने महाराणा प्रताप की चेतक पर सवार भव्य मूर्ति भी देश भक्ति की प्रेरणा देती है।

सात सहायक शोध अधिकारी स्वास्थ्य विभाग में हुए नियुक्त

केटी न्यूज/मऊ

मऊ । जिले में सहायक शोध अधिकारी के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सभागार में हुआ। प्रदेश स्तर से जिसमें 8 अभ्यर्थियो का नियुक्ति पत्र का वितरण होना था जिसमें 7 अभ्यर्थी उपस्थित हो कर अपना नियुक्ति पत्र प्राप्त किये। नियुक्ति पत्र का वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मधुबन विधानसभा के विधायक रामविलास चौहान और वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह के द्वारा वितरित किया गया।विधायक रामविलास चौहान ने समस्त अभ्यर्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाये दी, उन्हें अपने कार्यों को अच्छे ढंग से करने के लिए प्रेरित किया। अध्यक्षता नवागत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० राहुल सिंह द्वारा किया गया। सीएमओ अभ्यर्थियों को सम्बोधित करते हुए अपने कार्यों एवं दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन करने एवं गुणवत्ता पूर्वक कार्य करने के लिए प्रेरित किया।इसके पूर्व माननीय मुख्यमंत्री द्वारा चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र का कार्यक्रम प्रसारित किया गया। जिसको सभी अधिकारी गण एवं कर्मचारियों ने देखा। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से भाजपा के उपाध्यक्ष आनंद सिंह रैकवार के साथ डा संजय गुप्ता, डा, ममता शर्मा, डा वीके यादव, आर एन सिंह, डा एच एन मौर्या, डा० एच आर सोनी सहित अन्य मौजूद थे।

खबरें फटाफट

महिला चिकित्सक की हत्या के विरोध में निकला जुलूस

पीडीडीयू नगर। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में गैंगरेप के बाद एक महिला डॉक्टर की हुई नृशंस हत्या के विरोध में मुगलसराय के चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों ने आईएमए के बैनर तले कैंडल जुलूस निकाल कर विरोध दर्ज कराया। मशाल जुलूस नई बस्ती से निकलकर जीटी रोड होते हुए सब्जी मंडी तक गया और वापस नई बस्ती आकर समाप्त हो गया। चिकित्सक मामले में आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। साथ ही पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग रखी। नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डा. राजीव ने कहा कि देश में चिकित्सा सेवा आसान नहीं रह गई है। चिकित्सकों की सुरक्षा को ताक पर रख दिया गया है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो चिकित्सक अपने कार्य से विरत हो जाएंगे। इस मौके पर आईएमए के सचिव डॉक्टर आरके श्रीवास्तव ने कहा कि महिला चिकित्सक के साथ जघन्य कार्रवाई की गई है। पूरा समाज इस घटना की निंदा कर रहा है। चिकित्सकों के लिए इस तरह का वातावरण बनाया जाए कि वह सुरक्षित होकर मरीजों की सेवा कर सकें। मशाल जुलूस में डा. डीपी सिंह ,डा. सीमा,डा. अशोक सिंह, डा. विष्णु आनंद, डा. रवि गुप्ता, डा. प्रज्ञा शालिग्राम, डा. सुमन सिंह आदि उपस्थित रहे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए मुख्यमंत्री

जाति, क्षेत्रीय, भाषाई विभाजन से उबरकर राष्ट्र प्रथम की भावना से जुड़ना होगा: योगी

- बोले- डेढ़ करोड़ हिंदू बांग्लादेश में आज अस्मिता बचाने को चिल्ला रहे हैं, लेकिन वोट बैंक की चिंता वाले कथित सेक्युलरिस्ट का मुंह सिल गया है

केटी न्यूज/लखनऊ

देश इतिहास के काले अध्यायों को स्मरण कर रहा है। इतिहास केवल अध्ययन का विषय नहीं होता है, बल्कि वह गलतियों के परिमार्जन और गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा ग्रहण करने का संकल्प होता है। आखिर क्या कारण था कि हजारों हजार वर्षों से सनातन राष्ट्र रहा भारत गुलाम हुआ। विदेशी आक्रांताओं ने यहां की परंपरा-संस्कृति को रौंदा और देश को गुलाम बनाया गया। क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश को स्वतंत्र कराने की दिशा में विदेशी हुकूमत को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ आजादी की लड़ाई लड़ी थी। जब उसकी पूर्णता का समय आया तो इस सनातन राष्ट्र को विभाजन की त्रासदी का सामना करना पड़ा। उक्त बातें मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। वे बुधवार को लोकभवन में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। विभाजन विभीषिका पर आधारित लघु फिल्म के जरिए आमजन का दर्द दिखाया गया। कांग्रेस ने ऐसा नासूर दिया, जिसका दंश आतंकवाद के रूप में आज भी भारत झेल रहा है सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो

किसी से छिपा नहीं है अमानवीय अत्याचार

लखनऊ। सीएम योगी ने कहा कि भारत बल-बुद्धि, विद्या में दुनिया का नेतृत्व करने का सामर्थ्य रखता था। 16वीं सदी तक भारत का वैभव दुनिया में अग्रणी था। दुनिया की अर्थव्यवस्था के आधे भाग का नेतृत्व अकेले भारत करता था। यह तब था, जब देश कई सौ वर्षों तक लगातार विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण को झेल रहा था। 14 अगस्त 1947 को देश के विभाजन की त्रासदी हो रही थी। 15अगस्त 1947 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा तिरंगा फहराकर कांग्रेस नेता आजादी का जश्न मना रहे थे, तब लाखों लोग अपनी मातृभूमि व परिवार को छोड़ने को मजबूर हो रहे थे। उस समय के अमानवीय अत्याचार किसी से छिपे नहीं हैं। दुनिया का सबसे समृद्धतम देश 1947 तक आते-आते दरिद्र देश में बदल गया था। हमारी कुछ कमजोरियों ने आक्रांताओं को देश के अंदर आक्रमण करने के लिए स्थान दिया।

किसी युग में नहीं हुआ, वह कांग्रेस की सत्ता के प्रति अभिलिप्सा ने विभाजन की त्रासदी के रूप में प्रस्तुत किया और स्वतंत्र भारत को ऐसा नासूर दे दिया, जिसका दंश आज भी भारत आतंकवाद, उग्रवाद और अलगावाद के रूप में झेल रहा है। यदि तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व ने दृढ़ता का परिचय दिया होता तो दुनिया की कोई ताकत इस अप्राकृतिक विभाजन को मूर्त रूप नहीं दे पाती। येन-केन प्रकारेण सत्ता प्राप्त करने के लिए कांग्रेस ने देश को दांव पर लगा दिया गया। 1947 और इसके बाद से यह लगातार हो रहा है। जब भी इनके हाथ में सत्ता में आई, इन लोगों ने देश की कीमत पर राजनीति की। इसकी कीमत जनता को लंबे समय तक चुकानी पड़ी है। विभाजन की दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी हम सबको उन्हीं गलतियों की परिमार्जन की तरफ ध्यान आकृष्ट करती है।

पाकिस्तान का भारत में विलय होगा या पाकिस्तान समाप्त होगा

लखनऊ। सीएम योगी ने कहा कि जो गलतियां इतिहास के काले अध्याय के रूप में हमारे सामने कैद हैं, वही गलतियां चुनाव के समय राजनीतिक दल करते हैं। जो पहले जातिवाद के नाम पर होता था, वही कारनामे आज राजनीतिक दलों के स्तर पर किए जा रहे हैं। जातीयता का नग्न तांडव करके उसी विभाजन की ओर ले जाने की कुत्सित चेष्टा की जा रही है। परिणाम फिर वही है। चेहरे-तिथि बदली है, लेकिन घटनाओं का स्वरूप वही है। सीएम योगी ने कहा कि 1947 के पहले महर्षि अरविंद ने उद्घोषणा की थी कि आध्यात्मिक जगत में पाकिस्तान कोई वास्तविकता नहीं है। उसका भारत में विलय होगा या पाकिस्तान हमेशा के लिए समाप्त होगा। आध्यात्मिक जगत में जिसका वास्तविक अस्तित्व नहीं है, उसे नष्ट ही होना है। जाति, क्षेत्रीय, भाषाई विभाजन से उबरकर हमें राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करना होगा। डेढ़ करोड़ हिंदू बांग्लादेश में अस्मिता बचाने को चिल्ला रहे हैं सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के आभारी हैं, जिन्होंने इतिहास के काले अध्यायों से पर्दा उठाकर गलतियों के परिमार्जन के लिए रास्ता बनाने का आह्वान किया है। उस समय 10 लाख हिंदू-सिख काटे गए थे, आज भी वही आगजनी, तोड़फोड़, लूटपाट, बहन-बेटियों संग अत्याचार, त्रासदी का दृश्य देख रहे हैं। डेढ़ करोड़ हिंदू बांग्लादेश में आज अस्मिता बचाने को चिल्ला रहे हैं।

एक नजर

साइबर ठगों ने महिला से ठगे 31000 रुपए

मऊ। हलधरपुर थाना क्षेत्र के मुबारकपुर ग्राम पंचायत निवासिनी एक गृहणी साइबर ठगो के चंगुल में फंस कर 31000 रुपए गंवा बैठी। बताया जाता है कि ग्रहणी बविता पटेल पत्नी कृपाल पटेल के मोबाइल पर मंगलवार की सुबह से 8399540352 नम्बर से काल आ रहे थे। यह व्यक्ति अपने आप पुलिस विभाग का बता रहा था। और उसने तरह-तरह के मुकदमे में फंसाने की घेराबंदी करके उस रकम ऐंठ लिया। मुकदमे में फंसने की डर से उसने ठग के बताए हुए अकाउंट में 31000 रुपए अंतरित कर दिए। और फिर 12000 और भेजने के लिए दबाव बनाने लगा। तब महिला को समझ में आ गया कि वह साइबर ठगो के चंगुल में फंस करके 31000 रुपए गंवा बैठी है। तो वह भाग करके रतनपुरा पुलिस चौकी पर आई ,और तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री रामाश्रय मौर्य ने इस प्रकरण की पैरवी करते हुए प्रभारी निरीक्षक तथा चौकी प्रभारी रतनपुरा से पीड़ित महिला की ठगी गई रकम को वापस दिलाए जाने की मांग की। पुलिस इस प्रकरण की जांच पड़ताल कर रही है।

प्राथमिक विद्यालय नशोपुर के बच्चों को मिला तिरंगा

मऊ । शिक्षा क्षेत्र परदहां के प्राथमिक विद्यालय नशोपुर प्रथम के छात्र छात्राओं को पूर्व सभासद राकेश तिवारी ने राष्ट्रीय ध्वज वितरित किया तथा उनसे इसे अपने घरों पर फहराने की अपील किया । राकेश तिवारीनेअध्यापकों से भी अपील की कि वे अपने घरों तथा आस पड़ोस में तिरंगा फहराने का कष्ट करें। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच राष्ट्रीय पदाधिकारी से पंकज तिवारी जोखू सिंह सीटू सिंह बिरजू राजभर धीरज यादव हुआ स्कूल की प्रधानाध्याय विकास तथा अन्य अध्यापक गण सम्मिलित रहे।

पुरानी रंजिश में दो पक्षों में चले लाठी डंडे

जौनपुर। जमीनी विवाद को लेकर दबंगों की गुंडाई करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे दबंग गोलबंद होकर एक परिवार पर लाठी डंडे से टूट पड़े हैं। इतना ही नहीं आरोप है कि दबंगों ने पीड़ित परिवार के रिहायशी छप्पर को आग के हवाले कर दिया है। घटना में मां बेटी समेत तीन लोग घायल हो गये। सभी घायलो को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र सबरहद उजरौटी पुरवे में दबंगई और जुल्म सिर चढ़ कर बोला। पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया जिसमें लाठी डंडे भी चलें। जिसमें तीन महिला घायल हो गई। मारपीट के दौरान कुछ लोगों ने रिहायशी छप्पर आग लगा दी आरोप यह भी है कि दबंगों ने पीड़िता की कपड़े को भी फाड़ दिया। गांव निवासी रंजना की अपने पट्टीदार से जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा है। जिसमें रंजना उसकी बहन सोनी व मां मीरा घायल हो गए।

मॉपअप दिवस पर बच्चों को खिलाई गई अल्बेंडाजोल दवा

केटी न्यूज/मऊ

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान के मॉप अप दिवस के अंतर्गत जनपद के सभी सरकारी, सरकारी मान्यता प्राप्त, प्राइवेट विद्यालयों एवम मदरसा तथा आंगनबाड़ी केंद्रों पर पेट की कृमि नाशक दवा अल्बेंजोल की गोली 1 से 19 वर्ष तक के छूटे हुए बच्चो एवम किशोर किशोरियों को खिलाई गई। जनपद के नवागत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा राहुल सिंह ने बताया कि एनडीडी कार्यक्रम के अंतर्गत 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों तथा किशोर किशोरियों को 10 अगस्त को अभियान के दौरान छूटे हुए बच्चों को 14 अगस्त को माप अप दिवस के दिन

अल्बेंडाजोल की गोली सभी विद्यालयों एवम आंगनबाड़ी केंद्रों पर खिलाई गई। डीसीपीएम संतोष सिंह ने बताया कि राज्य स्तर से 10 अगस्त राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के दौरान राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग फीडबैक के अनुसार जनपद में प्राइवेट स्कूलों में अधिकतर जगह दवा नहीं खिलाई गई थी या अल्बेंडाजोल की दवा किन्ही कारणों से नही पहुंची थी। वहा आज 14 अगस्त को मॉप अप दिवस के दिन विशेष रूप से निदेशों का अनुपालन करते हुए, जनपद के सभी निजी विद्यालयों को अभियान चलाकर कवर करते हुए दवा खिलाई गई। नोडल अधिकारी डा बीके यादव ने बताया कि कार्यक्रम के अनुश्रवण हेतु जनपद एवम ब्लॉक स्तरीय नोडल अधिकारियों को नामित कर कार्यक्रम का अनुश्रवण कराया गया। आरबीएसके टीमों को ब्लॉक पर रैपिड रिस्पॉन्स टीम के रूप में गठित किया गया था ताकि किसी प्रकार की चिकित्सकीय समस्या आने पर त्वरित कार्रवाई करते हुवे उपचारित किया जा सके। डीईआईसी मैनेजर अरविंद वर्मा द्वारा बताया गया कि आरबीएसके टीम द्वारा संबंधित क्षेत्र के कम से कम 5 बड़े प्राइवेट स्कूलों पर जाकर अल्बेंडाजोल की दवा खिलाई गई एवम जागरूक किया गया। इसका कोई गलत प्रभाव नहीं पड़ता है।

तालाब में डूबने से किशोर की मौत

चंदौली। जनपद चंदौली के मुगलसराय थाना के क्षेत्र अंतर्गत डीआरएम बिल्डिंग के पीछे तालाब में 12 वर्षीय किशोर की बुधवार की सुबह को डूबने से मौत हो गई। सूचना के बाद आरपीएफ और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। गोताखोरों को बुलाकर डूबे बालक का पता लगाया गया। दो घंटे की खोजबीन के बाद बालक का शव बरामद किया गया। बता दें कि कैलाशपुरी निवासी शिवा खरवार पुत्र रविंद्र खरवार (12 वर्ष) शिवम खरवार की मां कुछ दिन पहले ही मृत्यु हो चुकी थी जिससे लोगों द्वारा बताया जा रहा है कि खरवार मंदबुद्धि का था ।

अंग्रेजों की साजिश थी देश को दो टुकड़ों में बांटना, कुछ भारतीय नेता भी जिम्मेदार

भारत का विभाजन देश के लिए किसी विभीषिका से कम नहीं : अनिल

केटी न्यूज / जौनपुर

भारतीय जनता पार्टी जौनपुर की विभाजन की विभीषिका विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने किया और उसके मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर रहे। सर्वप्रथम पार्टी के पुरोधा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की सुभारम्भ की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकताओं के द्वारा बंदे मातरम का गीत गाया गया। उसके उपरांत मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने स्वागत किया।मुख्य अतिथि अनिल राजभर ने कहा कि 14 अगस्त 1947 की तारीख भारत भला कैसे भूल सकता है एक तरफ 200 वर्षों की गुलामी के बाद आजादी मिलने वाली थी तो वहीं दूसरी ओरे देश के दो टुकड़े हो रहे थे लाखों लोग इधर से उधर हो

गए, घर-बार छूटा, परिवार छूटा, लाखों की जानें गईं, विभाजन भारते के लिए विभीषिका से कम नहीं थी इसी दर्द को याद करते हुए पिछले साल आजादी की सालगिरह से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया कि 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवसे मनाया जायेगा। भारत की वर्तमान और भावी पीढ़ियों को विभाजन के दौरान लोगों द्वारा सही गई यातना और वेदना का स्मरण दिलाने के लिए 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों-भाइयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान गंवानी पड़ी। राजयसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि विभाजन की घटना को याद किया जाए तो 14 अगस्त 1947 का दिन भारत के लिए इतिहास का एक गहरा जख्म है।

हिंसा और नासमझी में गई नफरत ने कईयों की ली जान : सिंह

पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह ने कहा कि विभाजन के कारण हुई हिंसा और नासमझी में की गई नफरत से लाखों लोग विस्थापित हो गए और कई ने जान गंवा दी उन लोगों के बलिदान और संघर्ष की याद में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तौर पर मोदी सरकार द्वारा याद किए जाने का निर्णय लिया गया है, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस, सामाजिक विभाजन, वैमनस्यता के जहर को दूर करने और एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तीकरण की भावना को और मजबूत करने की जरूरत की याद दिलाए यह दिन हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए प्रेरित करेगा साथ ही इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी।

सुभाषितम्

पूरा जीवन एक अनुभव है आप जितने प्रयोग करते है, उतना ही इसे बेहतर बनाते है। -राल्फ वाल्डो एमर्सन

विदेश नीति पर खरी नहीं उतर रही सरकार

- राजीव खंडेलवाल

निसंदेह, पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद इतिहास बनाने वाले यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरू की ओर तेजी से अग्रसर होकर 5 ट्रिलियन इकॉनामी से 3 ट्रिलियन की ओर बढ़ रहा है। आज एक सुदृढ़ राष्ट्र के रूप में भारत देश ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक व्यक्तित्व के रूप में मजबूत छाप विश्व धरोवर के रूप में बन चुकी है, जिसे नजरअंदाज करना किसी भी देश के लिए एकदम से संभव नहीं है। विश्व की तीन महाशक्तियों अमेरिका, रूस और चीन के बीच भारत भी एक महाशक्ति के रूप में उभर कर स्थापित हो चुका है, यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा। विश्व गुरू बनने की भारत की यह यात्रा तब ही पूर्ण होगी, जब भारत सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बन जायेगा। विश्व पटल पर इस स्थिति में पहुंचने के लिये सिर्फ विदेश नीति ही मात्र एक कारगर अस्त्र नहीं होती है, बल्कि इससे ज्यादा देश का चौमुखा विकास और भारत की आर्थिक विकास दर जो विश्व की तुलना में विश्व में आयी मंदी के बावजूद ज्यादा तेजी से बढ़ी है, ये महत्वपूर्ण कारक भारत को विश्व गुरु बनने में सहायक हुआ है। पिछले तीन सालों में तीन देशों की तीनों भारत समर्थक सरकारों का अपदस्थ होना। पिछले कुछ समय से हमारे पड़ोसी देशों में चल रही राजनीतिक घटनाओं का क्रम देखिए! आप समझ पाएंगे कि भारत की विदेश नीति पड़ोसी देशों को लेकर कितनी गंभीर है? सर्वप्रथम जब भारत के प्रधानमंत्री मोदी 15 अगस्त 2021 को लाल किले पर झंडा फैला रहे थे, उसी दिन अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी पलायन कर गये और तत्पश्चात भारत विरोधी मुल्ला अब्दुल गनी बरादर (तालिबानियों) का शासन हो गया। फिर 17 नवंबर 2023 को मालदीव के भारत समर्थक राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह अपने विरोधी भारत विरोधी मोहम्मद मोईज से चुनाव हार गए। तब मोदी अबकी बार फिर सोलिह सरकार का कथन नहीं कर दाये? और अब बांग्लादेश 5 अगस्त 2024! को भारत के अभिन्न मित्र शेख हसीना सरकार का अपदस्थ होना। पड़ोसी देशों से संबंध! दिया तले अंधेरा। जिस प्रकार एक पूर्ण विकसित व्यक्तित्व तभी बन सकता है, जब उसका चारों दिशाओं में चहुंमुखी विकास हो। उसी प्रकार कोई राष्ट्र विश्व गुरू तभी बन व सफल हो सकता है, जब न केवल उसका विश्व में सिक्का चलता हो, बल्कि पडोसी देशों में भी उसकी प्रभुतत्व स्थापित होकर उनसे अच्छे मधुर संबंध बने रहे। दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में पड़ोसी देशों से संबंधों की दिशा निरंतर गिरावट आई है। शायद दिये तले अंधेरे की स्थिति हो गई है। बांग्लादेश में रक्तहीन क्रांति से तख्तापलट होने के बाद सिर्फ मित्र देश भूटान को छोडकर तथा चीन व पाकिस्तान को छोड़ दिया जाए, जिनसे संबंध पहले से ही खराब रहे हैं, हमारे समस्त पड़ोसी देशों अफगानिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, नेपाल, मालदीव और अब बांग्लादेश से संबंध शस्त्रु जैसे न भी कहे, तो मधुर व गर्मजोशी के तो नहीं रह गए हैं। निश्चित रूप से इन देशों का झुकाव हमारे घोषित शस्त्रु चीन व पाकिस्तान की ओर तुलनात्मक ज्यादा है। यह स्थिति देश की विदेश नीति पर निश्चित रूप से प्रश्नचिन्ह अवश्य लगाती है।

मित्र बदल सकते है, पड़ोसी नहीं! अटल जी।

इस स्थिति के लिए अकेले भारत को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। बल्कि सौहार्दपूर्ण संबंध परस्पर इच्छाशक्ति पर निर्भर हैं और यदि दूसरा देश संबंध अच्छे नहीं रखना चाहता है, तब आपसी संबंधों में तनाव किसी कारण या दबाव में होना लाजमी है। ताली दोनों हाथों से बजती है। लेकिन तब भी राष्ट्रहित में हमे इस स्थिति से निपटना ही होगा। आज जहां अटल जी के कथन याद आ जाते है। आप मित्र तो बदल सकते है, लेकिन पड़ोसी नहीं। इस अटल सत्य को ध्यान में रखते हुए हमे उनसे कूटनीतिक रिश्ते सौहाद्रपूर्ण, सदभावपूर्ण और एक दूसरे को विकास की ओर ले जाने वाले बनाए रखने का प्रयास लगातार करते रहना पड़ेगा। तभी हमें विश्व गुरु होने का सही मुकुट मिल सकता है।

राष्ट्रीय हितों पर व्यक्तिग संबंध भारी।

याद कीजिए! प्रधानमंत्री मोदी के विश्व की समस्त महाशक्तियों के राष्ट्रध्यक्षों के साथ व्यक्तिगत स्तर पर बड़े प्रगाट संबंध रहे हैं, जो उतने शायद पहले की सरकारों के समय नहीं रहे हैं। इसमें बांग्लादेश भी शामिल रहा है, जिसके प्रधानमंत्री शेख हसीना को अभी हुई रक्तहीन क्रांति में इस्तीफा देना पड़ा। व्यक्तिगत संबंध की इन्तहा तो देखिये; शेख हसीना नरेन्द्र मोदी के तीसरे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने भारत आई। वहीं दूसरी ओर इसके पूर्व अमेरिका जाकर ट्रंप के दूसरे चुनाव में अबकी बार ट्रंप सरकार कहकर प्रधानमंत्री आ जाते हैं, जैसे वे अपने देश के किसी प्रदेश में चुनाव में प्रचार करने गए हो? कई बार हम व्यक्तिगत रिश्तों को आवभगत के आभामंडल के छाया में राष्ट्र से ऊपर रख लेते है। जबकि वास्तव में व्यक्तिगत संबंधों पर राष्ट्रीय हित हमेशा भारी होना चाहिए। यह एक राजनीतिक, कूटनीतिक चूक और हमारी समझ में कमी कही जा सकती है। इसलिए हम जब नरेन्द्र मोदी को विश्व गुरु कहने लग जाते है, तो उसका कारण भी शायद यही समझ की कमी है। राष्ट्र की दीर्घकालीन विदेश नीति में राष्ट्राध्यक्षों से व्यक्तिगत संबंधों से ज्यादा राष्ट्रों से मजबूत संबंध होना ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। जब हम किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष से व्यक्तिगत संबंध मजबूत करते है, तब हमे भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए, वे पद पर स्थाई सत्तारूढ़ नहीं हैं। सरकारें बदलती हैं। चुनावों में हार-जीत होती है। अतः व्यक्ति से संबंध देश से ऊपर होकर देशहित गौण हो न जाए, इस बात की सावधानी बरतना जरूरी है। इसलिए अंतरदेशीय के समान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विपक्ष से भी इतने संबंध जरूर होना चाहिए, ताकि वे जब सत्ता में आये तो हम उनसे बातचीत कर सके।

बांग्लादेश में लोकतांत्रिक तानाशाह रक्तहीन क्रांति से अपदस्थ।

बांग्लादेश में जनवरी 2024 में आम चुनाव हुए, जिसमें विपक्षी बीएनपी पार्टी एवं जमाते-ऐ-इस्लामी गठबंधन ने चुनाव का बहिष्कार किया था। शेख हसीना की अवामी लीग को भारी बहुमत 300 में से 222 सीटें मिली। दूसरे नंबर पर निर्दलीय उम्मीदवार रहे, जिन्हें अवामी लीग ने ही लोकतंत्र दिखाने के नाम पर खड़ा किया था। ऐसा वहां की मीडिया में चर्चा है। शेख हसीना की सरकार के अपदस्थ हो जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने कुआं व खाई की स्थिति है। एक तरफ प्रगाढ़ संबंधों के रहते मानवीय और बांग्लादेश के जन्म से लेकर खासकर बांग्लादेश निमार्ता बंग बंधु शेख मुजीबुर्रहमान की पुत्री प्रधानमंत्री शेख हसीना से हमारे लगातर गहरे संबंधों के चलते मानवीय आधार पर उन्हे शरण देना उचित व जायज दिखता है। वहीं दूसरी ओर शेख हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में जिस तरह का का जन-युवा आक्रोश आरक्षण और पेपर लीक को लेकर खडा हुआ है, तथा छात्रों व युवाओं ने राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़ा। दुर्भाग्यवश जिस तानाशाही तरीके से शेख हसीना ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया, उससे छात्र व युवा जो दो तिहाई से भी ज्यादा जनसंख्या में हैं, बुरी तरह से शेख हसीना के विरूद्ध हो गये। तब भारत सरकार ने अपने संबंधों का प्रभाव का उपयोग कर आंदोलन कुचलने के लिए शेख हसीना को तानाशाही रवैया अपनाने से रोकने का कोई आंतरिक सार्थक प्रयास नहीं किया। क्योंकि बा प्रयास तो आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कहलाता। ऐसी स्थिति में यदि भारत सरकार शेख हसीना का खुलकर समर्थन करती, तब भारत सरकार को बांग्लादेश के छात्रों व जनता के आक्रोश को भी झेलना पड़ता, जो कदापि देश हित में नहीं होता।

15 अगस्त 1947 की सुबह और बंटवारे का दंस

भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ था। अंग्रेजों ने भारत से पहले 14 अगस्त को पाकिस्तान को स्वतंत्रता दी थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान मे शपथ ली। उसके बाद भारत के पास और कोई विकल्प नहीं बचा था। वह अंग्रेजों द्वारा दी गई स्वतंत्रता को अस्वीकार कर दे। कांग्रेस के प्रमुख नेता और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े आंदोलनकारी धार्मिक आधार पर बंटवारे का विरोध कर रहे थे। मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने पश्चिम बंगाल की विधानसभा से धार्मिक आधार पर बंटवारे की मांग 1945 मे की थी। वह प्रस्ताव अंग्रेजों के लिए मुफीद साबित हुआ। अंग्रेजों ने मोहम्मद अली जिन्ना को पाकिस्तान का राष्ट्राध्यक्ष बनने के लिए तैयार किया। जिन्ना ने समझौते पर हस्ताक्षर किये। मोहम्मद अली जिन्ना उन दिनों टीवी की बीमारी से पीड़ित थे। उनकी जान कभी भी जा सकती थी। उन्होंने पाकिस्तान का राष्ट्रध्यक्ष बनना स्वीकार किया। 14 अगस्त को अंग्रेजों ने पाकिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर ?जिन्ना को शपथ ?दिला दी। उसके बाद भारत को अंग्रेजों का प्रस्ताव स्वीकार करना पड़ा। अंग्रेजों और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में जवाहरलाल नेहरू के नाम पर सहमति बनी। वह भारत के पहिले प्रधानमंत्री बने। 15 अगस्त को बटवारे पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई। अविभाजित भारत के दोनों हिस्सों में हिंसा का एक नया दौर शुरू हो गया। भारत के हिंदूवादी संगठन मुसलमानो को पाकिस्तान जाने के लिए विवश करने लगे। वहीं पाकिस्तान के मुस्लिम संगठन वहां से हिंदुओं को भारत जाने के लिए विवश करने लगे। उग्रवादी संगठनों ने आजादी का जश्न मनाने के स्थान पर दंगे शुरू कर दिए। अल्पसंख्यक समुदाय की संपत्तियों को लूटा गया। पाकिस्तान में कट्टर मुसलमानो द्वारा हिंदुओं का उत्पीड़न शुरू हुआ। बंटवारे के समय अविभाजित भारत में रहने वाले हिंदू और मुस्लिम दोनों ही हिंसा के शिकार हुए। उन सबका चैन, जान-माल, अस्मत सब लूटी जा रही थी। गली गली में टोलियां बनाकर लुटेरे और उग्रवादी तत्व लूटमार कर रहे थे। ऐसे समय पर भारत में महात्मा गांधी ने दंगा ग्रस्त इलाकों में जाकर अनशन शुरू किया। लोगों से शांति की अपील की। बंटवारे के समय भारत और पाकिस्तान मे जो ट्रेन चल रही थी। उसमे जिंदा और मुर्दा दोनों ही एक देश से दूसरे देश में भेजे जा रहे थे। यह स्वतंत्रता का वीभत्स स्वरूप था। भारत ने इसमें बहुत जल्दी काबू पाया। 1948 में जब महात्मा गांधी की हत्या उग्रवादी हिंदू संगठनों द्वारा की गई। इसके बाद जनता में तीव्र प्रतिक्रिया हुई। उसके बाद भारत में हिंसा का दौर एक तरह से शांत हुआ। 1950 में भारत का संविधान लागू होने के बाद से पिछले कुछ वर्षों तक भारत में धार्मिक उन्माद की स्थिति देखने को नहीं मिली। भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी धर्म और संप्रदाय के लोगों ने आपस में रहना सीख लिया था। एक दूसरे के ऊपर भरोसा था। आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सभी वर्ग आगे बढ़ रहे थे। पिछले कुछ वर्षों से धार्मिक उन्माद एक बार फिर अपनी जड़ों को फैला रहा है। हाल ही में बांग्लादेश में सत्ता में बने रहने के लिए शेख हसीना द्वारा जिस तरह की तानाशाही की। उसके दुष्परिणाम आज सभी को देखने मिल रहे हैं। 1947 के पहले हम आजादी से रहना नहीं जानते थे। कोई हिंदू राष्ट्र कभी नहीं रहा। हमेशा राजा महाराजाओं के राज रहे हैं। सबके अपने-अपने धर्म थे। पहले राजे रजवाड़े और जागीरदारों का शासन था। जो आम जनता को मनमाने तरीके से लूटते और प्रताड़ित करते थे। उसके बाद आक्रांता आए, उन्होंने राजाओं को लूटा। आम जनता ने कभी राजाओं का साथ नहीं दिया। मुट्ठी भर आक्रांताओं ने राजे राजवाड़े और जागीरदारों के महलों पर कब्जा करके अपना शासन स्थापित किया। जनता ने उनका कोई विरोध नहीं किया। धीरे-धीरे करके आक्रांता अपना साम्राज्य स्थापित करते चले गए। सत्ता के अहंकार में सत्ता के मद में आक्रांताओं ने भी जनता के साथ गुलामों जैसा व्यवहार ?किया। जो भी शासन आया, उसने आम जनता को गुलामो की तरह रखा। अंग्रेज आए, उन्होंने राजाओं के ऊपर अधिकार जमाया।

चिंतन-मनन

निष्ठा और सत्य

निष्ठा अविभाजित मन, अविभाजित चेतना का स्वभाव है। ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। आत्मा में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। जिसमें भी तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की कोशिश न करो। बच्चे को मां में विश्वास है। बच्चा मां को जानने का प्रयत्न नहीं करता, उसे केवल मां में विश्वास है। जब तुममें निष्ठा है, जानने की क्या आवश्यकता है? यदि तुम प्रेम को जानने का विषय बनाते हो, प्रेम लुप्त हो जाता है। ईश्वर, प्रेम, आत्मा और निद्रा समझ के परे हैं। यदि तुम केवल विश्लेषण करते हो, संशय उत्पन्न होता है और निष्ठा खत्म होती है। जिसमें तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की या विश्लेषण करने की चेष्टा न करो। विश्लेषण दूरी पैदा करता है, संश्लेषण (संकलन) जोड़ता है। निष्ठा संकलन है, जानना विभाजन। निष्ठा और विश्वास में फर्क है, विश्वास हल्का होता है, निष्ठा ठोस, अधिक सबल। हमारे विश्वास बदल सकते हैं मगर निष्ठा अटल होती है। निष्ठा के बिना चेतना नहीं। यह दिये की लौ के समान है। निष्ठा है चेतना की शान्त, स्थायी प्रकृति। निष्ठा चेतना का स्वभाव है। सत्य वह है जो बदलता नहीं। अपने जीवन को देखो और पहचानो कि वह सब जो बदल रहा है, सत्य नहीं। इस दृष्टि से देखने पर तुम पाओगे कि तुम केवल असत्य से घिरे हुए हो। असत्य को पहचानने पर तुम उससे मुक्त होते हो। जब तक तुम असत्य को पहचानोगे नहीं, उससे मुक्त नहीं हो सकते। स्वयं के जीवन के अनुभव तुम्हें तुम्हारे असत्यों की पहचान कराते हैं। जैसे-जैसे जीवन में परिपक्वता आती है, तुम पाते हो कि सभी कुछ असत्य है- घटनाएं, परिस्थितियां, लोग, भावनाएं, विचार, मत-धारणाएं, तुम्हारा शरीर-सभी असत्य है। और तभी सच्चे अर्थ में सत्संग (सत्य का संग) होता है। मां के लिए बच्चा तब तक असत्य नहीं है जब तक बालिग नहीं हो जाता। बच्चे के लिए मिठास असत्य नहीं और किशोर के लिए सैक्स असत्य नहीं। ज्ञान यदि शब्दों तक सीमित है, तो वह असत्य है।

पंडित रामप्रसाद बिस्मिल का देश की आजादी में योगदान

- संजय गोस्वामी

बहुत से ऐसे देशभक्त हुए जो देश की आजादी में अहम योगदान रहा लेकिन बहुत देश भक्त को आज महत्व नहीं दिया जा रहा है आजादी का दिन स्वतंत्रता दिवस 15अगस्त में. मैं बार बार सोचा की शायद देश भक्तो को याद किया जायेगा लेकिन अभी तक गुमनाम रहें ऐसे ही देश को आजादी दिलाने में पंडित रामप्रसाद बिस्मिल के समर्पण के बारे में बात करूँगा पंडित रामप्रसाद बिस्मिल किसी परिचय के मोहताज नहीं। उनके लिखे सरफरोशी की तमन्ना जैसे अमर गीत ने हर भारतीय के दिल में जगह बनाई और अंग्रेजों से भारत की आजादी के लिए वो चिंगारी छेड़ी जिसने ज्वाला का रूप लेकर ब्रिटिश शासन के भवन को लाक्षागृह में परिवर्तित कर दिया। ब्रिटिश साम्राज्य को दहला देने वाले काकोरी काण्ड को पंडित रामप्रसाद बिस्मिल ने ही अंजाम दिया और मात्र 30वर्ष की आयु में भारत माता के वीर सपूत पंडित रामप्रसाद बिस्मिल ने हॅसते हॅसते फांसी पर चढ़ गए उनका जन्म ज्येष्ठ शुक्ल 11 संवत 1954 सन 1897 में 11जुलाई को पंडित मुरलीधर की धर्मपत्नी ने द्वितीय पुत्र को जन्म दिया। इस पुत्र का जन्म मैनपुरी में हुआ था। सम्भवतः वहाँ बालक का ननिहाल रहा हो। इस विषय में श्री व्यथित हृदय ने लिखा है- यहाँ यह बात बड़े आश्चर्य की मालूम होती है कि बिस्मिल के दादा और पिता ग्वालियर के निवासी थे। उनके पिता कचहरी में स्टाम्प पेपर बेचने का कार्य करते थे। उनके माता-पिता राम के आराधक थे, जिसके चलते उनका नाम रामप्रसाद रखा गया। मुरलीधर के घर कुल 9 सन्तानें हुई थी, जिनमें से पाँच लड़कियां एवं चार लड़के थे। जन्म के कुछ समय बाद दो लड़कियां एवं दो लड़कों का निधन हो गया था। बाल्यकाल से ही रामप्रसाद की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। उनका मन खेलने में अधिक और पढ़ने में कम लगता था। इसके कारण उनके पिताजी उन्हें खूब पीटा करते थे, ताकि वह पढ़ाई-लिखाई कर के एक क्रांतिकारी बन सकें। परन्तु उनकी माँ हमेशा प्यार से यही समझाती कि ह्लबेटा राम! ये बहुत बुरी बात है पढ़ाई किया करो। ह्व माँ के प्यार भरी सीख का भी उनपर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। जन्म के एक-दो माह बाद इतना दुर्बल हो गया कि उसके बचने की आशा ही बहुत कम रह गई थी। माता-पिता इससे अत्यन्त चिन्तित हुए। उन्हें लगा कि कहीं यह बच्चा भी पहले बच्चे की तरह ही चल न बसे। इस पर लोगों ने कहा कि सम्भवतः घर में ही कोई बच्चों का रोग प्रवेश कर गया है। इसके लिए उन्होंने उपाय सुझाया। बताया गया कि एक बिल्कुल सफेद खरगोश बालक के चारों ओर घुमाकर छोड़ दिया जाए। यदि बालक को कोई रोग होगा तो खरगोश तुरन्त मर जायेगा। माता-पिता बालक की रक्षा के लिए कुछ भी करने को तैयार थे, अतः ऐसा ही किया गया। आश्चर्य की बात कि खरगोश तुरन्त मर गया। इसके बाद बच्चे का स्वास्थ्य दिन पर दिन सुधरने लगा। यही बालक आगे चलकर प्रसिद्ध क्रान्तिकारी अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल के नाम से प्रसिद्ध हुआ। बिस्मिल के दादा जी नारायण लाल का पैतृक गाँव बरबाई था। यह गाँव तत्कालीन ग्वालियर राज्य में चम्बल नदी के बीहड़ों के बीच स्थित तोमरघार क्षेत्र के मुरैना जिले में था और वर्तमान में यह मध्य प्रदेश में है। 18 वर्ष की आयु में , गलत संगत में पड़ गए एवं सिगरेट पीना, भाँग पीना, इत्यादि नशा करना शुरू कर दिया। लेकिन आर्य समाज के संपर्क में आकर गलत आदतों से बच गए और मातृभूमि से प्रेम हो गया और उसके बाद उन्होंने उर्दू भाषा में मिडिल की परीक्षा उत्तीर्ण न होने पर अंग्रेजी पढ़नी शुरू की। साथ ही पड़ोस के एक पुजारी ने रामप्रसाद को पूजा-पाठ की विधि बतानी शुरू की। पुजारी के उपदेशों के कारण रामप्रसाद पूजा-पाठ के साथ ब्रह्मचर्य का पालन करने लगे। इससे उनके शरीर में अप्रत्याशित परिवर्तन हो चुका था, वह नियमित पूजा-पाठ में समय व्यतीत करने लगे थे। एक दिन उनकी मुलाकात मुंशी इन्द्रजीत से हुई। जिन्होंने रामप्रसाद को आर्य समाज के सम्बन्ध में बताया और स्वामी दयानन्द सरस्वती की लिखी पुस्तक ह्लसत्यार्थ प्रकाशह्व को पढ़ने की प्रेरणा दी। उस पुस्तक के गम्भीर अध्ययन से रामप्रसाद के जीवन पर आश्चर्यजनक प्रभाव पड़ा।

वर्ष 1915 में, जब उन्हें आर्य समाज के संस्थापक भाई परमानन्द की फाँसी का समाचार मिला तो उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य को नष्ट करने की प्रतिज्ञा ली। रामप्रसाद ने पं॰ गेंदालाल दीक्षित के मार्गदर्शन में मातृवेदी नामक एक संगठन का गठन किया। इस संगठन की ओर से एक इश्तिहार और एक प्रतिज्ञा भी प्रकाशित की गई। संगठन के लिए धन एकत्र करने के उद्देश्य से रामप्रसाद ने जून 1918 में दो तथा सितम्बर 1918 में एक; कुल मिलाकर तीन डकैतियां डालीं। मैनपुरी डकैती में शाहजहाँपुर के तीन युवक शामिल थे, जिनके सरदार रामप्रसाद बिस्मिल थे, किन्तु वे पुलिस के हाथ नहीं आए, वह तत्काल फरार हो गए। जिसके चलते स्थानीय पुलिस द्वारा उनके खिलाफ गिरफ्तारी का नोटिस जारी किया गया। पं॰ गेंदालाल दीक्षित ने मैनपुरी षडयन्त्र में बिस्मिल के मार्गदर्शन में 7 मार्च 1925 को बिचपुरी और 24 मई 1925 को द्वारकापुर में दो राजनीतिक डकैतियां डालीं। परन्तु उन्हें कुछ विशेष धन प्राप्त नहीं हो सका। इन दोनों डकैतियों में एक-एक व्यक्ति की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। अन्ततः उन्होंने यह निश्चय किया कि वे अब केवल सरकारी खजाना ही लूटेंगे,क्योंकि ऐ खजाना भारत के शोषित मजदूर व किसने के अवैध रूप से थोपे गए कर थे अतः ऐ शोषण उन्हें बिलकुल पसन्द नहीं था किसी भी रईस के घर डकैती बिल्कुल न डालेंगे। 9 अगस्त 1925 को बिस्मिल के नेतृत्व में कुल 10 लोगों ने काकोरी रेलवे स्टेशन से सरकारी खजाने की लूट की। ब्रिटिश सरकार ने इस ट्रेन डकैती को गम्भीरता से लेते हुए, इसकी जाँच डी॰ आई॰ जी॰ के सहायक (सी॰ आई॰ डी॰ इंस्पेक्टर) मिस्टर आर॰ ए॰ हार्टन को सौंप दी। वर्ष 1916 के कांग्रेस अधिवेशन में स्वागताध्यक्ष पं॰ जगत नारायण मुल्ला के आदेश की धज्जियाँ बिखेरते हुए, रामप्रसाद ने जब लोकमान्य बालगंगाधर तिलक की पूरे लखनऊ शहर में शोभायात्रा निकाली, तो सभी नवयुवकों का ध्यान उनकी दृढता की ओर आकर्षित हुआ। बिस्मिल की एक विशेषता यह भी थी कि वे किसी भी स्थान पर अधिक दिनों तक ठहरते नहीं थे। पलायन के दिनों में, उन्होंने वर्ष 1918 में प्रकाशित अंग्रेजी पुस्तक ह्लदि ग्रेण्डमदर ऑफ रसियन रिवोल्यूशनह्व का हिन्दी अनुवाद किया। बिस्मिल ने शाहजहाँपुर में ह्लभारत सिल्क मैनुफैक्चरिंग कंपनीह्व में एक प्रबंधक के रूप में कार्य किया। उसके बाद उन्होंने सदर बाजार में बनारसीलाल के साथ रेशमी साड़ियों का व्यापार करना शुरू किया। वर्ष 1921 में, उन्होंने अहमदाबाद कांग्रेस अधिवेशन में पूर्ण स्वराज के प्रस्ताव पर मौलाना हसरत मोहनी का भरपूर समर्थन किया था।

कैसी आजादी के पक्षधर हैं हम?

-योगेश कुमार गोयल

15 अगस्त का दिन प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरव का दिन है क्योंकि इसी दिन भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी। स्वतंत्रता दिवस को लेकर देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में एक अलग ही जज्बा और उत्साह समाहित रहता है। हालांकि वर्षों की गुलामी के बाद गुलामी की इन जंजीरों से मिली आजादी को हम किस रूप में संजोकर रख पा रहे हैं, वह सभी के समक्ष है। देश को आजाद हुए पूरे 77 बरस हो चुके हैं लेकिन आजादी के इन 77 वर्षों में लोकतंत्र के पवित्र स्थल संसद और विधानसभाओं के हालात साल दर साल किस कदर बदले हैं, वह भी किसी से छिपा नहीं है, जहां अभद्रता की सीमा पार करते जनप्रतिनिधि अभद्रता की हर हद पार करते नजर आते हैं। प्रतिवर्ष जब देश की स्वतंत्रता के साथ-साथ राष्ट्र की आन-बान और शान के प्रतीक तिरंगे के नीचे खड़े होकर बहुत से ऐसे जनप्रतिनिधियों को भी देश की रक्षा व प्रगति का संकल्प लेते देखते हैं, जो वर्षभर सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि आखिर ऐसी संकल्प अदायगी से देश को हासिल क्या होता है? आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, आजादी की उसकी तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है लेकिन महिलाओं से दुर्व्यवहार की घटनाएं जिस प्रकार लगातार बढ़ रही हैं और समाज में अपराधों की तादाद भी बढ़ रही है, ऐसे में देश की गुलामी का दौर देख चुके कुछ बुजुर्ग तो अब कहते सुने भी जाते हैं कि गुलामी के दिन आज की इस आजादी से कहीं बेहतर थे, जहां अपराधों को लेकर मन में भय व्याप्त रहता था किन्तु कड़े कानून बना दिए जाने के बावजूद अपराधियों के मन में अब किसी तरह का भय नहीं दिखता। देश के कोने-कोने से सामने आते अबोध बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के बढ़ते मामले आजादी की बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश कर रहे हैं। देश में महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है, मध्यम वर्ग के लिए जीवनयापन दिनों-दिन मुश्किल होता जा रहा है, आतंकवाद की घटनाएं पग पसार रही हैं, आरक्षण की आग रह-रहकर देश को जलाती रहती है। ऐसे हालात निश्चित तौर पर देश के विकास के मार्ग में बाधक बनते हैं। हर कोई सत्ता के इर्द-गिर्द ही अपनी-अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकता नजर आ रहा है, कहीं कोई सत्ता बचाने में लगा है तो कहीं कोई इसे गिराने के प्रयासों में। संसद और विधानसभाओं में हंगामेदार तस्वीरें तो अब कोई नई बात नहीं रह गई है। आजादी के बाद सामाजिक और आर्थिक पहलू पर देश में कमजोर तबके का स्तर सुधारने की नीयत से लागू आरक्षण के राजनीतिक रूप ने देश को आज उस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां समूचा राष्ट्र रह-रहकर जातीय संघर्ष के बीच उलझता दिखाई देता है। स्वार्थपूर्ण राजनीति ने माहौल को इस कदर विकृत कर दिया है, जहां से निकल पाना संभव ही नहीं दिखता। आजादी के बाद के इन साढ़े सात दशकों में महंगाई, भ्रष्टाचार और अपराध इस कदर बढ़ गए हैं कि आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। भले ही भ्रष्टाचार पर नकेल कसे जाने के कितने ही ढ़ोल क्यों न पीटे जाते रहें किन्तु वास्तविकता यही है कि आज भी अधिकांश जगहों पर बिना लेन-देन के कार्य सम्पन्न नहीं होते। बड़े नेताओं की तो छोड़ दें, छुटभैया नेताओं की भी चांदी हो चली है। आजादी के बाद लोकतंत्र के इस बदलते स्वरूप ने आजादी की मूल भावना को बुरी तरह तहस-नहस कर डाला है।

आज का राशिफल

मेष आज करियर के मामले में दिन मिलाजुला रहेगा और आपके भाग्य में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा।	**तुला** आज कार्य कार्यक्षेत्र में आपकी धाक जमेगी व एक के बाद एक मामले सुलझते चले जायेंगे।
वृषभ दिन सावधानी से बिताने का है। किसी मामले में अधिक उत्साह से आपका नुकसान हो सकता है।	**वृश्चिक** जटिल कार्य पूर्ण हो जाएंगे। उलझनों के कारण सिरदर्द की आकांक्षा रहेगी।
मिथुन दिन करियर और कारोबार के मामले में मिलाजुला रहेगा। आपको मान सम्मान की प्राप्ति होगी।	**धनु** आज लाभ और सफलता का दिन है और आपके जीवन में नई ऊर्जा का संचार होगा।
कर्क किसी कार्य को पूरा करने के लिए कहीं दूर की यात्रा पर भी आपको जाना पड़ सकता है।	**मकर** आज भाग्य में वृद्धि होगी और पराक्रम में वृद्धि होने से मन काफी प्रसन्न रहेगा।
सिंह आपके सभी कार्य बनते नज़र आएंगे। अच्छे दिनों का संयोग मन को प्रफुल्लित करेगा।	**कुंभ** काम करने की जरूरत है। किसी पर व्यर्थ के संदेह और तर्क वितर्क में समय और धन की हानि होगी।
कन्या हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी। उत्सव और त्योहार में सम्मिलित होने के अवसर प्राप्त होंगे।	**मीन** आज लाभकारी समय है। आपको अच्छे व्यवहार से सब कुछ हासिल होगा। जटिलताएं खत्म होंगी।

विशेष

सजनी भई कोतवाल, तो फिर डर काहे का

माधवी बुच सेबी की पूर्णकालिक सदस्य और बाद में सेबी की चेयरपर्सन बन गई। सेबी के सदस्य बनते ही माधवी के साथ-साथ उनके पति धवल बुच की किस्मत भी चमक गई। पत्नी ने अपने सारे शेयर पति के नाम ट्रांसफर कर दिए। ब्लैक स्टोन कंपनी का सलाहकार पति को बनवा दिया। ब्लैक स्टोन की सहयोगी कंपनियों को भारत के शेयर बाजार में आईपीओ लाने की अनुमति दे दी। सेल कंपनियों के माध्यम से पति ने भी भारत के शेयर बाजार में भारी निवेश किया। पति-पत्नी दोनों हाथों से देश और विदेश में कमाई करने लगे। सजनी जब कोतवाल हो जाए तो फिर सैंया जी को कौन रोक सकता है। इसका खुलासा हिडनबर्ग की रिपोर्ट में हो गया है।

मोदी-अडानी, भाई-भाई

राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने सदन के अंदर मोदी अडानी भाई-भाई के नारे लगाए थे। उसके बाद उन्हें ईड़ी के अधिकारियों ने जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया था। बहुत कोशिश करने के बाद 6 माह के पश्चात सबूत के अभाव में संजय सिंह जेल से बाहर निकाल पाए। अब संजय सिंह को मौका मिला है। एक बार फिर वह मोदी= अडानी,भाई-भाई के नारे लगाकर अडानी और मोदी पर हमला करने का कोई मौका नहीं चूक रहे हैं। समय बदलता है, तो सारी चीजें बदल जाती हैं। संजय सिंह कहते थे, भगवान के घर देर है,अंधेर नहीं। देर से ही सही भगवान ने, संजय सिंह को एक मौका तो दे ही दिया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1744: प्रसिया नरेश प्रेडेरिक द्वितीय के हमले के बाद दूसरो सिलेशियन युद्ध शुरू हुआ था. 1769 :नेपोलियन बोनापार्ट का जन्म. 1771: स्काटिश उपन्यासकार वाल्टर स्काट का जन्म. 1834: ब्रिटिश संसद ने दक्षिण अफ्रीका अधिनियम पारित किया. 1854: ईस्ट इंडिया रेलवे ने कलकत्ता से हुगली तक पहली बार रेलगाड़ी चलाई. 1906: चीन और ब्रिटेन के बीच तिब्बत के बारे में समझौता हुआ था. 1947: भारत स्वतंत्र हुआ और 'परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र सम्मान वीर सैनिकों के लिए शुरू किए गए. 1961: पूर्वी जर्मनी ने बर्लिन की दीवार का निर्माण कार्य शुरू किया. 1972: डाक विभाग ने पिन कोड व्यवस्था लागू की थी. 1982: टेलीविजन से राष्ट्रव्यापी रंगीन प्रसारण शुरू हुआ. 1999: नेपाल में बाढ़ तथा भूस्खलन से कम से कम 112 लोगों की मृत्यु।

दैनिक पंचांग

15 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	05.47 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कन्या	07.59 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	10.10 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	12.24 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	14.40 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	16.45 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	18.32 बजे से
राहु	मीन में	मीन	20.05 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	21.35 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृष	23.15 बजे से
		मिथुन	01.13 बजे से
		कर्क	03.27 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 228 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि दशमी 10.27 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 12.53 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 14.58 बजे को समाप्त।
करण गर 10.27 बजे तदनन्तर वणिज 22.10 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर $13^{\circ} 57'$
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872072
जूलियन दिन 2460537.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 10
विशेष भड़ली नवमी, स्वतंत्रता दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

15 अगस्त 1947 को भारत के निवासियों ने लाखों कुर्बानियाँ देकर ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। यह राष्ट्रीय त्यौहार भारत के गौरव का प्रतीक हैं। इसी महान दिन की याद में भारत के प्रधानमंत्री प्रत्येक वर्ष लाल किले की प्राचीर से देश को सम्बोधित करते हैं।

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त

15 अगस्त 1947, वह दिन था जब भारत को ब्रिटिश राज से आजादी मिली और इस प्रकार एक नए युग की शुरूआत हुई जब भारत के मुक्त राष्ट्र के रूप में उठा। स्वतंत्रता दिवस के दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र, भारत के जन्म का आयोजन किया जाता है और भारतीय इतिहास में इस दिन का अत्यंत महत्व है। भारतीय स्वतंत्रता के संघर्ष में अनेक अध्याय जुड़े हैं जो 1857 की क्रांति से लेकर जलियांवाला बाग नरसंहार, असहयोग आंदोलन से लेकर नमक सत्याग्रह तक अनेक हैं। भारत ने एक लंबी यात्रा तय की है जिसमें अनेक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय अभियान हुए और इसमें उपयोग किए गए दो प्रमुख अस्त्र थे सत्य और अहिंसा।

हमारी स्वतंत्रता के संघर्ष में भारत के राजनैतिक संगठनों के व्यापक रंग, उनकी दर्शन धारा और आंदोलन शामिल हैं जो एक महान कारण के लिए एक साथ मिलकर चले और ब्रिटिश उप निवेश साम्राज्य का अंत हुआ और एक स्वतंत्र राष्ट्र का जन्म हुआ। यह दिन हमारी आजादी का जश्न मनाने और उस सभी शहीदों को श्रद्धाजलि देने का अवसर जिन्होंने इस महान कारण के लिए अपने जीवन का बलिदान कर दिया। स्वतंत्रता दिवस पर प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रीयता, भाई चारे और निष्ठा की भावना भर जाती है।

14 अगस्त 1947 को सुबह 11.00 बजे संघटक सभा ने भारत की स्वतंत्रता का समारोह आरंभ किया, जिसे अधिकारों का हस्तांतरण किया गया था। जैसे ही मध्यरात्रि की घड़ी आई भारत ने अपनी स्वतंत्रता हासिल की और एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया। यह ऐसी घड़ी थी जब स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने नियति के साथ भेंट ट्रिस्ट विद डेस्टिनी नामक अपना प्रसिद्ध भाषण दिया। आज महात्मा गॉधी, नेताजी सुभास चंद्र बोस जैसे कई वीरों के कारण ही हमारा देश स्वतंत्र हो पाया है।

पूरे देश में अनूठे समर्पण और अपार देशभक्ति की भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रपति द्वारा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधन दिया जाता है। इसके बाद अगले दिन दिल्ली में लाल किले पर तिरंगा झंडा फहराया जाता है। राज्य स्तरों पर हम विशेष स्वतंत्रता दिवस समारोह देखते हैं, जिसमें झण्डा आरोहण समारोह, सलामी और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ये आयोजन राज्य की राजधानियों में किए जाते हैं और आम तौर पर उस राज्य के मुख्य मंत्री कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हैं। छोटे पैमाने पर शैक्षिक संस्थानों में, आवासीय संघों में, सांस्कृतिक केन्द्रों तथा राजनैतिक सभाओं में भी इनका आयोजन किया जाता है।

एक अन्य अत्यंत लोकप्रिय गतिविधि जो स्वतंत्रता की भावना का प्रतीक है और यह है पतंगें उड़ाना (ज्यादातर गुजरात में)। आसमान में हज़ारों रंग बिरंगी पतंगें देखी जा सकती हैं, ये चमकदार पतंगें हर भारतीय के घर की छतों और मैदानों में देखी जा सकती हैं और ये पतंगें इस अवसर के आयोजन का अपना विशेष तरीका है।

स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं का योगदान

1857 की क्रांति के बाद हिंदुस्तान की धरती पर हो रहे परिवर्तनों ने जहाँ एक ओर नवजागरण की जमीन तैयार की, वहीं विभिन्न सुधार आंदोलनों और आधुनिक मूल्यों और रौशनी में रूढ़ीवादी मूल्य टूट रहे थे, हिंदू समाज के बंधन ढीले पड़ रहे थे और स्त्रियों की दुनिया चूल्हे-चौके से बाहर नए आकाश में विस्तार पा रही थी।

इतिहास साक्षी है कि एक कट्टर रूढ़ीवादी हिंदू समाज में इसके पहले इतने बड़े पैमाने पर महिलाएँ सड़कों पर नहीं उतरी थीं। पूरी दुनिया के इतिहास में ऐसे उदाहरण कम ही मिलते हैं। गाँधी ने कहा था कि हमारी माँओं-बहनों के सहयोग के बगैर यह संघर्ष संभव ही नहीं था। जिन महिलाओं ने आजादी की लड़ाई को अपने साहस से धार दी, उनका जिक्र यहाँ लाजिमी है।

कस्तूरबा गाँधी : गाँधी ने बा के बारे में खुद स्वीकार किया था कि उनकी दृढ़ता और साहस खुद गाँधीजी से भी उन्नत थे। महात्मा गाँधी की आजीवन संगिनी कस्तूरबा की पहचान सिर्फ यह नहीं थी आजादी की लड़ाई में उन्होंने हर कदम पर अपने पति का साथ दिया था, बल्कि यह कि कई बार स्वतंत्र रूप से और गाँधीजी के मना करने के बावजूद उन्होंने जेल जाने और संघर्ष में शिरकत करने का निर्णय लिया। वह एक दृढ़ आत्मशक्ति वाली महिला थीं और गाँधीजी की प्रेरणा भी।

विजयलक्ष्मी पंडित : एक संपन्न, कुलीन घराने से ताल्लुक रखने वाली और जवाहरलाल नेहरू की बहन विजयलक्ष्मी पंडित भी आजादी की लड़ाई में शामिल थीं। सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने के कारण उन्हें जेल में बंद किया गया था। वह एक पढ़ी-लिखी और प्रबुद्ध महिला थीं और विदेशों में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया था। भारत के राजनीतिक इतिहास में वह पहली महिला मंत्री थीं। वह संयुक्त राष्ट्र की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष थीं। वह स्वतंत्र भारत की पहली महिला राजदूत थीं, जिन्होंने मास्को, लंदन और वॉशिंगटन में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

अरुणा आसफ अली : हरियाणा के एक रूढ़िवादी बंगाली परिवार से आने वाली अरुणा आसफ अली ने परिवार और स्त्रीत्व के तमाम बंधनों को अस्वीकार करते हुए जंग-ए-आजादी को अपनी कर्मभूमि के रूप में स्वीकार किया। 1930 में नमक सत्याग्रह से उनके राजनीतिक संघर्ष की शुरुआत हुई। अँग्रेज हुकूमत ने उन्हें एक साल के लिए जेल में कैद कर दिया। बाद में गाँधी-इर्विंग समझौते के बाद जब सत्याग्रह के कैदियों को रिहा किया जा रहा था, तब भी उन्हें रिहा नहीं किया गया।

ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 9 अगस्त, 1942 को अरुणा आसफ अली ने गोवालिया टैंक मैदान में राष्ट्रीय झंडा फहराकर आंदोलन की अगुवाई की। वह एक प्रबल राष्ट्रवादी और आंदोलनकर्मी थीं।

उन्होंने लंबे समय तक भूमिगत रहकर काम किया। सरकार ने उनकी सारी संपत्ति जब्त कर ली और उन्हें पकड़ने वाले के लिए 5000 रु. का ईनाम भी रखा। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस की मासिक पत्रिका 'इंकलाब' का भी संपादन किया। 1998 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

मातृभूमि जय हे!

हिरण्यगर्भे! जगद-अंबिके!
मातृभूमि! जय हे!
अमरनाथ से रामेश्वर तक,
सोमनाथ से भुवनेश्वर तक।
मेघालय - बंगाल - चेन्नई,
अंदमान, गोआ-परिसर तक।
शस्य-श्यामला, प्राणदायिनी!
पुण्य भूमि! जय हे!
है पीयूष-वारि की धारा,
सूर्य-सोम ने जिसे दुलारा।
पवन प्राण देता नव पल-पल,
षड ऋतुओं ने सदा सँवारा।
रज सिंदूर अर्गजा जैसी,
देवभूमि! जय हे!
अंतरिक्ष, मेदिनी, वनस्पति,
देती जिसको शांति नित्यप्रति।
आदि- स्थान विद्या का, देता
ज्ञान विज्ञान बृहस्पति।
वेदों की अवतार मही,
ऋषि-वृंद-भूमि जय हे!
गंगा- गोदावरी- नर्मदा,
देती जीवन-दान सर्वदा।
मांधाता, विक्रमादित्य, सुर-प्रिय
अशोक की शौर्य-संपदा।
राम-कृष्ण-गौतम-गांधी की,
कर्म भूमि! जय हे!
जहाँ विविध विचार-धारायें,
जीवन को सार्थक बनाएँ।
अनेकता में ऐक्य, ऐक्य में
अनेकता का पाठ पढ़ाएँ।
एक चित्त सब एक प्राण,
आदर्श भूमि! जय हे!
अकथनीय है गौरव-गरिमा,
गा न सके कोई कवि महिमा।
कोटि-कोटि प्राणों में बसती,
तेरी रम्य रूप-छवि-प्रतिमा।
अनुपमेय, अनवद्य, अपरिमित,
धर्म-भूमि! जय हे!
पूजें आबू-विंध्य-हिमाचल,
पाँव पखारे सागर का जल।
ममता का मधु-कोष सदा
बरसाते हैं लहराते बादल।
आभामयी मुक्ति-पथ-दात्री,
पितृ-भूमि! जय हे!
है गीर्वाण धरित्री पावन,
जन-कल्याण मही मनभावन।
देती है आदेश प्रेम का,
ऋषि-निर्वाण-स्थली सुहावन।
स्वर्गादपि गरीयसी अनुपम,
जन्म भूमि! जय हे!

राजीव त्रिपाठी, भोपाल

तिरंगा कह रहा है ...

लहरा रहा है मदमस्त हो कर
पर नम इसका कोई कोना है,
देख हमको, तिरंगा कह रहा
कोई इसकी, अधूरी कामना है
गुलामी के चंगुल से मुक्त हुआ
कुर्बानी दे कर इसको छीना है
पर जो दिखाए थे इसको सपने
उनको अभी साकार होना है
आज भी है दर्द बाकी कहीं तो ,
फिर दिलों को संग सीना है
तिरंगे पर गर्व तो है सबको
पर इसे आसमां अभी छूना है
हर ललाट में तेज केसरिया,
श्वेत सुकून हर घर में होना है
हरी हरीतिमा हिय-आँगन में
गतिमान चक्र सा होना है
ऋचाए आज गाना चाहती हैं
आयतों का सुर ताल होना है
गुरुवाणी के पाठों, गिरजों का
संग एक बड़ा परिवार होना है
साँसों में, गर्मी की है जरुरत
कुछ लहू फिर कुर्बान होना है
वतन हमसे फिर कुछ मांगता है
हृदय में अब नव ज्वार होना है
अपने उन्मुक्त तिरंगे के साये में
मिलजुल कर सबको जीना है
आजाद हुए हम बरसों पहले
पर अभी नया सवेरा होना है

निपुण पाण्डेय अपूर्ण

हम गुलाम क्यूं हैं

ध्यान रखो कि राष्ट्र झोपड़ियों में बसता है। किसान, जूते बनाने वाले, मेहतर, और भारत के ऐसे ही निचले वर्गों में तुमसे कहीं ज्यादा काम करने और स्वावलंबन की क्षमता है। वे लोग युग-युग से चुपचाप काम करते रहे हैं। वे ही हैं, जो इस देश की समस्त संपदा के उत्पादक हैं। फिर भी उन्होंने कभी शिकायत नहीं की। ऐसा दिन शीघ्र ही आने वाला है, जब उनका दर्जा तुमसे ऊपर होगा। धीरे-धीरे पूँजी उनके हथों में आ रही है। आधुनिक शिक्षा ने तुम लोगों का फैशन ही बदल दिया है। कितनी ही संपदा अनखोजी पड़ी हुई है, क्योंकि तुममें उसके अन्वेषण की क्षमता नहीं है। तुम लोगों ने अब तक इस जनता को दबाया है, अब उनकी बारी है और तुम लोग रोजगार की तलाश में भटकते-भटकते नष्ट हो जाओगे, क्योंकि यही तुम्हारे जीवन का सर्वस्व बन गया है। जब भी मैं गरीबों के बारे में सोचता हूँ तो मेरा हृदय पीड़ा से कराह उठता है। बचने या ऊपर उठने का उनके पास कोई अवसर नहीं है। वे लोग हर दिन नीचे, और-और नीचे धँसते जाते हैं। वे निर्दयी समाज के वारों को निरंतर झेलते जाते हैं। वे यह भी नहीं जानते कि उन पर कौन वार कर रहा है, कहाँ से वार हो रहे हैं। वे यह भी भूल चुके हैं कि वे स्वयं भी मनुष्य हैं। इन सबका परिणाम है - गुलामी।

आजादी के बाद से हमारे देश में राजनीतिक पार्टियों, राजनेताओं व नौकरशाहों के चरित्र और नैतिक मूल्यों में लगातार गिरावट ने दर्शाया है कि धृतराष्ट्र का कुर्सी प्रेम किन-किन विचित्र खेलों को जन्म देता है। चुनाव लड़ना अब हिंसा, धन और बाहुबल का खेल होकर रह गया है।

भारत माता की पीड़ा कौन समझेगा

ताकत भारत की

- लगातार बढ़ती अर्थव्यवस्था
- बढ़ती सामयिक क्षमता
- विश्व में सबसे अतधिक न्यूज चैनलों वाला देश
- नॉलेज हब के रूप में उदीयमान
- वैश्विक परिदृश्य में मजबूत मौजूदगी
- विश्व की सबसे युवा कार्य-शक्ति
- अपार सौरऊर्जा का भंडार
- नदियों और खनिज संपदाओं से युक्त देश
- उत्पादों की गुणवत्ता की विश्व में शाख
- विज्ञान के क्षेत्र में नित नई प्रगति
- दुनिया का सबसे बड़ा अर्द्धसैनिक बल नेटवर्क
- आईआईएम और आईआईटी जैसे शिक्षण संस्थान जिनके छात्रों की विश्व भर में धूम
- सॉप्टवेयर व सेवा-क्षेत्रों में भारत दुनिया में आगे
- सबसे अधिक 35 लाख विद्यार्थियों का नामांकन करने वाला विश्वविद्यालय इग्नू भारत में
- भारत की मुंबई उपनगरीय रेलवे रोजाना यातायात में प्रतिदिन 72 लाख यात्रियों के साथ विश्व का दूसरा सबसे व्यस्त रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम है।

हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं में अपराधियों की भरमार होती जा रही है। क्या यही बापू के सपनों का भारत है? मंत्री, अफसर, धन्नासेठ सभी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हाथों की कठपुतली बने हुए हैं। कुल मिलाकर देश का भविष्य इन्हीं के हाथों में कैद होता जा रहा है।

तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा, के नारे, और संकल्प को साकार करने वाले नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसा दूसरा नेता आजादी के बाद देश में न होना दुर्भाग्य की बात है। अपने अतीत से सबक नहीं लेने वाले देशों का इतिहास ही नहीं, भूगोल भी बदल जाता है। आज देश में धीरे-धीरे ही सही आजादी के पहले की स्थिति येन-केन-प्रकारेण निर्मित होती दिख रही है।

लेकिन, सत्ता में काबिज राजनेताओं की आंखों पर राजनीतिक स्वार्थ की पट्टी बंधी हुई है। वे तो बस अपना घर भरने और कुर्सी बचाने में ही अपनी शक्ति लगा रहे हैं। वहीं, विपक्षी राजनेताओं का एक सूत्री कार्यक्रम है कि उन्हें सत्ता कैसे हासिल हो?

इन दो पाटों के बीच में आम जनता पिस रही है और मां भारती खून के आंसू बहा रही है। वो बिलख-बिलख कर कह रही हैं कि कहां हैं मेरे प्यारे महात्मा गांधी, बच्चों के चाचा जवाहरलाल नेहरू, आजादी के दीवाने सुभाषचंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, भगतसिंह ....? जिन्होंने मुझे अंग्रेजों की कैद से तो आजादी दिला दी, लेकिन अपनों के हाथों घुट-घुटकर जीने को छोड़ दिया।

अरे, मेरे बच्चों कोई तो मेरे इन लालों के आदर्शों पर चलो, उनके स्वप्नों को साकार करो। जीवनभर उनके बताए मार्गों पर नहीं चल सकते तो दो-चार कदम ही बढ़ो। इतने में ही मेरा मान-सम्मान बढ़ सकेगा और मेरे ऊपर आए नक्सलवाद, आतंकवाद, दंगा, महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, अशिक्षा, धर्म, भाषा व क्षेत्रवाद, गैंगरेप, तेजाब से जल रही हैं बहन बेटियों की मुसीबतें टल जाएंगी।

हम तो पानी भी खरीदकर पी रहे हैं देशवासियों के सामने एक प्रश्न यह भी है कि आखिर हम क्यों पी रहे हैं, पानी खरीदकर? प्रकृति प्रदत्त हवा, पानी पर तो सभी का समान अधिकार है। फिर कौन लोग हैं जो पानी बेच रहे हैं? लोग आखिर क्यों खरीद रहे हैं,पानी ? सरकार क्या कर रही हैं।

जीने के लिए दो जून की रोटी की जरूरत तो सभी को है, लिहाजा कुछ लोग गरीबी, भुखमरी, तंगहाली के चलते तो कुछ पैसे कमाने की खातिर खून बेचने, खरीदने का धंधा कर रहे हैं।

अब पानी का व्यवसाय फल-फूल रहा है। ऐसी स्थिति में वह दिन दूर नहीं जब सांस लेने के लिए हवा खरीदनी पड़ेगी? आखिर लोग विरोध क्यों नहीं करते?

देश में प्रजातंत्र है। सरकार जनता की है। जनता के लिए है, और जनता ने ही चुनी है। तो फिर ऐसी सरकार की जरूरत क्यों है, जिनके राज में पानी खरीद कर पीना पड़े, शुद्ध हवा भी न मिले, दो जून की रोटी के लिए खून बेचना पड़े? अगर समय रहते केंद्र और राज्य सरकारों की आंखें नहीं खोली गईं तो वह दिन दूर नहीं जब सांस लेने के लिए भी अनुमति लेनी पड़ेगी?

अब देश में ऐसी कौन सी चीज बची है जो नहीं बिकतीं? स्वयंभू धर्माचारी, राजनेता, अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी, उद्योगपति बिके हुए हैं, पुलिस व कथित तौर पर न्यायाधीश पर भी बिकने का आरोप है।

ऐसे हालात में क्या देश का कोई नागरिक गर्व से यह कह सकता है कि वह देवताओं की भूमि भारतवर्ष में रहता है, जहां धर्म, कर्म, नैतिकता ही प्रधान रही क्या यह बलिदानी भगतसिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाषचंद्र बोस जैसे शूरवीर की भूमि है, महात्मा गांधी, महावीर, नानक, गौतम बुद्ध, कबीर जैसे संत-महात्माओं की कर्मभूमि है?

जरा सोचिए! कहते हैं एक व्यक्ति से बड़ा परिवार, परिवार से बड़ा समाज और समाज से बड़ा देश होता है। विपत्ति के समय परिवार के लिए खुद को, समाज के लिए परिवार को और देश के लिए समाज को कुर्बान कर देना चाहिए।

लेकिन, आज देश में ऐसा होते कहीं दिखाई नहीं देता? उल्टे ऐसे लोग हैं जो स्वयं को परिवार, समाज और देश से बड़ा समझने लगे हैं।

यदि ऐसा नहीं होता तो कोई राजनेता भ्रष्ट न होता, अधिकारी-कर्मचारी ईमानदार व कर्तव्यपरायण होते, व्यापारी, उद्योगपति देश की संपत्ति नहीं लूटते और जनता सरकारी संपत्ति की समुचित सुरक्षा करते, बात-बेबात पर आगजनी, तोड़फोड़ कभी न करते।

विकास के नारे लगाने वाले लोग क्या पैसे की चकाचौंध में अंधे हो गए हैं? जिन्हें लाखों भूखे, नंगे, अशिक्षित, भिखारी, गंदी बस्तियों व झोपड़पट्टियों में रहने वाले लोग, जंगलों में निवासरत आदिवासियों की दशा दिखाई नहीं देती। क्या ये भारत के वासी नहीं है?

समाज सेवा का क्षेत्र हो या धर्म-अध्यात्म अथवा राजनीति का, चारों ओर अवसरवादी, सत्तालोलुप, आसुरी वृत्ति के लोग ही दिखाई देते हैं।

मुश्किलें जो लांघनी हैं

- आसमान धन वितरण, महत्वपूर्ण आर्थिक प्रगति के बावजूद एक चौथाई आबादी की प्रतिदिन आय 20 रुपए से कम
- पिछले दो दशकों में हुए विभिन्न सांप्रदायिक तनाव और धर्म आधारित राजनीति विकास की राह में रोड़ा
- दुनिया भर में सबसे अधिक बाल श्रमिक भारत में
- भारतीय राज्य नक्सलवाद, उग्रवाद और अलगाववाद जैसी समस्याओं से घिरे
- यूनीसेफ के अनुसार दुनियाभर के कुपोषित बच्चों में तीन में से एक भारतीय शिशु होता है लगभग 50 प्रतिशत भारतीय बच्चों की मृत्यु का कारण कुपोषण
- भारत पर्यावरणीय समस्याओं से घिरा है। कहीं सूखा, कहीं बाढ़, घटते वन और वन्यजीव। अधिकतर नदियां जल प्रदूषण का शिकार

संसद और हमारा लोकतंत्र

गनीमत है कि संसद कुछ घंटे तो चलती है। अन्यथा आए दिनलोकतंत्र का जो संसदीय नजारा विभिन्न टीवी चैनलों के माध्यम से जनता के सामने आता है , वह बहुत उत्साह नहीं जगाता। सदन में कैमरा घूमता है तो अक्सर कोई न कोई माननीय ऊंघते नजर आते हैं।कुछ सांसद सीट छोड़ कर उठ खड़े होने , शोर मचाने और वेल की तरफ बढ़ने के लिए ऐसे तत्पर दिखाई देते हैं , मानो उनकी इसी के लिए ड्यूटी लगाई गई हो। सरकार के वरिष्ठ मंत्री आते हैं तो अपना वक्तव्य देते समय इस कदर गफलत में होते है। सीमा पर शहीद हो रहे हैं जवानों के विषय में भी सही जानकारी नहीं देते और बाद में सही करते हैं। विपक्षी बोलते पत्रकारों से कहती हैं कि सदन कैसे चलेगा यह हम (यानी उनकी पार्टी) तय करते हैं। ऐसा दावा तो अपने बहुमत के बावजूद सरकार भी नहीं कर सकती। सदन कोई एक पार्टी नहीं चलाती , वह सबका साझा मंच है। इसीलिए उसका महत्व सरकार से भी ज्यादा है। लेकिन संसदीय लोकतंत्र का इस्तेमाल हमारी राजनैतिक पार्टियां यह दिखाने के लिए कर रही हैं कि कौन उसको किस तरह से बंधक बनाए रख सकता है। जब विपक्ष सदन नहीं चलने देता और जब सत्ता पक्ष ध्वनि मत से अपने बिल पास कराता है , तो दोनों यही कर रहे होते हैं।

ख्वाब, जो पूरे करने हैं

- भोजन, वस्त्र और आवास का न हो कोई मोहताज
- आवश्यक चीजों की कीमत आमजन की पहुंच में हो
- वैज्ञानिक सोच का विकास
- प्रशिक्षण और रोजगार, हो इनके मौके सभी के पास
- हों स्वस्थ लोग, विकसित समाज
- धर्मरहित हो राजनीति
- परिवार से संसद तक लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास
- जाति मुक्त समाज हो, ऊंच-नीच का भेद मिटे
- विकास के हिंसक स्वरूप पर लगे रोक
- स्त्री पुरुष हों समान
- प्रतिभा पलायन पर लगे रोक
- अफसरशाही पर हो विराम
- सुनिश्चित हो पर्यावरण सुरक्षा
- हो भय मुक्त खुशहाल समाज
- बनें विकसित शहर, शिक्षित समाज
- बंद हो राजनीति का अपराधीकरण, माफियाकरण, परिवारीकरण और कॉर्पोरेटीकरण

स्वतंत्रता दिवस विशेष :

77 वर्षों में क्या खोया, क्या पाया?

देश आजादी की 78वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। महंगाई, भ्रष्टाचार, थोकबंद घोटाले, विदेशों में जमा अकूल कालाधन समेत कई ज्वलंत मुद्दे मुंहबाए खड़े हैं। लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री झंडा फहराएंगे और देश के कई मंत्री और जिम्मेदार पदों पर रह चुके गणमान्य नागरिक तिहाड़ जेल में बंद अपनी पेशी या पूछताछ की तारीख का इंतजार कर रहे होंगे। केंद्र सरकार का भ्रष्टाचार उजागर करता विपक्ष जो कि राज्यों में आसीन है, वह भी दूध का धुला नहीं है। कार्रवाई के नाम राजनीतिक दल मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों को बदल भी दिया गया तो इस बात की क्या ग्यारंटी रहती है कि आने वाला वह सब नहीं करेगा जोकि उसके पूर्ववर्ती ने किया। इन करणधारों पर हमने भरोसा करके शासन की बागडोर सौंपी है इनमें से आटे में नमक बराबर की संख्या ईमानदारों की है। लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद देश ने जो जनाधार केंद्रीय प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) को दिया और मजबूत विपक्ष सदन में बैठा। तो लोगों को शासन के ठीक ढंग से चलने की उम्मीद थी लेकिन विपक्ष अपनी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। यूपीए सरकार में जितने घोटाले हुए हैं उतने तो पूरे आजाद भारत में भी नहीं हुए। बैलेट के जरिये चुनकर सरकार बनी वहां तक तो लोकतंत्र था। लेकिन जब वही जनता आंदोलन करने के लिए देश में किसी जगह एकत्र होना चाहती है तो वहां सरकार को कानून स्थिति बिगड़ने की चिंता सताने लगती है।

जिम्मेदार व्यक्तियों का इस्तीफा मांगना आम बात हो गई है। सब रामभरोसे। या तो सभी कुछ गड़बड़ लगता है या फिर थोड़ी सी भी लोकतंत्र के प्रति आस्था रखें तो सभी कुछ ठीक चल रहा है। एक के फंदे से आपकी गर्दन निकली तो दूसरे ने जकड़ ली। जनता ने एक अयोग्य की जगह दूसरे को चुन लिया। शिक्षित युवा वर्ग राजनीति की चर्चा ही नहीं करना चाहता। पेशे के रूप में या देश सेवा के उद्देश्य से जिन्होंने इसे अपनाया होगा वह भी अब धीरे-धीरे चुक जाने की कगार पर हैं। संसद में आज भी बहुमत इन्हीं बुजुर्गों का है, मंत्रिमंडल में भी यही सफेद बाल वाले, मुरझाए चेहरे आपको ज्यादा मिलेंगे।

देश के लोकतंत्र को इन बुजुर्गों के अनुभव के साथ-साथ सबल और समर्थ कंधों की भी जरूरत है। तभी इस आजादी की रक्षा और आजादी का सदुपयोग बेहतर ढंग से किया जा सकता है।

हालांकि इसमें कोई दो राय नहीं है कि आजादी के बाद देश ने प्रत्येक क्षेत्र में उत्तरोत्तर विकास किया है लेकिन कुछ किंतु, परंतु के साथ तो क्यों न अब इन पर गौर कर इन्हें भी दूर कर दिया जाए।

आए दिन सरकारी अफसरों से लेकर चपरासी तक आय के ज्ञात स्रोतों से कई गुना अधिक धन मिलना। क्या कोई सरकारी विभाग दावा कर सकता है कि हमारा विभाग 100 फीसद भ्रष्टाचार से मुक्त है। स्वतंत्र भारत का स्वतंत्र नागरिक यह कौन सी आजादी की या गुलामी की कीमत चुका रहा है।

मील का पत्थर

- श्वेत क्रांति के पश्चात में भारत दुग्ध और दुग्ध उत्पादों का सबसे बड़ा निर्माता है
- स्टील, माइनिंग, टैलीकम्यूनिकेशंस, इंश्योरेंस, पावर प्लांट्स आदि के राष्ट्रीकरण ने आर्थिकी को मजबूत किया है।
- भारत ऑटोमोबाईल के क्षेत्र में दूसरा सबसे तेजी से वृद्धि करने वाला देश है और वाहन उत्पादन में दुनिया में सातवां
- कृषि उत्पादसन अनाज, तिलहन, दालें, फल व सब्जियां में भारत विश्व में द्वितीय स्थान पर है। मशालों और काजू का सबसे बड़ा निर्यातक है।
- 42 लाख किलोमीटर में फैला भारतीय रोड-नेटवर्क दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रोड़ नेटवर्क है।
- बीपीओ और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी तेजी से आगे अग्रणी टेक्नोलॉजी आउटसोर्सिंग की कंपनियों की सूची में सात भारतीय कंपनियां शामिल थीं।

कैसी है हमारी भारतीय ध्वज संहिता

तिरंगा फहराने के नियम

भारत का राष्ट्रीय झंडा, भारत की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिरूप है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। सभी के मार्गदर्शन और हित के लिए भारतीय ध्वज संहिता-2002 में सभी नियमों, रिवाजों,औपचारिकताओं और निर्देशों को एक साथ लाने का प्रयास किया गया है। ध्वज संहिता-भारत के स्थान पर भारतीय ध्वज संहिता-2002 को 26 जनवरी 2002 से लागू किया गया है।

झंडा फहराने का सही तरीका

- जब भी झंडा फहराया जाए तो उसे सम्मानपूर्ण स्थान दिया जाए। उसे ऐसी जगह लगाया जाए, जहां से वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे।
- सरकारी भवन पर झंडा रविवार और अन्य छुट्टियों के दिनों में भी सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाता है, विशेष अवसरों पर इसे रात को भी फहराया जा सकता है।
- झंडे को सदा स्फूर्ति से फहराया जाए और धीरे-धीरे आदर के साथ उतारा जाए। फहराते और उतारते समय बिगुल बजाया जाता है तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि झंडे को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए।
- जब झंडा किसी भवन की खिड़की, बालकनी या अगले हिस्से से आड़ा या तिरछा फहराया जाए तो झंडे को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए।
- झंडे का प्रदर्शन सभा मंच पर किया जाता है तो उसे इस प्रकार फहराया जाएगा कि जब वक्ता का मुंह श्रोताओं की ओर हो तो झंडा उनके दाहिने ओर हो।
- झंडा किसी अधिकारी की गाड़ी पर लगाया जाए तो उसे सामने की ओर बीचोंबीच या कार के दाईं ओर लगाया जाए।
- फटा या मैला झंडा नहीं फहराया जाता है।
- झंडा केवल राष्ट्रीय शोक के अवसर पर ही आधा झुका रहता है।
- किसी दूसरे झंडे या पताका को राष्ट्रीय झंडे से ऊँचा या ऊपर नहीं लगाया जाएगा, न ही बराबर में रखा जाएगा।
- झंडे पर कुछ भी लिखा या छपा नहीं होना चाहिए।
- जब झंडा फट जाए या मैला हो जाए तो उसे एकांत में पूरा नष्ट किया जाए।

क्या आप सड़क पर गंदगी फैलाते हैं?

इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए आपको अपनी आदतों का निष्पक्ष मुआयना करना होगा। पैदल, सड़क चलते कार का दरवाजा खोलकर पान की पिक थूकते हैं, गंदी पोलिथीन, गुटखे के पाउच और सिगरेट के टुकड़े जहां-तहां फेंकते हैं। ऐतिहासिक स्थलों पर कोयले या चॉक से प्रेम का इजहार करते हैं, किसी भी दीवार को बाथरूम समझ लेते हैं, घर का कूड़ा दूसरों के घर के सामने छोड़ आते हैं तो खुद ही जवाब दीजिए कि ऐसा कैसा प्यार है आपका जो अपने ही प्यारे देश को गंदा और अव्यवस्थित करने पर तुला है?

भारत के नए सपने

- नशामुक्ति
- कालेधन पर रोक
- सबसे लिए समान अवसर
- सशक्त लोकपाल
- राइट टू रीकॉल
- समुचित पर्यावरण नीति
- जीडीपी में हर तबके की भागीदारी
- श्रम कानूनों का समुचित इस्तेमाल
- सरकारी कामकाज में पारदर्शिता
- सम्यक कृषि नीति
- संस्कृति और शिक्षा पर अग्रगामी नीति
- शिक्षा का समान अधिकार
- देश में ही रोजगार के अपसर
- राष्ट्रीनिर्माण में सुनिश्चित भागीदारी
- व्यावसायिक संभावनाओं के नए क्षितिज
- स्वस्थ और जागरूक समाज का निर्माण

अगर आप इनमें से कोई या इससे मिलती-जुलती वह हरकत करते हैं जो सड़क को गंदा करती है तो आपको कोई हक नहीं सरकार की नाकामियों को कोसने का। आपको कोई हक नहीं व्यवस्था को गाली देने का और तो और आपको अपने देश को प्यार करने का भी हक नहीं है। फिर भी अगर आप अपने देश को चाहते हैं तो यह चाहत देश के लिए तो बेमानी है।

क्या आप रिश्वत देते या लेते हैं?

अपना काम जल्दी करवाने के लालच में आप पैसे देने से नहीं हिचकिचाते या आप खुद किसी काम को जल्दी करने के लिए ऊपरी आमदनी में विश्वास रखते हैं तो इस प्रश्न के उत्तर के साथ ही आपने अपने देश के सच्चे नागरिक होने का अधिकार खो दिया है। भ्रष्टाचार तमाम बुराइयों की जड़ है। लालच इस भ्रष्टाचार की जननी है।

हमें चाहिए नई आजादी

- आजादी अशिक्षा से
- आजादी कुपोषण से
- आजादी अन्याय से
- आजादी जातियों से
- आजादी भ्रष्टाचार से
- आजादी बीमारियों से
- आजादी बेरोजगारी से
- आजादी असुरक्षा से
- आजादी धर्माधता से
- आजादी दकियानूसी सोच से
- आजादी दहशत से
- आजादी बढ़ती मंहगाई से
- आजादी आजारदी गिरते समाजिक मूल्यों से
- आजादी बढ़ते प्रदूषण से
- आजादी लिंगभेद से

देश की थोक मुद्रास्फीति जुलाई में घटी

जून में 3.36 फीसदी के मुकाबले 2.04 प्रतिशत पर आई

नई दिल्ली, एजेंसी। खुदरा महंगाई दर के बाद अब थोक महंगाई के मोर्चे पर भी राहत भरी खबर है। देश की थोक महंगाई दर जुलाई में घटकर 2.04 प्रतिशत रह गई। सरकार की ओर से बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जून में 3.36 प्रतिशत थी।

उद्योग संवर्धन व आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'पर लिखा, डब्ल्यूपीआई पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर जुलाई 2024 में 2.04 फीसदी रही, जबकि जून 2024 में यह 3.36 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक के प्राथमिक उत्पादों की मुद्रास्फीति की वार्षिक दर जुलाई 2024 में 3.08 प्रतिशत रही, जबकि जून 2024 में यह 8.80 प्रतिशत थी। ईंधन व बिजली की मुद्रास्फीति की वार्षिक दर बढ़कर 1.72 प्रतिशत हो गई, जो जून 2024 में 1.03 प्रतिशत थी। डीपीआईआईटी के मुताबिक, थोक मूल्य सूचकांक के निर्मित उत्पाद की मुद्रास्फीति की वार्षिक दर जून 2024 में 1.43 प्रतिशत से बढ़ी थी। यह जुलाई 2024 में 1.58 प्रतिशत हो गई। थोक मूल्य सूचकांक में जुलाई में गिरावट इस महीने के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों अनुसार ही रही। इस सप्ताह की शुरुआत में जारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति पांच साल के निचले स्तर 3.54 प्रतिशत पर आ गई थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने महंगाई पर काबू में रखने के उद्देश्य से अगस्त महीने की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में नीतिगत ब्याज दरों को लगातार नौवीं बार 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया था।

बांग्लादेश में हिंसा के बाद अब महंगाई से बुरा हाल, मुद्रास्फीति दर 12 साल के उचतम स्तर पर पहुंची

पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन और राजनीतिक उथल-पुथल के बाद अब महंगाई से बुरा हाल है। बांग्लादेश के सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, जुलाई में मुद्रास्फीति की दर 11.66 प्रतिशत रही जो पिछले 12 वर्षों का उचतम स्तर है। यह स्थिति विवादास्पद नौकरी कोटा प्रणाली के विरोध में बड़े पैमाने पर हुए छात्रों के आंदोलन के कारण बनी है। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार जून महीने में बांग्लादेश में महंगाई दर 9.72 प्रतिशत थी। सोमवार को बांग्लादेश के सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है कि जुलाई में खाद्य मुद्रास्फीति 14.10 प्रतिशत और गैर-खाद्य मुद्रास्फीति 9.68 प्रतिशत के रिकॉर्ड उच स्तर पहुंच गई। जून में ये दरें क्रमशः 10.42 प्रतिशत और 9.15 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य मुद्रास्फीति दर का पिछला उच स्तर मई में 9.94 प्रतिशत था। बांग्लादेश में जुलाई महीने में भेदभावयुक्त आरक्षण प्रणाली के विरोध में छात्र सड़कों पर उतर आए थे। असंतुष्टों पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई ने विरोध को और भड़का दिया क्योंकि आंदोलनकारियों ने जल्द ही शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के इस्तीफे की मांग शुरू कर दी। देखते ही देखते इस आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया और सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। जुलाई के मध्य में शुरू हुए कोटा विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बाद से अब तक मरने वालों की संख्या 560 हो गई है। 5 अगस्त को 76 वर्षीय शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया और भारत पहुंच गई। इसके बाद पड़ोसी देश में अंतरिम सरकार का गठन किया गया। इसके प्रमुख 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस नियुक्त किए गए। जुलाई में कई दिनों तक कर्फ्यू और इंटरनेट बंद रहा, जिससे आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई और लोगों और व्यवसायों के सुचारू संचालन में बाधा आई। रेल और बंदरगाह सेवाएं भी प्रभावित हुईं। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार मास्टरकार्ड इकोनॉमिक इंस्टीट्यूट ने हाल ही में एक पूर्वानुमान में कहा कि देश को वित्त वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि और मुद्रास्फीति दोनों में गिरावट की उम्मीद है। एमईआई के अनुसार, देश की जीडीपी वृद्धि दर घटकर 5.7 प्रतिशत रह जाएगी, जबकि मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2024 में 9.8 प्रतिशत तक बढ़ने के बाद वित्त वर्ष 25 में घटकर 8 प्रतिशत पर पहुंचने का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

एमएससीआई ग्लोबल सूचकांक में भारत का भारांश रिकॉर्ड ऊंचाई पर, 25000 करोड़ का आएगा निवेश

बंगलूरू एजेंसी। उभरते बाजारों के शेयरों पर नजर रखने वाले एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड सूचकांक में भारत का भार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। इससे हमारे शेयर बाजारों में 3 अरब डॉलर (25,000 करोड़) का निवेश आ सकता है। भारत ने प्रमुख एमएससीआई सूचकांक पर चीन के अंतर को और कम कर दिया है। नुवामा ने मंगलवार को कहा, सूचकांक पर चीन का भार 24.8 फीसदी से घटकर 24.2 फीसदी हो जाएगा। भारत का भार 19.2 फीसदी से बढ़कर 19.8 फीसदी हो जाएगा। यह परिवर्तन 30 अगस्त को बाजार बंद होने के बाद होगा। नवंबर के अंत तक भारत का भार 20 फीसदी से अधिक हो सकता है। बेंचमार्क एनएसई निफ्टी 50 में सबसे भारी स्टॉक एचडीएफसी बैंक के भार में वृद्धि होगी। इससे 1.8 अरब डॉलर का निवेश होगा। बाजार की तेजी से भारत का एमएससीआई सूचकांक पर वर्ष के अंत तक संभावित रूप से 22 फीसदी भार हो सकता है। एयरटेल, कोल इंडिया, एंफेसिस के सूचकांक में भारांश में बढ़ोतरी होगी। मारुति सुजुकी, एलटीआईमाइंडट्री, अंबुजा सीमेंट्स, अदाणी एंटरप्राइजेज, यस बैंक और एसआरएफ के भारांश में कमी आएगी। एमएससीआई इंडिया स्मॉल-कैप इंडेक्स में 25 स्टॉक जोड़े जाएंगे।

बायजू के खिलाफ दिवाला कार्यवाही रद्द करने के आदेश पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षण प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बायजू के खिलाफ दिवाला कार्यवाही को रद्द करने के राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलएटी) के आदेश पर रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने बीसीसीआई के साथ बायजू के 158.9 करोड़ रुपये के बकाया के निपटान को मंजूरी देने वाले एनसीएलएटी के आदेश पर भी रोक लगा दी है। कोर्ट ने बीसीसीआई को समझौते के तहत बायजू से मिले 158.9 करोड़ रुपये अलग खाते में रखने का निर्देश दिया। पीठ में चीफ जस्टिस के अलावे जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे। इसके अलावा कोर्ट ने एनसीएलएटी के फैसले के खिलाफ अमेरिकी ऋणदाता ग्लास ट्रस्ट कंपनी की याचिका पर बायजू को नोटिस जारी किया।

भारतीय मूल के सीईओ लक्ष्मण नरसिम्हन की स्टारबक्स से साल भर बाद ही विदाई

नई दिल्ली, एजेंसी। कमजोर मांग और असंतुष्ट निवेशकों से जूझ रही स्टारबक्स ने मंगलवार को बताया कि कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मण नरसिम्हन एक साल से अधिक समय तक नौकरी में रहने के बाद पद छोड़ रहे हैं। अमेरिका के सिएटल स्थित कॉफी दिग्गज स्टारबक्स ने बताया है कि चिपोटल के अध्यक्ष और सीईओ ब्रायन निकोल 9 सितंबर को स्टारबक्स के अध्यक्ष और सीईओ का पद संभालेंगे। इस एलान के बाद मंगलवार को बाजार खुलने से पहले स्टारबक्स के शेयरों में 13 प्रतिशत से अधिक का उछाल दिखा। नरसिम्हन, जो लंबे समय तक पेप्सिको के सीईओ रहे और ब्रिटेन स्थित उपभोक्ता स्वास्थ्य कंपनी रेकिट के सीईओ के रूप में भी काम किया है, ने मार्च 2023 में स्टारबक्स सीईओ बने थे।

बीमा प्रीमियम पर जीएसटी कटौती का फैसला सितंबर में संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी काउंसिल की 54वीं बैठक नौ सितंबर को दिल्ली में आयोजित होगी। मंगलवार को बैठक की तिथि का ऐलान कर दिया गया है। इस बैठक में जीएसटी रेट को युक्तिसंगत बनाए जाने और कुछ उत्पादों की टैक्स रेट में बदलाव किए जाने की संभावना है। माना जा रहा है कि बैठक में स्वास्थ्य व जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी में कटौती को लेकर फैसला लिया जा सकता है।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे गए पत्र के बाद संसद में विपक्षी दलों ने स्वास्थ्य व जीवन बीमा प्रीमियम पर लगने वाले 18 फीसदी जीएसटी का मुद्दा उठाया था। केंद्रीय परिवहन मंत्री ने अपने पत्र में जीएसटी हटाने की मांग की थी, जिस पर तृणमूल कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने भी संसद के अंदर सवाल उठाते हुए हटाने की मांग उठाई थी।

इस पर केंद्रीय वित्त मंत्री ने जवाब देते हुए कहा था कि जीएसटी आने के पहले से टैक्स लगाया जा रहा है। बाकी 18 प्रतिशत जीएसटी में से बड़ा हिस्सा रायों को जाता है। रायों ने कभी जीएसटी परिषद की बैठक में इस मुद्दे को नहीं उठाया है। इसलिए अब माना जा रहा है कि विपक्षी दल शासित रायों की तरफ से इस मुद्दे को रखा जाएगा।

सभी राय जीएसटी कम करने पर हो सकते हैं सहमतः माना जा रहा है कि पूरी तरह से हटाए जाने की जगह सभी राय जीएसटी कम करने पर सहमत हो सकते हैं। इसके साथ ही बैठक में इंफोसिस को जीएसटी द्वारा दिए गए 32 हजार करोड़ के नोटिस का मुद्दा भी उठाया जा सकता है। इसमें भी परिषद कोई बीच का रास्ता निकाल सकती है। सीबीआई ने हैदराबाद के केंद्रीय कर के प्रधान आयुक्तालय में तैनात दो जीएसटी अधिकारियों के खिलाफ एक व्यापारी से 5 लाख रुपये की जबरन वसूली करने का मामला दर्ज किया है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने अधीक्षक वीडी आनंद कुमार और निरीक्षक मनीष शर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा कि आनंद कुमार और मनीष शर्मा ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता पर 'कुछ कथित अनियमितता' के लिए माल और सेवा कर (जीएसटी) लगाने की धमकी दी। इसके अलावा, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी जीएसटी अधिकारियों ने शिकायतकर्ता की निजी कंपनी की लोहे के स्क्रैप की दुकान को जब्त कर लिया और 04 जुलाई, 2023 को अवैध रिश्वत के रूप में 5 लाख रुपये की मांग की और स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने जब्त परिसर को खोलने के लिए 3 लाख रुपये की मांग की। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने हैदराबाद में दो स्थानों पर छापेमारी की और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं।

आपकी सेहत से खिलवाड़, नमक और चीनी के साथ आप खा रहे हैं प्लॉस्टिक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बाजार में बिकने वाले सभी ब्रांड के नमक और चीनी में प्लास्टिक के सूक्ष्म कण (माइक्रोप्लास्टिक) पाए गए हैं। फिर चाहे वे बड़े ब्रांड के हों या छोटे ब्रांड के, पैकेड हों या खुले में बिकते हों। यह दावा मंगलवार को प्रकाशित एक अध्ययन में किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए टेबल नमक, सेंधा नमक, समुद्री नमक और स्थानीय कचा नमक सहित 10 प्रकार के नमक पर अध्ययन किया। साथ ही ऑनलाइन और स्थानीय बाजारों से खरीदी गई पांच प्रकार की चीनी की भी जांच की।

चीनी के सभी नमूनों में माइक्रोप्लास्टिकः अध्ययन के दौरान नमक और चीनी के सभी नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी का पता चला, जो फाइबर, छर्रे, फिल्म और टुकड़ों सहित विभिन्न रूपों में मौजूद थे। इन माइक्रोप्लास्टिक का आकार 0.1 मिलीमीटर (मिमी) से लेकर पांच मिमी तक था। रिपोर्ट के मुताबिक आयोडीन युक्त नमक में बहुरंगी पतले रेशों और फिल्मों के रूप में माइक्रोप्लास्टिक्स की उचतम मात्रा पाई गई।

जैविक सेंधा नमक में सबसे कमः आयोडीन नमक में माइक्रोप्लास्टिक सबसे अधिक रिपोर्ट के मुताबिक, नमक के नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक की सांद्रता प्रति किलोग्राम नमक में 6.71 से 89.15 टुकड़े तक थी। आयोडीन युक्त नमक में माइक्रोप्लास्टिक की सांद्रता सबसे अधिक (89.15 टुकड़े प्रति किलोग्राम) थी, जबकि जैविक सेंधा नमक में सबसे कम (6.70 टुकड़े प्रति किलोग्राम) थी। चीनी के नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक की सांद्रता 11.85 से 68.25 टुकड़े प्रति किलोग्राम तक पाई गई, जिसमें सबसे अधिक सांद्रता गैर-कार्बनिक चीनी में पाई गई।

टॉक्सिकस लिंक के संस्थापक-निदेशक रवि अग्रवाल ने कहा, हमारे अध्ययन का उद्देश्य माइक्रोप्लास्टिक्स पर मौजूदा वैज्ञानिक डाटाबेस में योगदान देना था ताकि वैश्विक प्लास्टिक संधि इस मुद्दे का ठोस और केंद्रित तरीके से समाधान कर सके। टॉक्सिकस लिंक के एसोसिएट निदेशक सतीश सिन्हा ने कहा, हमारे अध्ययन में नमक और चीनी के सभी नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक की अछी खासी मात्रा का पाया जाना चिंताजनक है। मानव स्वास्थ्य पर माइक्रोप्लास्टिक के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में तत्काल और व्यापक अनुसंधान की जरूरत है।

पहली बार मुनाफे में आई रितेश अग्रवाल की ओयो, अब फ्रांस की बड़ी कंपनी को खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रैवल टेक कंपनी ओयो पहली बार मुनाफे में आई है। कंपनी का कहना है कि फाइनेंशियल ईयर 2024 में उसे 229 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ है। लगातार आठ तिमाहियों तक पॉजिटिव एजडस्टेड एबिटा के दम पर कंपनी ने यह उपलब्धि हासिल की है। पिछले फाइनेंशियल ईयर में उसका एजडस्टेड एबिटा 215 परसेंट चढ़कर 877 करोड़ रुपये पहुंच गया जो 2023 में 277 करोड़ रुपये रहा था। 2024 में कंपनी प्रति शेयर कमाई 0.36 रुपये रही जबकि 2023 में उसे प्रति शेयर 1.93 रुपये का नुकसान हुआ था। कंपनी का कहना है कि उसने दुनियाभर में अपना विस्तार किया है। यूरोप, अमेरिका, साउथईस्ट एशिया और मिडिल ईस्ट में उसने ग्रोथ हासिल की है। कंपनी की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक यूरोप वैकेशन रेंटल के लिए बड़ा बाजार है और वहां ओयो के होम बिजनस ओवीएच के लिए अपार संभावनाएं हैं। कंपनी ने के×जे कंसल्टिंग को खरीदने की भी घोषणा की है जो पेरिस की प्रीमियम रेंटल होम कंपनी चेकमाईगेस्ट को ऑपरेट करती है। कंपनी के प्रवक्ता कहना है कि चेकमाईगेस्ट की पेरिस में अछी मौजूदगी है। पेरिस दुनिया के उन शहरों में है, जहां सबसे यादा टूरिस्ट आते हैं। इस डील के मुताबिक ओयो को चेकमाईगेस्ट की दो सहयोगी कंपनियां स्टूडियो प्रेस्टीज और हेल्पमाईगेस्ट भी मिलेंगी।

काश! मैं टैक्स शून्य कर पाती, वित्त मंत्री बोलीं- हमारा काम राजस्व जुटाना, लोगों को परेशान करना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, मैं चाहती हूं कि टैक्स की दरें लगभग शून्य हो जाएं, लेकिन देश के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। इनसे निपटना जरूरी है। शोध और विकास के लिए धन जुटाना जरूरी है। उन्होंने कहा, एक वित्त मंत्री के रूप में हमारा काम सरकार के लिए राजस्व जुटाना है, न कि लोगों को परेशान करना। वित्त मंत्री ने कहा, देश को चुनौतियों से निपटने के लिए संसाधनों की जरूरत है। शोध व विकास पर और यादा खर्च करने की जरूरत है। भोपाल में एक कार्यक्रम में उन्होंने ऊर्जा बदलाव के संदर्भ में कहा, भारत को अपना वादा पूरा करने के लिए खुद का पैसा खर्च करना पड़ रहा है, क्योंकि वैश्विक समुदाय से अभी तक फंड नहीं मिला है। भारत ने इसका इंतजार भी नहीं किया और वह अपने भरोसे जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है। भारत ने पेरिस समझौते में किए गए वादों को अपने पैसे से पूरा किया है। वित्त मंत्री ने कहा, सरकार ने वैज्ञानिक अनुसंधान में भारी निवेश किया है। उन्होंने अंतरिम बजट में घोषित 'अनुसंधान कोष' का जिक्र कर कहा, इसे नए और तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में निवेश के लिए बनाया गया है। सीतारमण ने वैज्ञानिकों से नवीकरणीय ऊर्जा के भंडारण के लिए बैटरी विकसित करने की भी अपील की, क्योंकि जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तन टिकाऊ होना चाहिए।

कुमार मंगलम बिड़ला के जो बेटा-बेटी कल तक थे क्रिकेटर और सिंगर, बने 125888 करोड़ की कंपनी के डायरेक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के निदेशक मंडल में चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला के बेटे आर्यमन विक्रम बिड़ला और बेटी अनन्या बिड़ला को भी शामिल किया गया है। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने मंगलवार को इस बारे में एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया कि निदेशक मंडल की बैठक में अनन्या और आर्यमन को डायरेक्टर के तौर पर शामिल करने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई।

बयान के मुताबिक, अनन्या एक सफल महिला व्यवसायी होने के साथ मशहूर गायिका भी हैं। उन्होंने महज 17 साल की उम्र में स्वतंत्र माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनाई थी जो आज देश की दूसरी सबसे बड़ी माइक्रो-फाइनेंस कंपनी है। वहीं, आर्यमान के पास उद्यमिता, उद्यम पूंजी निवेश और पेशेवर खेल जैसे विविध अनुभव हैं। वह आदित्य बिड़ला समूह के फैशन, खुदरा, रियल एस्टेट और पेंट सहित कई व्यवसायों से जुड़े हुए हैं। अनन्या और आर्यमन को पिछले साल समूह की प्रमुख कंपनियों ग्रासिम इंडस्ट्रीज और आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल के निदेशक मंडल में जगह दी गई थी। उन्हें आदित्य बिड़ला मैनेजमेंट कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड में भी निदेशक बनाया गया था।

हिंडाल्को के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने इस नियुक्ति पर कहा, 'यह बोर्ड के लिए अनन्या और आर्यमन को निदेशक के रूप में शामिल करने का एक उपयुक्त समय है।... मुझे विश्वास है कि वे मूल्यवान नजरिया देंगे जो एक स्थायी भविष्य के लिए हिंडाल्को की रणनीतिक दृष्टि से मेल खाएंगे।'

आर्यमन एक शानदार क्रिकेटर रहे हैं। उन्होंने 2017-18 में घरेलू क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करके अपने करियर की शुरुआत की थी। उनकी प्रतिभा को देखते हुए 2018 में उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स ने अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि, 2019 में उन्होंने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए क्रिकेट से ब्रेक ले लिया।

इसी तरह अनन्या भी सफल सिंगर रही हैं। अपने बिजनेस पर फोकस करने के लिए उन्होंने सिंगिंग को अलविदा कर दिया था। इंस्टाग्राम पर अनन्या के बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। उन्होंने कई हिट गाने गाए हैं। इनमें होल्ड ऑन और लिविन द लाइफ जैसे गाने शामिल हैं।

नकदी संकट से जूझ रही स्पाइसजेट के प्रामोटर 3000 करोड़ जुटाने के लिए करने जा रहे काम

नई दिल्ली, एजेंसी। नकदी संकट से जूझ रही स्पाइसजेट के प्रमोटर अजय सिंह करीब 3,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए एयरलाइन में अपनी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से अधिक कम कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि सितंबर तक धन जुटाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सिंह स्पाइसजेट के सबसे बड़े शेयरधारक बने रहेंगे। इसके साथ ही उनकी हिस्सेदारी घटकर 30-35 प्रतिशत रह जाएगी। कंपनी अपने कैपिटल बेस का विस्तार करते हुए निवेशकों को नए शेयर जारी करके फ्रेश फंड जुटाने की योजना बना रही है।

सिंह और उनके परिवार के पास इस एयरलाइन में 47.8 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसमें से 38.8 प्रतिशत हिस्सेदारी कर्जदाताओं के पास गिरवी रखी हुई है। हालांकि, इस साल के अंत तक कुछ वारंटों को इक्विटी शेयरों में बदलने के लिए करीब 300 करोड़ रुपये का पेमेंट करने पर सिंह की शेयर होल्डिंग में 9 प्रतिशत की और वृद्धि होगी।

सूत्रों पर आधारित ईटी की खबर के मुताबिक एयरलाइन ने फंड जुटाने की प्रक्रिया को मैनेज करने के लिए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और जेएम फाइनेंशियल को नियुक्त किया है। इस मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों में से एक ने ईटी से कहा, च्जबकि प्रमोटर की हिस्सेदारी में बड़ी कमी आएगी, सिंह अभी भी सबसे बड़े शेयरधारक बने रहेंगे। संभावित निवेशकों को भी यही बताया गया है। एयरलाइन ने पहले 64 निवेशकों के समूह से लगभग 2,250 करोड़ जुटाने की योजना की घोषणा की थी, लेकिन वह केवल 1,060 करोड़ ही जुटा सकी, क्योंकि प्राथमिक निवेशकों में से एक ने अंततः अपना हाथ पीछे खींच लिया। स्पाइसजेट को ऑपरेशन को बचाने के लिए नकदी की सख्त जरूरत है, लेकिन अब तक फंड जुटाने के कई प्रयास विफल रहे हैं। इसने विमान पट्टेदारों सहित विक्रेताओं को भुगतान करने में चूक की है, जिनमें से कुछ ने एयरलाइन को दिवालिया घोषित करने के लिए अदालत में याचिका दायर की है।

मंगलवार को 9 प्रतिशत गिरा था शेयर

स्पाइसजेट एयरलाइन की बाजार हिस्सेदारी केवल 22 उड़ने वाले विमानों के साथ 4 प्रतिशत से नीचे गिर गई है, क्योंकि इंजन और स्पेयर पार्ट्स की कमी के कारण 30 से अधिक विमान जमीन पर हैं। बता दें मंगलवार को बीएसई पर स्पाइसजेट के शेयर लगभग 9 प्रतिशत गिरकर 56.4 पर बंद हुए।

रोहित शर्मा एक शानदार लीडर : द्रविड़

रोहित के साथ काम करना सौभाग्य की बात : द्रविड़

भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ने कप्तान रोहित शर्मा की सराहना की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ने कप्तान रोहित शर्मा की सराहना की और कहा कि 37 वर्षीय खिलाड़ी के साथ काम करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। रोहित ने वनडे और टी20ई में संयुक्त रूप से 14,846 रन, तीन दोहरे शतक, 33 शतक और 87 अर्द्धशतक बनाए हैं। अपने लाजवाब प्रदर्शन के अलावा, रोहित दो बार आईसीसी टी20 विश्व कप (2007 और 2024) और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी विजेता हैं। उनके नाम सबसे छोटे प्रारूप में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी है। भारत के टी20 कप्तान के रूप में रोहित ने 62 में 49 मैच जीते और भारत के सबसे सफल कप्तान बने। धोनी ने 72 मैचों में 41 जीत हासिल कीं। इसके अलावा, उन्होंने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में रोमांचक जीत के बाद भारत को आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब दिलाया, जिससे भारत का 11 साल का आईसीसी ट्रॉफी का सूखा समाप्त हुआ।द्रविड़ ने कहा कि रोहित शर्मा एक शानदार लीडर हैं। लोग उनके और ब्लू इन मेन के प्रति आकर्षित हैं। द्रविड़ बोले- मुझे लगता है कि रोहित के साथ काम करना सौभाग्य की बात है। इन ढाई वर्षों में मुझे लगता है कि वह एक शानदार नेता थे। लोग वास्तव में उनकी, टीम की ओर आकर्षित हुए। मुझे लगता है कि उनके पास बहुत लोग थे। टेस्ट क्रिकेट में विराट, बुमराह या अश्विन की प्रतिभा को सबने देखा है।

भारत के पूर्व मुख्य कोच ने कहा कि आज अश्विन को देखो। इस उम्र में भी वह सीखने की इच्छा रखते हैं। मेरे आसपास लोगों का एक अच्छा समूह था। और इनमें से कुछ लोगों के साथ काम करना सौभाग्य और खुशी की बात थी। मुझे खुशी है कि हम एक अच्छा माहौल बनाने में सफल रहे। लेकिन इसका बहुत सारा श्रेय कप्तान और वरिष्ठ लोगों को जाना चाहिए, जो ईमानदारी से कहें तो वास्तव में एक टीम को आगे बढ़ाते हैं। टीम इंडिया के लिए कोच के रूप में द्रविड़ का करियर बहुत अच्छा रहा, उन्होंने इस साल जून में बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका पर रोमांचक जीत के बाद आईसीसी टी20 विश्व कप ट्रॉफी के साथ समापन किया। इससे पहले, भारत पिछले साल घरेलू मैदान पर 50 ओवर के विश्व कप में लगातार 10 मैचों की जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया से हारकर उपविजेता रहा था। वे पिछले साल आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उपविजेता भी रहे थे। भारत ने पिछले साल 50 ओवर का एशिया कप भी जीता था।

हॉकी इंडिया ने पीआर श्रीजेश की 16 नंबर की जर्सी को रिटायर किया

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने महान गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश द्वारा पहनी गई 16 नंबर की जर्सी को रिटायर करने की घोषणा की है। यह निर्णय हाल ही में संपन्न पेरिस खेलों में भारत को लगातार दूसरा ओलंपिक कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले श्रीजेश की सेवानिवृत्ति के बाद लिया गया है। श्रीजेश के सम्मान में आयोजित एक समारोह के दौरान हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने श्रीजेश की जर्सी को रिटायर करने की घोषणा की। 36 वर्षीय श्रीजेश को जूनियर राष्ट्रीय टीम का कोच नियुक्त किया गया है, जहां वह भारतीय गोलकीपरों की अगली पीढ़ी को तैयार करने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

सिंह ने संवाददाताओं से कहा, 16 नंबर की जर्सी जूनियर टीम में रहेगी और श्रीजेश अगले श्रीजेश को तैयार करेंगे जो वह यह जर्सी पहनेगा।पेरिस 2024 ओलंपिक में भारतीय टीम ने कई बार शानदार हॉकी खेली; ऐसा प्रदर्शन जिसने उन्हें ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराने में मदद की, ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ एक सदस्य कम होने के बावजूद उन्होंने 40 मिनट से अधिक समय तक बचाव किया और पेनल्टी शूटआउट के लिए मजबूर किया और श्रीजेश की वीरता से 4-2 से जीत हासिल की। हॉकी इंडिया ने बुधवार को श्रीजेश को सम्मानित करने के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया था।

पूर्व गेंदबाज बना कीनिया टीम का मुख्य कोच, प्रथम श्रेणी में लिए थे 365 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कीनिया क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनाया जाना मेरे लिए सम्मान की बात है।भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डोडा गणेश को 2026 टी20 विश्व कप के क्वालिफायर से पहले कीनिया की पुरुष क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। 51 साल के गणेश ने भारत के लिए चार टेस्ट और एक वनडे मैच खेला था। उनकी जिम्मेदारी कीनिया की टीम और खिलाड़ियों से बेहतर क्रिकेट निकलवाने की होगी। डोडा चाहेंगे कि कीनियाई टीम उस दौर में लौटे जब वह लगातार विश्व कप में हिस्सा लेते थे। 1996 से 2011 के बीच कीनियाई टीम ने पांच विश्व कप में हिस्सा लिया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के इस एसोसिएट सदस्य देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2003 में रहा था जब वे संदीप पाटिल के रूप में एक भारतीय मुख्य कोच की मौजूदगी में दक्षिण अफ्रीका में हुए वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। कीनिया ने टी20 विश्व कप के सिर्फ एक टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया है। उन्होंने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में हुए टी20 विश्व कप में हिस्सा लिया था।

ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतने के बाद ही पूरा होगा मेरा सपना: नैन

सोनीपत, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक में लगातार बैक टू बैक दो पदक जीते हैं। भारतीय हॉकी टीम में सोनीपत के मयूर विहार के रहने वाले अभिषेक नैन का प्रदर्शन भी बढ़िया रहा। अभिषेक का मंगलवार को सोनीपत पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

अभिषेक इस स्वागत से काफी खुश नजर आए। इस अवसर पर अभिषेक ने कहा, ÷बहुत खुशी है कि हमने एक मेडल जीता। हालांकि गोल्ड मेडल न जीतने का दुख है। उम्मीद है कि अगली बार हम गोल्ड मेडल जीतेंगे। मैं सभी लोगों की खुशी में सहायक बना हूं, इसकी मुझे काफी प्रसन्नता है। ओलंपिक खेलना अभिषेक का बचपन का सपना रहा है। हालांकि पेरिस ओलंपिक में मेडल आने के बावजूद यह सपना अभी पूरा नहीं हो पाया है। अभिषेक ने कहा, मेरा ओलंपिक का सपना तब पूरा होगा, जब हम गोल्ड मेडल जीतेंगे।

अभिषेक को बचपन में चोट लग गई थी। इस चोट से पहले भी हॉकी खेलते हुए वह अक्सर चोटिल होते रहते थे। ऐसे में उनके गुरु ने उनका हौसला बढ़ाया दिया। अभिषेक ने कहा, बचपन में मेरी चोट को देखने के बाद माता-पिता ने हॉकी छोड़ने के लिए कह दिया था। मैं अक्सर चोटिल हो जाता था। ऐसे में मेरे गुरुजी ने मुझे आगे बढ़ाया।

पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम गोल्ड क्यों नहीं जीत पाई? इस सवाल पर अभिषेक ने कहा, हमको जो मौके मिले, हम उसको सेमीफाइनल मैच में गोल में तब्दील नहीं कर सके। हालांकि उस मैच

में गेंद पर अधिकतर हमारा कब्जा था। हम इसके अलावा अच्छा खेले।

कांस्य पदक में भारत का मुकाबला स्पेन से हुआ, जहां अंतिम डेढ़ मिनट का खेल काफी नर्वस करने वाला था। अंतिम डेढ़ मिनटों के बारे में बोलते हुए अभिषेक ने कहा, उस वक्त खिलाड़ी मानसिक तौर पर काफी दबाव में थे, क्योंकि हम इससे ठीक पहले सेमीफाइनल मैच हार चुके थे। खिलाड़ियों पर मानसिक थकान भी हावी थी। वह अंतिम पल काफी तनाव और दबाव भरे थे।

मालूम हो कि भारत ने स्पेन को कांस्य पदक मैच में 2-1 से मात दी थी। अभिषेक ने भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट के बारे में भी बात की और कहा कि विनेश मेडल की हकदार हैं। उन्होंने कहा, विनेश को उनका हक मिलना चाहिए। जब मेडल नहीं मिलता है तो एक खिलाड़ी को बहुत दुख होता है। पिछले तीन ओलंपिक विनेश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण रहे। एक बार उनको चोट भी लग गई थी। ऐसे में विनेश ने कुश्ती से संन्यास का फैसला भी ले लिया।

20 गेंदे, 12 रन और 5 विकेट, द हंड्रेड में कीवी गेंदबाज का कहर, टूर्नामेंट में रचा इतिहास

लंदन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउदी ने मंगलवार को द हंड्रेड में अपनी गेंदबाजी से कहर ढाया। इस टूर्नामेंट में बर्मिंघम फिनिक्स की ओर से खेलते हुए टिम साउदी ने रिकॉर्ड तोड़ गेंदबाजी की। उन्होंने ट्रेंट रॉकेट्स के खिलाफ अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

साउदी का शानदार स्पेल

साउदी ने अपने स्पेल में केवल 20 गेंदे डाली। इन 20 गेंदों में उन्होंने 12 रन दिए और 5 विकेट भी लिए। इस दौरान उन्होंने टॉम बैंटन, जो रूट, टॉम एलसोप, लुइस ग्रेगरी और सैम कुक का विकेट हासिल किया। टिम साउदी का यह स्पेल पुरुष द हंड्रेड का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्पेल है। उनके अलावा क्रिस वुड ने भी दो विकेट लिए। ट्रेंट के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी एलसोप रहे जिन्होंने 37 गेंदों में 51 रन बनाए। उनके अलावा इमाद वसीम ने भी 29 रन बनाए।

फिनिक्स की टीम ने आसानी से हासिल किया लक्ष्य

इस कारण फिनिक्स की टीम 100 गेंदों में केवल 118 रन बना पाई। फिनिक्स के लिए यह लक्ष्य बहुत बड़ा साबित नहीं हुआ। उन्होंने चार विकेट खोकर 93 गेंदों में यह लक्ष्य हासिल किया। टीम के लिए बेन डकेट ने 30 रन बनाए। वहीं लिएम लिविंगस्टोन ने भी 30 रन की पारी खेली। ट्रेंट की ओर से ल्यूक वुड और जॉन टर्नर ने 2-2 विकेट लिए।यह बर्मिंघम की सात मैचों में पांचवी जीत है। उनके अब तक दो मैच गंवाए हैं। उसके कुल 10 अंक हैं और अंकतालिका में तीसरे स्थान पर हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद सदर्न ब्रेव के भी 10 अंक हैं हालांकि उनका नेटरन रेट बेहतर है। वहीं ट्रेंट रॉकेट्स ने सात में से तीन मैच जीते हैं। उनके कुल छह अंक है।

स्वितोलिना ने सिनसिनाटी में पहला मुकाबला जीता

सिनसिनाटी, एजेंसी। एलिना स्वितोलिना एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीनी क्वालीफायर वांग याफान को 5-7, 6-3, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के दूसरे दौर में पहुंच गईं। एक बीमार दर्शक के कारण खेल बाधित होने से पहले स्वितोलिना ने वांग पर 4-1 की बढ़त बना ली थी। जब खेल दोबारा शुरू हुआ, तो वांग ने लगातार तीन गेम जीतकर सेट को सर्विस पर वापस ले लिया और उस गति को बरकरार रखते हुए 7-5 से सेट अपने नाम कर लिया।दूसरे सेट में उसने तुरंत खुद को रीसेट कर लिया। यूक्रेनी अनुभवी ने नौ एस लगाए और आठ में से छह ब्रेक प्वाइंट बचाए, स्वितोलिना ने 2019 के बाद से अपनी पहली सिनसिनाटी जीत हासिल करने के लिए मैच के शेष भाग में वांग को दूर रखा। उनका अगला मुकाबला नंबर 14 वरीयता प्राप्त विक्टोरिया अजारेंका या लकी लूजर लूसिया ब्रॉन्जेटी से होगा।

गोल्डन गर्ल की तरह होगा विनेश फोगाट का वेलकम

संन्यास तोड़कर खेलेंगी 2028 ओलंपिक!

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 में गोल्ड मेडल मैच से ठीक पहले डिसक्वालिफाई होने के कारण विनेश फोगाट ने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में केस लगाया है. जिसका फैसला 13 अगस्त को आना था, जिसे अब 16 अगस्त के लिए टाल दिया गया है. मगर इसी बीच फैसले को लेकर विनेश फोगाट के अंकल महावीर फोगाट का बयान सामने आया है.

महावीर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अपील के 8 दिन बाद 13 अगस्त को फैसला आ जाएगा. हालांकि ऐसा नहीं हो सका है. महावीर ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि विनेश को सिल्वर मेडल मिलेगा और घर वापसी पर उसका एक गोल्ड मेडल विजेता की तरह ही स्वागत किया जाएगा.

संन्यास तोड़ने के लिए विनेश मनाएंगे महावीर

बता दें कि विनेश का गोल्ड मेडल मैच 7 अगस्त को था. मगर उसी दिन सुबह 50 किग्रा फ्रीस्टाइल इवेंट के वेट कैटेगरी में उनका वजन 100 ग्राम ज्यादा पाया गया था. ऐसे में विनेश को मैच वाले दिन सुबह

ही अयोग्य करार देकर बाहर कर दिया. इसके अगले दिन यानी 8 अगस्त को 29 साल की विनेश ने रेसलिंग से संन्यास ले लिया था. अब इसी मामले में महावीर फोगाट ने एक बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि वो और उनका पूरा परिवार विनेश को संन्यास तोड़ने और रिंग में वापसी करने के लिए मनाएंगे. यदि विनेश अपना संन्यास का फैसला वापस लेती हैं तो फिर 2028 ओलंपिक की तैयारी शुरू कर दी जाएंगी.

विनेश फोगाट के अंकल महावीर फोगाट और उनके पूरे परिवार को फैसले का इंतजार है. उन्होंने आजतक से कहा, हम पिछले 4-5 दिनों से इस मामले में फैसले का इंतजार कर रहे हैं. हमें उम्मीद है कि उसे सिल्वर मेडल जरूर मिलेगा. हम उसका स्वागत गोल्ड मेडलिस्ट की तरह ही करेंगे. स्टार रेसलर विनेश ने पेरिस ओलंपिक में डिसक्वालिफाई होने के बाद संन्यास ले लिया है. इस मामले पर महावीर फोगाट ने कहा कि हम उसे संन्यास तोड़कर अगला ओलंपिक खेलने के लिए मनाएंगे. उन्होंने कहा, हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश करेंगे और उसे मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे कि वो अपना फैसला (संन्यास लेने का) वापस ले और 2028 ओलंपिक के लिए तैयारियां शुरू कर दे.

ग्वालियर में खेला जाएगा भारत-बांग्लादेश के बीच पहला टी20 मुकाबला

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले पहले टी20 मैच को धर्मशाला से ग्वालियर में आयोजित करने का फैसला किया, जबकि कोलकाता और चेन्नई ने अगले साल इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले टी-20 मैचों की अदला-बदली की है। धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में चल रहे नवीनीकरण के कार्य को ध्यान में रखकर, बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शिफ्ट कर दिया गया है। दोनों टीमों के बीच ये मैच 6 अक्टूबर को खेला जाएगा।

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टी-20 मैच, जो पहले 6 अक्टूबर को धर्मशाला में होना था, अब हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा ड्रेसिंग रूम में नवीनीकरण कार्य किए जाने के कारण ग्वालियर में खेला जाएगा। इसमें

आगे कहा गया है, ग्वालियर में होने वाला मैच शहर के नए स्टेडियम श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में पहला अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबला है और 2010 में ऐतिहासिक भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे के बाद पहला मैच है। इसमें महान सचिन तेंदुलकर वनडे में दोहरा शतक बनाने वाले पहले पुरुष क्रिकेटर बने थे। बांग्लादेश को सितंबर-अक्टूबर में दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं। सीरीज का पहला टेस्ट 19 सितंबर से चेन्नई में खेला जाएगा।

शेड्यूल में एक और बदलाव करते हुए, इंग्लैंड के खिलाफ पहला टी20 मैच अब 22 जनवरी, 2025 को कोलकाता में खेला जाएगा, जबकि चेन्नई में 25 जनवरी को दूसरा टी20 होगा। इसके अलावा बोर्ड ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले और दूसरे टी20 मैच के स्थलों में बदलाव की घोषणा की है। चेन्नई, जिसे मूल रूप से पहले टी20 मैच की मेजबानी करनी थी, अब दूसरे टी20 मैच की मेजबानी करेगा, जबकि कोलकाता पहले की घोषणा के अनुसार दूसरे टी20 मैच की जगह पहले टी20 मैच की मेजबानी करेगा। पहले टी20 मैच (22 जनवरी, 2025) और दूसरे टी20 मैच (25 जनवरी, 2025) की तारीखें वही रहेंगी। इंग्लैंड को भारत दौरे के दौरान पांच टी20 मुकाबला और तीन वनडे मैच खेलने हैं।

सिनेमाघरों में नहीं ओटीटी पर प्रदर्शित होगी विक्रांत मैसी की सेक्टर 36

एक तरफ जहाँ दिनेश विजान अपनी फिल्मों को सिनेमाघरों में प्रदर्शित करके सफलता पा रही है, वहीं दूसरी ओर वे ओटीटी प्लेटफार्म पर भी अपनी फिल्मों को सीधे प्रदर्शित करते रहते हैं। गत वर्ष मिमी को ओटीटी पर प्रदर्शित करने के बाद एक बार फिर वे ओटीटी पर सीधे अपनी फिल्म सेक्टर 36 लेकर आ रहे हैं, जिसमें विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में हैं।

विक्रांत मैसी की पिछले साल आई फिल्म '12वीं फेल' ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। हर किसी ने इसकी जमकर तारीफ की थी, चाहे वो आम हो या खास। फिल्म की कहानी के साथ दर्शकों को विक्रांत की एक्टिंग भी खूब पसंद आई। तब से ही उनकी फिल्मों को लेकर जबरदस्त क्रेज नजर आ रहा है। हाल ही में उनकी फिल्म फिर आई हसीन दिलरूबा का ओटीटी पर प्रदर्शन हुआ था। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। अब इस बीच विक्रांत की अगली फिल्म 'सेक्टर 36' की रिलीज डेट सामने आ गई है। यह 13 सितंबर को सिनेमाघरों के बजाय ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी। यह सच्ची घटनाओं से प्रेरित हैं।

इसमें विक्रांत के साथ दीपक डोबरियाल की भी अहम भूमिका है। यह झुग्गी बस्ती से कई बच्चों के लापता होने की कहानी है। इस मामले की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी के सामने रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। सोमवार (12 अगस्त) को निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक मोशन पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर में विक्रांत और दीपक गैंगस्टर लुक में हैं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, अनसुलझी गुमशुदगी, एक घातक पीछा और काला सच। इस खौफनाक क्राइम-थ्रिलर में विक्रांत मैसी और दीपक डोबरियाल नजर आएंगे। यह सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। सेक्टर 36 13 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। विक्रांत ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अनाउंसमेंट की, लिखा, यह रहा!!! दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित यह फिल्म आदित्य निंबालकर की बतौर निर्देशक पहली फिल्म है और इसमें सत्ता, अपराध और सामाजिक असमानता के विषयों को दिखाया गया है।

पलक की डेटिंग की खबरों पर मां श्वेता ने तोड़ी चुप्पी, कहा-

उसका हर दूसरे लड़के के साथ अफेयर...

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी अब इंडस्ट्री का जाना-माना नाम नाम बन गई हैं। वह अपने काम से लेकर लुक और पर्सनल लाइफ तक खूब चर्चा में रहती हैं। कई बार उनका नाम सैफ अली खान-अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ जुड़ चुका है। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी अब इंडस्ट्री का जाना-माना नाम नाम बन गई हैं। वह अपने काम से लेकर लुक और पर्सनल लाइफ तक खूब चर्चा में रहती हैं। कई बार उनका नाम सैफ अली खान-अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ जुड़ चुका है। इतना ही नहीं, दोनों को कई बार एक साथ भी स्पॉट किया जा चुका है। लेकिन उन्होंने डेटिंग की खबरों पर कभी भी रिस्पॉन्स नहीं किया। इसी बीच अब श्वेता तिवारी ने अपनी बेटी पलक के रिलेशनशिप पर चुप्पी तोड़ी है।

श्वेता तिवारी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा- पलक अब मजबूत है, लेकिन कल को कोई कमेंट या आर्टिकल उनके आत्मविश्वास को ठेस पहुंचा सकता है। वह अभी भी बच्ची है। कभी-कभी चीजें इतनी क्रूर हो जाती हैं, जैसे उसका हर दूसरे लड़के के साथ अफेयर हो! मुझे भी नहीं पता कि वो ये सब कब तक बर्दाश्त कर पाएगी। यहां तक कि वह अपनी डेटिंग की अफवाहों को लेकर भी हैरान हो जाती है। वह इसका मजाक उड़ाती है, लेकिन ऐसे समय में उसे ये चीजें परेशान भी कर सकती हैं।

बेटी की बॉडी शेमिंग पर श्वेता ने कहा- ये उसे परेशान नहीं करता। उसे शुरुआत में बुरा लगता था, लेकिन अब उसे पता है कि ऐसे की लोग हैं जो उसकी तरह दिखते हैं और कुछ ऐसे भी लोग हैं जो उसकी तरह दिखना चाहते हैं। उसे पता है कि उसने बहुत हार्ड वर्क के बाद ये सब हासिल किया है।

बता दें, इससे पहले खुद पलक तिवारी ने इब्राहिम संग डेटिंग की अफवाहों कहा था कि वो और इब्राहिम अच्छे दोस्त हैं, दोनों के बीच इससे ज्यादा कुछ नहीं है।

कलाकारों को लाइव देखना

एक अलग अनुभव :अदिति शर्मा

टेलीप्ले जनपथ किस में अभिनय करने वाली अभिनेत्री अदिति शर्मा ने कहा कि वह फिलहाल टेलीविजन में काम नहीं कर रही हैं, लेकिन हो सकता है कि अगले साल वह कोई टीवी शो करें। पिछली बार 2022 के टीवी शो कथा अनकही में नजर आईं अदिति ने मुख्य भूमिका के साथ टीवी पर वापसी करने के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया, मैं अभी कुछ पंजाबी फिल्मों पर काम कर रही हूं। अभी मैं टेलीविजन नहीं कर रही हूं, शायद अगले साल मैं कोई टीवी शो करूंगी। नाटक जनपथ किस की शूटिंग के बारे में अदिति ने बताया, यह पहली बार था जब हम कोई नाटक रिकॉर्ड कर रहे थे, और इसे मंच पर प्रस्तुत करना बहुत अलग है। हमें नहीं पता था कि हम इसे कैसे रिकॉर्ड करेंगे। रिहर्सल करना बहुत मजेदार था। दिल्ली के थिएटर समूहों के बहुत सारे कलाकार थे। उनके साथ काम करना और उनसे सीखना बहुत बढ़िया था।

इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज से प्रसिद्धि पाने वाली अदिति ने पारंपरिक थिएटर से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नाटकों के बारे में क्या महसूस किया, इस पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मंच पर अभिनय करना या अभिनेताओं को लाइव देखना एक अलग अनुभव है। मैंने टीवी, फिल्म, थिएटर जैसे कई माध्यमों में काम किया है। लेकिन मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर आपको मंच पर जो आनंद मिलता है, वह बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा कि इसलिए इसे रिकॉर्ड करके डिजिटल किया जा रहा है। जैसा कि आजकल बहुत सारे नाटकों के साथ हो रहा है।

इसलिए मुझे लगता है कि यह भविष्य के लिए बहुत अच्छी बात है, लेकिन इसे लाइव देखना कुछ अलग है। मुझे लगता है कि इसे बड़े दर्शकों तक पहुंचाना एक शानदार बात है, क्योंकि इसे विभिन्न भाषाओं में डब किया जा रहा है। अलग-अलग शहरों के लोग भी इसे देख सकते हैं। यह भविष्य के लिए एक शानदार बात है।

जनपथ किस में वह एक एयर होस्टेस की भूमिका निभा रही हैं, जो सार्वजनिक स्थान पर एक आकस्मिक घटना के कारण मीडिया के ध्यान में आ जाती है।

डेटिंग रूमर्स के बीच अपने पार्टनर को लेकर यह बोली कृति सेनन

वर्ष 2014 में साजिद नाडियाडवाला के बैनर की फिल्म हीरोपंती से अपनी शुरूआत करने वाली कृति सेनन अपने एक दशक लम्बे करियर में स्वयं को सफलतम अभिनेत्रियों में शुमार कर चुकी हैं। उनके साथ अपना करियर शुरू करने वाले टाइगर श्रॉफ को भी शुरूआत में जबरदस्त सफलता मिली, लेकिन इन दिनों वे असफलता के दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि उन्होंने हिन्दी फिल्मों के बड़े बैनरों में अपनी एक अलग पहचान बनाने में सफलता प्राप्त कर ली है। कृति विविध रोल में दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। फैंस को हमेशा उनकी फिल्मों का इंतजार रहता हैं। इस वर्ष उनकी दो फिल्मों –तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और क्रू–का प्रदर्शन हुआ। दोनों को बॉक्स ऑफिस पर सफलता मिली। अपनी फिल्मों के साथ इन दिनों कृति अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी लाइमलाइट में हैं। कहा जा रहा है कि कृति यूके बेस्ड बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। कुछ महीनों से लगातार इस बात के संकेत मिल रहे हैं। दोनों को कुछेक मौकों पर साथ-साथ स्पॉट किया गया है। कृति का 27 जुलाई को जन्मदिन था और उन्होंने इसका जश्न यूरोपियन कंट्री ग्रीस में मनाया। इस दौरान कबीर भी वहां मौजूद थे। फैंस इस जोड़ी को साथ देख काफी खुश हैं, लेकिन दोनों ने अभी तक खुलकर अपने प्यार का इजहार नहीं किया है। इस बीच फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में कृति ने बताया कि उनके सपनों का शहजादा कैसा होना चाहिए। कृति ने कहा कि आप ऐसे लोगों को चाहते हैं जो आपकी जिंदगी में पॉजिटिविटी लाएं। आप उनकी मौजूदगी में खुश रहते हैं क्योंकि वे आपको बेहतर बनने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं। वे आपके सबसे बुरे पलों में आपका साथ देते हैं।

आप एक ऐसे साथी की चाहत रखते हैं जो आपके घर लौटने पर आपके साथ हो और आपके सुख-दुख दोनों पलों को शेयर करे। भले ही आप जिंदगी में बड़ी सफलता हासिल कर लें, लेकिन किसी के बिना यह सब बेकार लगता है। इंडस्ट्री में रिश्ते अस्थायी हैं।

मेरी असली ताकत एक्टिंग में नहीं, बल्कि कहानियां कहने में है- सलीम खान

हिंदी इंडस्ट्री की ब्लॉकबस्टर जोड़ी सलीम खान और जावेद अख्तर, जिन्हें सलीम-जावेद के नाम से भी जाना जाता है, उनकी लाइफ जर्नी पर आधारित डॉक्यूमेंट्री सीरीज एंग्री यंग मेन का मंगलवार को ट्रेलर जारी किया गया। दो मिनट से ज्यादा लंबे इस ट्रेलर में सिनेमा जगत की मशहूर हस्तियां दिखाई गई हैं। इनमें आमिर खान, ऋतिक रोशन, सलमान खान, फरहान अख्तर, शत्रुघ्न सिन्हा, शबाना आजमी, अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, हेमा मालिनी, हेलेन और करीना कपूर खान जैसे नाम शामिल हैं।

ट्रेलर में दिखाया गया कि सलीम-जावेद ने अपने करियर में किन-किन चुनौतियों का सामना किया। दोनों के संघर्ष को विस्तार से दिखाया गया है। सलीम खान ने कहा कि मैंने अपने करियर की शुरुआत कैमरे के सामने की, लेकिन मुझे एहसास हुआ कि मेरी असली ताकत कहानियां सुनाने में है। तभी मैंने उस चीज पर फोकस करना शुरू कर दिया और लिखने लगा। जावेद अख्तर से अपनी मुलाक़ात को याद करते हुए उन्होंने कहा, फिर मैं जावेद से मिला, उनमें भी लिखने की कला शानदार थी। साथ में हमने कुछ बेहतरीन काम किए, जिस पर मुझे बहुत गर्व है।

हमने बड़ी सफलता हासिल की और इस दौरान इंडस्ट्री के मानदंडों को भी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि इस जर्नी पर आने वाली जनरेशन के लिए डॉक्यूमेंट्री बन रही है। उम्मीद है कि वे अपना बेस्ट करने के लिए प्रेरित होंगे और समाज से ऊपर उठकर अपनी पहचान बनाएंगे। जावेद अख्तर ने कहा, जब मैं इस शहर में आया, तब मेरे पास कोई जॉब, कॉन्टैक्ट या पैसा नहीं था। मैं अक्सर भूखे पेट सो जाता था। मैं हमेशा से यकीन था कि मेरी जीवन कहानी एक दिन जरूर बदलेगी।

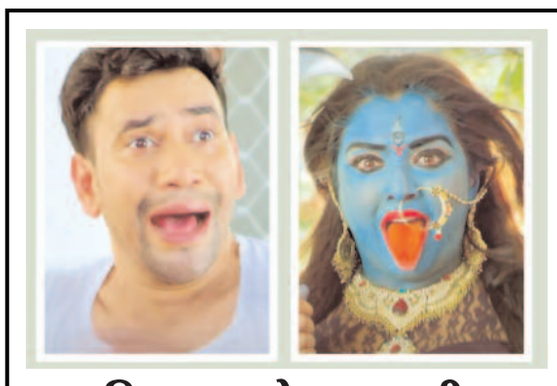

जब निरहुआ को आम्रपाली में दिखी मां काली

भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप जोड़ी में दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ और आम्रपाली दुबे की भी है. आम्रपाली ने साल 2014 में निरहुआ की फिल्म से भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपने कदम रखे थे और उनकी पहली ही फिल्म से वो इंडस्ट्री में छा गई थी. साथ ही दोनों की जोड़ी ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी, जिसके बाद से दोनों अब कर दर्जनों हिट और सुपरहिट भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुके हैं. दोनों की फिल्मों के साथ-साथ गानों को और कॉमेडी वीडियो को भी खूब पसंद किया जाता है. उनके गानों के साथ-साथ उनकी फिल्म के छोटे-छोटे कॉमेडी सीन भी यूट्यूब पर फैंस के बीच काफी वायरल होते हैं.

दोनों का एक ऐसा ही धमाकेदार कॉमेडी वीडियो यूट्यूब पर तेजी से वायरल हो रहा है और खूब पसंद भी किया जा रहा है, जिसका अंदाजा वीडियो पर आने वाले व्यूज से लगाया जा सकता है, जो करोड़ों पार कर चुके हैं. निरहुआ और आम्रपाली दुबे का ये कॉमेडी वीडियो उनकी फिल्म सिपाही का है, जो साल 2017 में आई थी. फिल्म में निरहुआ एक पुलिस वाले के किरदार में नजर आ रहे हैं, जो आम्रपाली के घर में रहते हैं. वायरल हो रहे सीन में निरहुआ सोते हुए नजर आ रहे हैं, जिनके ऊपर आम्रपाली पानी भर बाल्टी डालती है और अचानक निरहुआ की आंख खुल जाती है. इसके बाद वो जैसे ही आम्रपाली को देखते हैं तो उनका आम्रपाली में मां काली के दर्शन होते हैं, जिनको देख वो डर जाते हैं.

इधर नागा चैतन्य ने की सगाई

उधर सामंथा रुथ प्रभु और द फैमिली मैन के डायरेक्टर के अफेयर की खबर!

ग्लैमर वर्ल्ड में एक्ट्रेसेज और डायरेक्टर्स के बीच रिलेशनशिप की अफवाहें नई बात नहीं हैं। आजकल, सामंथा रुथ प्रभु और राज, जिनकी डीके संग जोड़ी है और डायरेक्टर हैं, उनके अफेयर की बातें चल रही हैं। ये कहानी लोगों के बीच काफी चर्चा में है और सब सच्चाई जानने के लिए उत्साहित हैं। इस खबर के बारे में और भी अफवाहें हैं। ऐसा कहा जाता है कि तेलुगू डायरेक्टर त्रिविक्रम, सामंथा के साथ एक होटल में रुके थे, जब उनकी पत्नी ने उन्हें साथ में देख लेने के बाद, उन्हें होटल से बाहर निकाल दिया था।

इससे लोगों को उनके रिश्ते के बारे में ज्यादा बात करने का मौका मिला है। लेकिन अगर सामंथा आगे बढ़ सकती है, तो चैतन्य भी आगे बढ़ सकते हैं, और इसका मतलब यह नहीं है कि वह एक टॉक्सिक इंसान हैं। दूसरी ओर, अफवाहें जारी हैं कि सामंथा का द फैमिली मैन के डायरेक्टर राज के साथ अफेयर चल रहा है। हालांकि इसमें कोई सच्चाई है या नहीं, अभी पुख्ता नहीं। मगर सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चा हो रही है कि इन दिनों के बीच कुछ चल रहा है।

और ये खबर तब आई है, जब नागा चैतन्य ने शोभिता धुलिपाला से सगाई कर ली। 8 अगस्त को नागा चैतन्य और शोभिता ने सगाई की और उसकी तस्वीरें एक्टर नागार्जुन ने शेयर कीं।

इसके बाद एक्ट्रेस ने भी सगाई से जुड़ी झलकियां इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इसके बाद फैंस का प्यार सामंथा के लिए और बढ़ गया और उन्होंने एक्ट्रेस को सपोर्ट करने के चक्कर में शोभिता को काफी भला-बुरा कहना शुरू कर दिया। और अब जब सामंथा के इस कथित अफेयर की अफवाह उड़ी है तो फैंस खुशी जाहिर कर रहे हैं।

ऐश्वर्या को अपने खानदान की बहू नहीं मानती हैं जया बच्चन

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन बॉलीवुड के उन कपल्स में से एक हैं जो इस समय लगातार लोगों की नजरों में बने हुए हैं। लोगों को लगने लगा है कि ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच सब ठीक नहीं है। बीते कई महीनों से ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के तलाक की खबर सामने आ रही है।

अब तक तो ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के परिवार ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी थी। हालांकि कुछ समय पहले ही अभिषेक बच्चन ने अपने तलाक की खबरों पर कमेंट किया है। अभिषेक बच्चन ने दावा किया है कि वो फिलहाल शादीशुदा हैं। अभिषेक बच्चन ने हाल ही में बॉलीवुड यूके मीडिया को दिए इंटरव्यू में अपनी पर्सनल लाइफ के पन्ने खोले। इस दौरान अभिषेक बच्चन अपनी सगाई की अंगूठी भी सबको दिखाते नजर आए। अभिषेक बच्चन ने कहा कि वो अब भी शादीशुदा हैं। सोशल मीडिया पर उड़ रही अफवाहों पर किसी को यकीन करने की जरूरत नहीं है।

इसी बीच ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन को लेकर फिर बवाल मच गया है। अब एंटरटेनमेंट न्यूज के गलियारे में ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन से जुड़ी एक वीडियो तेजी से वायरल हो रही है। इस वीडियो में जया बच्चन दावा करती नजर आ रही हैं कि ऐश्वर्या राय बच्चन उनके खानदान की बहू नहीं हैं। वायरल हो रहे वीडियो में जया बच्चन कहती दिख रही हैं, बेटी और बहू में काफी अंतर होता है। पता नहीं मुझे ऐसा क्यों लगता है कि बेटी बनकर आप अपने माता पिता की इज्जत नहीं करते। आप अपने मां बाप को हल्के में लेते हैं। जया बच्चन को पसंद नहीं है खुद के साथ अमिताभ का नाम लगाना, बोलीं- उनका कोई अस्तित्व नहीं है. आगे जया कहती दिखीं, आप सास ससुर के साथ ऐसा नहीं कर सकते। शादी के बाद सब बदल जाता है। मैं भादुड़ी से बच्चन बन चुकी हूं। अपने जमाने में मैं अपने बच्चों के साथ काफी स्ट्रिक्ट मां थी। मैं अपनी बहू के साथ ऐसा व्यवहार नहीं कर सकती।